

# रोज़गार और निर्माण

तेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

## वंचित वर्गों के सशक्तिकरण में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान

जनजातीय क्षेत्रों के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाएगा पेसा एक्ट - राष्ट्रपति

जनजातीय समाज का विकास पूरे देश के विकास से जुड़ा हुआ है। जनजातीय समाज एवं वंचित वर्गों के विकास और सशक्तिकरण में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। मध्यप्रदेश में जनजातीय महापुरुषों की स्मृति को बनाए रखने और भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये सराहनीय प्रयास किये गये हैं। इसके लिये राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित सभी संबंधित बर्दाई के पात्र हैं। ये बातें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने शहडोल में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहीं।

शहडोल, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्गों के कल्याण के लिये जिन प्रकल्पों का प्रारंभ किया गया है, वे सभी राष्ट्रीय महत्व के हैं। अनुसूचित क्षेत्रों के लिये बनाए गए नये नियम जनजातीय क्षेत्रों के सशक्तिकरण एवं जनजातीय वर्गों को उनके अधिकार दिलाने में प्रभावी होंगे। सम्पूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, विरसा गुण्डा स्व-रोजगार योजना, टंटया मामा आर्थिक कल्याण योजना, महिला उद्यमियों का सम्मान सभी जनजातीय सशक्तिकरण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों को देखते हुए हमें जनजातीय जीवन-शैली से शिक्षा लेने की आवश्यकता है। जनजातीय जीवन प्रकृति पर आधारित होता है और वे प्रकृति की रक्षा करते हैं। उनके लिये मानव समाज, वनस्पति और जीव-जंतु समान महत्व के हैं। जनजातीय वर्गों के स्थान पर समूह को, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहकारिता



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू शहडोल में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में आमजन का अभिवादन करती हुईं। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित थे।

### मध्यप्रदेश में है समृद्ध जनजातीय विरासत

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि मध्यप्रदेश में समृद्ध जनजातीय विरासत है। देश की कुल 10 करोड़ जनजातीय जनसंख्या में सर्वाधिक डेढ़ करोड़ जनजाति आबादी यहां निवास करती है। मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों किशोर सिंह, खाज्या नायक, रानी फूलकुंवर, सीताराम कुंवर, महुआ कौल, शंकर शाह, रघुनाथ शाह आदि ने सर्वस्व बलिदान कर दिया। सोलहवीं शताब्दी में रानी दुर्गावती ने आत्म-गौरव के लिये बलिदान दिया और उसके 300 वर्षों बाद उनके ही वंश के शंकर शाह और रघुनाथ शाह ने देश के लिये अपने प्राण न्योछावर किये।

को और विशिष्टता के स्थान पर समानता को अधिक महत्व देता है। उनमें स्त्री और पुरुष समान होते हैं और लिंगानुपात बेहतर होता है। जनजातीय समाज की ये विशेषताएं अनुकरणीय हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी मध्यप्रदेश

### पेसा एक्ट से ग्राम सभाएं बनेंगी मजबूत

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पेसा एक्ट के नये नियमों के अनुसार हर साल पटवारी को गांव, जमीन का नक्शा, खसरा नकल, गांव में लाकर ग्राम सभा में दिखाने होंगे, जिससे रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न कर सके। गड़बड़ी होने पर ग्राम सभा को उसे ठीक करने का अधिकार होगा। किसी योजना के लिये जमीन लेने के लिये ग्राम सभा की सहमति आवश्यक होगी। कोई भी व्यक्ति छल-कपट, धर्मांतरण आदि कर गांव वालों की जमीन नहीं हड़प सकेगा और यदि ऐसा होता है, तो ग्राम सभा को उसे वापस करवाने का अधिकार होगा।

के ही संपूर्ण थे, जिन्होंने जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन कर जनजातीय वर्गों के कल्याण के लिये ऐतिहासिक योगदान दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सोच को आगे बढ़ाते हुए यह मंत्रालय जनजातीय वर्गों के समग्र कल्याण के कार्य कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनजातियों की अपनी विशिष्टताएं हैं। वैसा जनजाति अपने परंपरागत जड़ी-बूटियों के ज्ञान एवं उपचार के उपयोग के लिये प्रसिद्ध हैं। मध्यप्रदेश के चंबल, मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड, महाकौशल क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने में जनजातीय

समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्रपति ने कहा कि गत सितंबर माह में मुंबई वैसा परंपरा पर आधारित मध्यप्रदेश की फिल्म 'मौल के बोल' को पुरस्कार देने का अवसर मिला। मध्यप्रदेश में जनजातीय विकास एवं उनकी परंपराओं को अक्षुण्ण रखने के लिये विशेष कदम उठाये जा रहे हैं। भगवान विरसा मुंडा के जन्म-दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने और इस कार्यक्रम में जनजातीय समुदाय की व्यापक भागीदारी के लिये राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बर्दाई के पात्र हैं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में लागू किये गये पेसा एक्ट के नये नियम जनजातीय वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। इन नियमों के लागू होने से ग्राम सभाएं बहुत अधिक शक्तिशाली हो जायेंगी। पेसा एक्ट के नये नियमों के अनुसार जल, जमीन और जंगल का प्रबंधन, छोटे-मोटे विवादों का निराकरण, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण, विभिन्न योजनाओं की मॉनीटरिंग आदि कार्य ग्राम सभा के हाथ में होंगे। श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने सामान्य जनजातियों परिवारों से देश के सर्वोच्च पद पर पहुंच कर नया इतिहास रचा है। वे सबके लिये प्रेरणा बन गयी हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से देश में ग्राम स्वराज की परिकल्पना मूर्त रूप ले रही है। सबका विकास और सामाजिक न्याय चरितार्थ हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के लिये सौभाग्य का विषय है कि भगवान विरसा मुंडा जयंती पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मध्यप्रदेश आई हैं।

(शेष पृष्ठ 14 पर)

### सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास

## तेजी से बढ़ेगी मध्यप्रदेश की विकास यात्रा - राष्ट्रपति

भोपाल, मध्यप्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के अनेक आयाम प्राप्त किये हैं। मध्यप्रदेश की विकास यात्रा तेज गति से आगे बढ़ेगी और सभी वर्गों तक विकास पहुंचेगा। मध्यप्रदेश का अनेक क्षेत्रों में अमूल्य योगदान है। खाद्यान्न उत्पादन में मध्यप्रदेश आगे है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन सहित अन्य कार्यों में चार वर्ष में मध्यप्रदेश ने महत्वपूर्ण वृद्धि और प्रगति प्राप्त की है। इसके लिए मध्यप्रदेश बर्दाई का पात्र है। स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने स्वच्छतम राज्य और इन्दौर नगर ने छठवीं बार स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त किया है। यह सराहनीय है और इन उपलब्धियों के लिए मध्यप्रदेश के नागरिक प्रशंसा के पात्र हैं। देश के अन्य प्रान्तों के लिए भी यह उपलब्धि अनुकरणीय है। ये बातें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भोपाल स्थित राजघरान में अपने नागरिक सम्मान और दो परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुये कहीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यप्रदेश नर्मदा जल से सिंचित है। प्रदेश को प्रकृति का वरदान प्राप्त है। देश में सबसे बड़ा वन

क्षेत्र है। अनेक राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य भी हैं। कृनों में नामीविया से चीते लाए गए हैं, जो लुप्त हो गए थे। रानी दुर्गावती, झलकारी वाई की गौरव गाथाएं सुनी जाती हैं। अहिल्या वाई होल्कर ने काशी के मंदिर का उद्धार करवाया। मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल में रानी कमलापति के सम्मान में कदम उठाए हैं। रेलवे स्टेशन का नामकरण भी उनके योगदान को याद करने के लिए किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यप्रदेश में डॉ. अम्बेडकर, डॉ. शंकरदयाल शर्मा और श्री अटल जी जैसी विभूतियां जन्मीं और प्रेक्षित से अजीवन जुड़ी रहीं। प्रदेश में अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य है। कालिदास, तानसेन, उस्ताद अलाउद्दीन खां के साथ ही अन्य अनेक व्यक्तित्व मध्यप्रदेश की पहचान हैं। उज्जैन में सिंहदेव होठे हैं। ग्वालियर, मैहर, खजुराहो में उत्सव होते हैं। भेंडाघाट, शिवपुरी और बेतवा के उत्सव, अमरकंटक और चित्रकूट सहित तीन विश्व धरोहर स्थल यहां हैं। भीमबेटका, सांची और खजुराहो को यूनेस्को ने यह दर्जा दिया है।

(शेष पृष्ठ 14 पर)

## मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हुआ अमूल्य कार्य - राष्ट्रपति



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू महिला स्व-सहायता समूह के सम्मेलन के दौरान समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों का अवलोकन करती हुईं।

भोपाल, मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। यहां लगभग 42 लाख महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हुई हैं। इन महिलाओं को सरकार के माध्यम से कृषि एवं गैर कृषि कार्यों के लिए 4 हजार 157 करोड़ रुपये का बैंक ऋण एक उत्पाद योजना द्वारा इनके उत्पादों

को बड़े बाजारों तक पहुंचाया गया है। आजीविका मार्ट पोर्टल से 535 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के उत्पादों की बिक्री हुई है। प्रदेश में लगभग 17 हजार महिलाएं पंचायत प्रतिनिधि बनी हैं। यहां कुछ महिलाओं द्वारा अपनी सफलता के अनुभव सुनाए गये हैं, जो प्रेरणादायक हैं। मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूह ने जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। सभी महिलाओं के प्रयास और सरकार के सहयोग से यह संभव हो पाया है। इसके

लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश सरकार सहित महिलाएं सभी बर्दाई के पात्र हैं। मैं यहां आकर अभिभूत और आश्चर्यचकित हूं। ये बातें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भोपाल में आयोजित महिला स्व-सहायता समूहों के सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के बनाने में महिला शक्ति की अधिक से अधिक भागीदारी जरूरी है। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिससे सभी वर्ग की बेटियां निर्भीक एवं स्वतंत्र महसूस करें और अपनी प्रतिभा का भरपूर उपयोग कर सकें।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व में जहां-जहां कार्य किये जाते हैं वहां सफलता के साथ संवेदनशीलता भी देखने को मिलती है। सभी महिलाएं एक-दूसरे को प्रेरित करें। एकजुट होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ें।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि देश के विकास में मध्यप्रदेश की महिलाओं का अमूल्य योगदान रहा है। वीरगंगा दुर्गावादी, अहिल्यावादी, अवंतीवादी और कमलाबाई की गौरव गाथा हमारी विरासत है।

(शेष पृष्ठ 14 पर)

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



## 12 नवम्बर

### इसरो ने किया स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का

सिंगापुर और ताइवान अभी भी इस निगरानी सूची का हिस्सा हैं।  
● सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ने आठ डॉलर प्रति माह वाले नये ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन कार्यक्रम पर रोक लगा दी है। ट्विटर ने एक बयान जारी कर कहा कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने के बाद इस प्लेटफॉर्म पर फेक (नकली) अकाउंट्स की संख्या काफी बढ़ गई थी। ट्विटर के नये मालिक एलन मस्क ने कहा कि ट्विटर सिटीजन जर्नलिज्म का स्तर बढ़ाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि ट्विटर ने कुछ दिन पहले ही ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन कार्यक्रम लॉन्च किया था। इसके बाद यूजर्स ने एलन मस्क की कंपनी टेस्ला और स्पेसएक्स सहित कई अन्य कंपनियों के ब्लू टिक वाले फेक अकाउंट बना लिये थे और भ्रमित करने वाले ट्वीट किये थे। पहले ट्विटर पर ब्लू टिक यूजर को अकाउंट सत्यापन के बाद ही मिलता था।

## 14 नवम्बर

### पांच वर्षों में 100 नये मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रस्ताव तैयार

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक योजना के तहत जिला अस्पतालों को अपग्रेड करके अगले पांच वर्षों में 100 नये मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानव संसाधन की उपलब्धता को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत जिला या रेफरल अस्पतालों को अपग्रेड कर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जायेगी। प्रति कॉलेज को अपग्रेड करने पर अनुमानित लागत 325 करोड़ रुपये आवेगी। इसमें केंद्र सरकार की 60 प्रतिशत तथा राज्य सरकार की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। पूर्वांचल और विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों के लिये केंद्र सरकार और राज्य का फंडिंग पैटर्न 90:10 के अनुपात में होगा। वित्त विभाग ने स्वास्थ्य मंत्रालय के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे अब केंद्रीय कैबिनेट में पेश किया जायेगा।

● भारत में संचार आधारित रेल नियंत्रण प्रणाली विकसित करने के लिये भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) से साधारण किया है। इस करार के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की यह दोनों कंपनियां देश में संचार आधारित रेल नियंत्रण प्रणाली (चालक रहित ट्रेन) विकसित करेंगी। इस प्रणाली के तहत मेट्रो और अन्य ट्रेनों के चालक रहित संचालन को सक्षम बनाया जायेगा। केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय की निगरानी में यह प्रणाली विकसित की जायेगी।

## 15 नवम्बर

### भारत वर्ष 2070 तक हानिकारक गैसों का उत्सर्जन करेगा शून्य

● मिशन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन में भारत ने पर्यावरण सुधार की



अपनी योजना को सार्वजनिक किया है। भारत ने घोषणा की है कि वह वर्ष 2070 तक हानिकारक गैसों का उत्सर्जन शून्य करेगा। भारत ने कहा कि पेरिस समझौते के तहत हम वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के लिये प्रतिबद्ध हैं। इस समझौते में शामिल अन्य देशों की भी जिम्मेदारी है कि वह कार्ययोजना बनाकर पर्यावरण सुधारों को

क्रियान्वित करें। उल्लेखनीय है कि अब तक विश्व के 56 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार करने की घोषणा की है, इनमें अमेरिका, चीन और जापान शामिल हैं।

● पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कहा कि



अब उसकी एनपीएस सहित अन्य योजनाओं में खाता सेंट्रल केवाईसी (सीकेवाईसी) के जरिये खोला जा सकता है। सीकेवाईसी के जरिये होने वाली पूरी प्रक्रिया कागज रहित (पेपरलेस) होगी। सीकेवाईसी में एक बार ही केवाईसी कराने की जरूरत होती है। पीएफआरडीए ने बताया कि सीकेवाईसी वित्तीय सेवा प्रदान करने वाले संस्थानों में खाता खोलने की प्रक्रिया को आसान बनाता है। इसमें निवेशकों को केवाईसी के लिये दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होती है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने कुछ वर्ष पहले ही सीकेवाईसी सुविधा को शुरू किया है।

## 16 नवम्बर

### आरबीआई ने डिजिटल करेंसी के लिये चुने बैंक

● भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल करेंसी 'डिजिटल रुपैया' के पायलट



प्रोजेक्ट पर काम करने के लिये पांच बैंकों को चुना है। इनमें चार नाम सामने आए हैं- भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि जल्द लॉन्च होने वाले इस पायलट प्रोजेक्ट के साथ अन्य बैंकों को भी जोड़ा जा सकता है। आरबीआई ने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को जांचने के लिये दो मोर्चों पर काम किया जा रहा है। शोक बाजार के लिये पहला पायलट प्रोजेक्ट पहले ही शुरू किया जा चुका है, जबकि दूसरा मोर्चा रिटेल मार्केट है। आरबीआई के अनुसार रिटेल सीबीडीसी का इस्तेमाल कोई भी कर सकेगा, जबकि थोक सीबीडीसी का इस्तेमाल चुनिंदा वित्तीय संस्थान ही कर सकेंगे।

● भारत अगले दो वर्षों तक जी-20 देशों की बीच सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह अनुमान रेटिंग एजेंसी मूडीज ने लगाया है। मूडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की विकास दर वर्ष 2022 में सात प्रतिशत, वर्ष 2023 में 4.8 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 6.4 प्रतिशत रहेगी। इस अवधि में जी-20 समूह का कोई अन्य देश इस गति से विकास नहीं कर पायेगा। मूडीज ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों को देखते हुये हालिया अनुमान में तमाम देशों की विकास दर को कम किया गया है। इन सबसे बावजूद भारत सबसे तेज गति से विकास करने वाला देश बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में जी-20 देशों की विकास दर महज 1.3 प्रतिशत रहेगी।

## 17 नवम्बर

### पोलैंड मिसाइल हमले में नाटो ने दी रूस को क्लीन चिट

● रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पोलैंड के एक गांव में दो मिसाइलों के गिरने के बाद रूस और नाटो सेना के बीच तनाव बढ़ गया है। इसी बीच पोलैंड और नाटो ने इस मिसाइल हमले पर रूस को क्लीन चिट दी है। नाटो ने कहा कि पोलैंड के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ मिसाइल हमला रूस की ओर से नहीं था, इस हमले के लिये रूस को जिम्मेदार ठहराने के लिये कोई साक्ष्य नहीं है। माना जा रहा है कि यह मिसाइल यूक्रेन के एयर डिफेंस से छोड़ी गई थी, जो पोलैंड के सीमावर्ती गांव में जा गिरी। यूक्रेनी एयर डिफेंस सिस्टम ने यह मिसाइल रूसी मिसाइल हमले को रोकने के लिये दागी थी। पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रियेज डुडा ने कहा कि यूक्रेन के एयर डिफेंस सिस्टम ने एक साथ कई मिसाइलें दागीं, उन्हीं में दो मिसाइलें सीमा पार कर पोलैंड के गांव में गिरीं।

● भारतीय सेना के इतिहास में पहली बार महिला अधिकारियों को प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टार्फ कोर्स (डीएसएससी) में प्रवेश मिला है। छह महिला अधिकारियों ने डीएसएससी की दुरीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें से दो महिला अधिकारी सेना की गुप्तचर कोर से हैं। डीएसएससी की इस वर्ष हुई परीक्षा में 15 महिला अधिकारी सम्मिलित हुई थीं। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा में प्रत्येक वर्ष 1500 से 1600 सैन्य अधिकारी सम्मिलित होते हैं, जिनमें से 300 ही चयनित हो पाते हैं। डीएसएससी कोर्स पूरा करने के बाद अधिकारी सेना के उच्च पदों पर नियुक्तियों के साथ-साथ विदेशी तैनाती के लिये योग्य हो जाते हैं।

## 18 नवम्बर

### इसरो के साथ सौ स्टार्टअप ने कराया पंजीकरण

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ लगभग सौ स्टार्टअप ने पंजीकरण कराया है। यह सभी स्टार्टअप अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। यह जानकारी इसरो के अध्यक्ष डॉ. एम. सोमनाथ

ने टेक-समिट-2022 में भारत में शोध विकास का वैश्विक प्रभाव विपणन को संवोधित करते हुये दी। डॉ. सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने कई कंपनियों के साथ काम करने के लिये सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं। इसमें



अंतरिक्ष की तकनीक और शुरू से अंत तक की निर्माण प्रक्रिया शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियां हैं, जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ा काम करने में सक्षम हैं। डॉ. सोमनाथ ने कहा कि इन सौ स्टार्टअप में से दस से अधिक स्टार्टअप सैटेलाइट और रॉकेट विकसित करने का काम कर रहे हैं। इसरो इन कंपनियों को सुविधाएं प्रदान करने में अहम भूमिका निभायेगा और तकनीकों का निर्माण करने में उनकी मदद भी की जा रही है।

● भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में पैगोंग झील पर गश्त के लिये नये लैंडिंग शिप और स्पीड बोट तैनात किये हैं। इन उपकरणों की तैनाती से 14 हजार फीट की ऊंचाई पर चीन सीमा से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थित पैगोंग झील में भारतीय सेना की निगरानी और गश्ती ताकत बढ़ गई है। सेना ने बताया कि नये लैंडिंग क्राफ्ट को पाकिस्तान से सटे गुजरात को सर क्रीक इलाके में भी तैनात किया गया है। लैंडिंग क्राफ्ट 35 सैनिकों को ले जाने में सक्षम हैं, वहीं स्पीड बोट 35 समुद्री मील (65 किलोमीटर) प्रति घंटा की रफ्तार से पेट्रोलिंग कर सकती है। उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में पैगोंग झील तथा इसके आस-पास के इलाके को लेकर तनाव गहरा गया था।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साधित)

## साप्ताहिक रोज़गार और निर्माण

### में विज्ञापन के लिए दरें

### टैरिफ

| क्रमांक | ब्लैक एंड व्हाइट<br>रेट प्रति वर्ग सेंटीमी (Sq Per cm) | रंगीन<br>रेट प्रति वर्ग सेंटीमी (Sq Per cm) |
|---------|--------------------------------------------------------|---------------------------------------------|
|---------|--------------------------------------------------------|---------------------------------------------|

|                       |       |       |
|-----------------------|-------|-------|
| 1. डीएवीपी (DAVP) रेट | 13.36 | 18.70 |
|-----------------------|-------|-------|

|                  |       |       |
|------------------|-------|-------|
| 2. कॉन्टैक्ट रेट | 70.00 | 98.00 |
|------------------|-------|-------|

|                  |       |        |
|------------------|-------|--------|
| 3. कनार्थियल रेट | 80.00 | 112.00 |
|------------------|-------|--------|

### फुल पेज का आकार

|                    |   |                    |
|--------------------|---|--------------------|
| चौड़ाई             | - | 25 सेंटीमीटर       |
| लंबाई              | - | 37 सेंटीमीटर       |
| कुल वर्ग सेंटीमीटर | - | 925 वर्ग सेंटीमीटर |



संपर्क करें:

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

ईमेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।

2. 4.5x5 सेंटीमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 47

21.11.2022 से 27.11.2022

## रोज़गार और निर्माण



www.rojgaraurmirmann.in

- प्रबंध संचालक
- सम्पादक
- कार्यकारी सम्पादक
- प्रबंधक
- प्रबंधक
- आकल्पन
- वेबसाइट
- रावधेन कुमार सिंह
- पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- राजीव तिवारी
- वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आशा रोमन, अरविन्द टोयो
- आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनोआईड अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनावकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-  
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011  
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com  
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। ज़रूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

## सम्पादकीय

राज्य और जिला स्तर पर

## आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक और सहायिकाएं होंगी पुरस्कृत

हम सब मिलकर यह चुनौती स्वीकार करें कि आगामी एक साल में प्रदेश में कोई बच्चा कम वजन का नहीं रहेगा। प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका अपने क्षेत्र के हर बच्चे और महिला को पर्याप्त पोषण उपलब्ध कराने को शासकीय कार्य नहीं अपितु अपना व्यक्तिगत कर्तव्य माने। महिला एवं बाल विकास मात्र विभाग नहीं, मेरा अपना परिवार है। महिलाओं-बच्चों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति में सुधार तथा महिला सशक्तिकरण के लिये कार्य कर रहे इस विभाग के मैदानी अमले की मेहनत और विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों की सजगता एवं जागरूकता की समाज और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री महिला एवं बाल विकास के मैदानी अमले के मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं उत्प्रेरणा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश की जनता की ओर से विभाग की सेवाओं का सम्मान तथा प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों को पुरस्कृत करने का कार्यक्रम है। राज्य शासन द्वारा प्रति वर्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और पर्यवेक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां-बहन और बेटों को उनका अधिकार दिलाना मेरे जीवन का उद्देश्य है। प्रदेश में लिंगानुपात बराबर करने के लिये मैं प्रतिबद्ध हूँ। बेटों की चाह ने बेटियों के साथ बहुत अन्याय किया है। हमारी सरकार बेटियों को बोल समझने के सब कार्यों को समाप्त करने के लिये प्रतिबद्ध है। वर्ष 2011 की जनगणना के समय प्रदेश का शिशु लिंगानुपात 919 था। एनएचएस-5 के अनुसार जन्म के समय लिंगानुपात 927 से बढ़कर 956 हो गया। महिला एवं बाल विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में समाज का हरसंभव सहयोग लिया जायेगा। अडॉप्ट एन आंगनवाड़ी में जन-सहभागिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। समाज भी आंगनवाड़ियों के लिये अधिकाधिक सहयोग के लिये तत्पर है। भोपाल में आंगनवाड़ियों के लिये लोगों ने भरपूर सामग्री दी और इंदौर से आर्थिक रूप से हर सहयोग मिला है। मुख्यमंत्री ने लाइली लक्ष्मी योजना-2 के प्रावधानों की जानकारी देते हुये कहा कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट की पढ़ाई तथा अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थाओं से प्रवेश लेने वाली लाइली लक्ष्मी बेटियों की फीस राज्य शासन द्वारा भरवायी जायेगी। बेटियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिये हरसंभव सहायता और अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहां नगरीय निकायों और पंचायत राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इसी का परिणाम है कि अब घर की दहलीज पर नहीं करने वाली महिलाओं के आधार पर परिवार के पुरुषों को पहचान मिल रही है। उन्हें सरपंच पति, पार्षद पति के रूप में जाना जा रहा है। महिला पुलिस के रूप में कानून व्यवस्था संभालती बहन-बेटियों को देखकर मन प्रसन्नता से भर जाता है और लगता है कि महिला सशक्तिकरण का भाव वास्तविक रूप में क्रियान्वित हो रहा है।

## एंटीबॉडी खत्म कर रहे हैं सफाई उत्पाद

मनुष्य के जीवन में सफाई का बहुत महत्व है। साफ-सफाई के अभाव में मनुष्य कई तरह की परेशानियों से घिर जाता है। लेकिन अब शोधकर्ताओं ने साफ-सफाई करने वाले उत्पादों को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। शोध के अनुसार हाथ धोने के साबुन, टूथ पेस्ट और साफ-सफाई में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों में ऐसे रसायन पाये गये हैं, जो शरीर में बैक्टीरिया आदि को खत्म करने वाली एंटीबॉडीज को नुकसान पहुंचा रहे हैं। टोरोंटो यूनिवर्सिटी में अस्मिस्टेड प्रोफेसर हुई पंग के नेतृत्व में किये गये अध्ययन के मुताबिक मिश्री में हजारों रसायन मौजूद रहते हैं। इनमें ट्राइक्लोलोन को प्रमुख एंटी बैक्टीरियल कंपाउंड के रूप में पाया गया, जो ई-कोलाई को प्रभावित करता है। एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस यानी रोगाणुरोधी प्रतिरोध उस वक्त होता है, जब बैक्टीरिया और फंगस उन्हें खत्म करने के लिये तैयार की गई दवाओं को हराने की क्षमता विकसित कर लेते हैं। इसका मतलब यह है कि कीटाणु खत्म नहीं होते हैं और बढ़ते रहते हैं। रेसिस्टेंट इंफेक्शन का इलाज मुश्किल और कभी-कभी नामुमकिन हो सकता है। शोध के अनुसार एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस दुनियाभर में आम लोगों के लिये बड़ा खतरा है। इसकी वजह से दुनियाभर में 1.27 मिलियन लोगों की मौत हो चुकी है। शोधकर्ताओं ने इस तरह के उत्पादों से तब तक दूरी बनाने की सलाह दी है, जब तक ये कंपनियां स्टैंडर्ड तय न करें और कंपाउंड प्रोपॉर्शन न बनायें। तब तक लोगों को उत्पादों से बचने के साथ-साथ ज्यादा आर्गेनिक और प्राकृतिक उत्पादों का इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिये। ड्राई शैम्पू, एरोसोलाइज्ड स्प्रे, परफ्यूम और सनस्क्रीन में बेंजीन नाम का कंपाउंड होता है। इसका प्रयोग ब्लड कैंसर और ल्यूकेमिया का कारण बन सकता है। घरों में इस्तेमाल होने वाले पाउडर में एक्सेल्टस होता है। इससे ओवेरियन कैंसर या यूटेरिन कैंसर हो सकता है। टूथपेस्ट को लेकर शोधकर्ताओं ने कहा इसमें ट्राइक्लोलोन कंपाउंड होता है। तय मानक को काफी समय तक इसका इस्तेमाल करने पर यह कैंसर का कारण भी बन सकता है।

- देवेश निवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

## कलम की शक्ति को समर्पित दिन

खींचो न कमानों को न तलवार निकालो,  
जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।।

मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी की यह नज्म कलम की ताकत का महत्व बताती है कि तलवार का मुकाबला तलवार या तोप से नहीं, बल्कि कलम से किया जा सकता है। कलम या मीडिया की ताकत पर ही आजादी के पहले से लेकर आजादी के बाद तक देश-दुनिया में कई जनआंदोलन हो चुके हैं। भारत में प्रेस यानी मीडिया को कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका के बाद लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, जिसका कार्य आमजन के अधिकारों के लिए सदैव सजग रहना है। प्रेस और पत्रकारिता जगत के कार्यों के प्रति जागरूकता और उनके कार्यों को सम्मान देने के लिए ही प्रतिवर्ष हम राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाते हैं।

पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 4 जुलाई, 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई थी, जिसने 16 नवम्बर, 1966 से कार्य करना शुरू किया था। तभी से प्रेस परिषद के स्थापना दिवस 16 नवम्बर को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' के रूप में देशभर में मनाया जाता है। यह दिन भारत में स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। विश्व में आज लगभग 50 देशों में प्रेस परिषद या मीडिया परिषद कार्यरत हैं।

## प्रेस परिषद की स्थापना का इतिहास

भारत में पत्रकारिता के उच्च मानकों की स्थापना और उनके क्रियान्वयन के उद्देश्य से 23 सितंबर, 1952 को देश में प्रथम प्रेस आयोग का गठन हुआ था। इसके अध्यक्ष न्यायाधीश जे.एस. राज्याध्यक्ष और इसमें कुल 11 सदस्य थे। इस आयोग ने देशभर में समाचार-पत्र उद्योग के प्रबंधन, नियंत्रण और स्वामित्व तथा वित्तीय संरचना का अध्ययन एवं विश्लेषण करके अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इस आयोग ने ही भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एवं पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। इसकी अनुशंसा पर ही 4 जुलाई, 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई, जिसने 16 नवम्बर, 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। प्रेस के विकास की प्रक्रिया को समय के अनुसार गति देने और जन साधारण को प्रेस द्वारा लाभाभित्त करने के उद्देश्य से 29 मई, 1978 को सरकार ने पीसी गोस्वामी की अध्यक्षता में द्वितीय प्रेस आयोग का गठन किया था।

## अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में निहित

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता, भारतीय संविधान के अटिकल 19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार को सुनिश्चित करती है। इस दिवस का मूल उद्देश्य प्रेस की आजादी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है, लोकतंत्र के मूल्यों की सुरक्षा में मीडिया अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर पूरे देश में विविध संस्थानों, कार्यालयों, समाचार पत्र-पत्रिकाओं के संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और चर्चा की जाती है, कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रेस की क्या-क्या भूमिकाएं हो सकती हैं? प्रेस स्वतंत्र रूप में राष्ट्रहित में कैसे अपने कार्य कर सकती है? समेत विविध विषयों पर चर्चा होती है।

## पत्रकारिता का समय के साथ विस्तृत होता क्षेत्र

समय के साथ समाज बदलता है और उसी के साथ बदलते हैं पत्रकारिता के उद्देश्य, जैसे कि भारत के पत्रकारिता के इतिहास पर यदि नजर डाली जाए तो हम यह देखेंगे कि अपने इस लंबे स्वर्णिम इतिहास में पत्रकारिता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम

राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवम्बर



में बहुत ही अहम दायित्व निभाया है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को कलम की ताकत का अंदाजा बहुत अच्छे से था, इसलिये आम जनमानस को ब्रिटिश सरकार की जनहानि करने वाली नीतियों के प्रति जागरूक करने के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने पत्रकारिता का ही सहारा लिया। स्वाधीनता सेनानियों ने अपने समाचार पत्र प्रकाशित करके लोगों को ब्रिटिश राज की असलियत से परिचित कराया। इसीलिए आजादी के पहले भारत में पत्रकारिता का एक अहम उद्देश्य यही बन गया था कि लोगों को ब्रिटिश राज की कुरीतियों के प्रति जागरूक करके हमारे स्वतंत्रता संग्राम को और मजबूत बनाया, ताकि भारत जल्द से जल्द स्वाधीन हो सके। लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत में पत्रकारिता के उद्देश्यों में बहुत परिवर्तन आया है, जहां स्वतंत्रता के पहले पत्रकारिता का एकमात्र उद्देश्य हमारी स्वाधीनता था वहीं आजादी के बाद पत्रकारिता का एक पर्यवेक्षक की तरह भी काम करना था जो सरकार के किए जा रहे कामों का निष्पक्ष होकर लेखा-जोखा रख सके और समाज के सामने दर्पण लाकर रख सके, यही नहीं पत्रकारिता को समाज के दबे हुए तबके की आवाज बनकर भी दिखाना था, ताकि उनसे हो रहे पक्षपात को खत्म कर उन्हें भी वाकी समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सिखा सके।

## महात्मा गांधी का पत्रकारिता में योगदान

महात्मा गांधी को आज हम सभी राष्ट्रपिता के रूप में जानते हैं और उनके स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान को हम कभी भूल भी नहीं सकते, किंतु हम में से बहुत कम ही लोगों को यह पता है कि महात्मा एक बृहद ही अछूते पत्रकार भी थे, उन्होंने अपनी पत्रकारिता की शुरुआत अपने दक्षिण अफ्रीका में वकालत के दिनों से की थी जहां पर उन्हें पगड़ी बांधने से रोकने पर वहां के स्थानीय संपादक को चिट्ठी लिखकर विरोध दर्ज कराया था जिसे वहां के समाचार पत्रों में प्रकाशित भी किया गया था। अफ्रीका प्रवास पर उन्होंने इंडियन ऑपिनियन के जरिए अपने देशवासियों के प्रति हो रहे अन्याय के खिलाफ भी आवाज उठाई थी। उसे प्रभावित होकर अफ्रीका जैसे देश में भी भारत की भाषाओं में समाचार पत्रों का प्रकाशन होता रहा था। उनकी पत्रकारिता का प्रभाव इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके लेखों से विचलित होकर अफ्रीका के प्रशासन ने उन्हें जोहांसबर्ग के एक जेल में बंद कर दिया था। हिंदी के लेखकों से प्रभावित होकर किसी अज्ञात अंग्रेजी लेखक ने उन्हें 'थांट फॉर द' की उपाधि भी दे डाली थी। गांधीजी केवल हिंदी में ही नहीं अपितु उर्दू और अंग्रेजी में भी लेखन करते थे और उनकी मुख्य संपादित कृतियां वगैरह एच हरिजन नामक पत्रिका थीं।

## प्रेस परिषद की पहली महिला अध्यक्ष हैं जस्टिस रंजना देसाई

उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की वर्तमान अध्यक्ष होने के साथ ही प्रेस परिषद की पहली महिला अध्यक्ष हैं। पीसीआई के अध्यक्ष पद के लिए 72 वर्षीय न्यायमूर्ति रंजना देसाई के नाम को तत्कालीन उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और पीसीआई सदस्य प्रकाश दुबे की एक समिति ने मंजूरी दी थी। शीर्ष अदालत में, 13 सितंबर, 2011 से 29 अक्टूबर, 2014 तक अपने कार्यकाल से पहले, वह बंबई उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थीं।

## समाज का दर्पण है मीडिया

मीडिया को 'समाज का दर्पण' कहा जाता है। इनमें जो समाचार मीडिया है, चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है समतल दर्पण की तरह काम करना, ताकि वह समाज की वास्तविक तस्वीर समाज के सामने प्रस्तुत कर सके। परंतु कभी-कभी निहित स्वाधों के कारण ये समाचार-पत्र समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तत्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद में जहां पर रिपोर्ट में कहा भी है कि 'भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियों की हैं एवं अधिकारियों को तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं।' खासकर आज के दौर में जहां पर पैसे के दम पर समाचार चैनलों को अपनी तरफ करना कोई बड़ी बात नहीं रही है। आज भारत के अधिकतर समाचार चैनल अपने पूर्वाग्रह के लिए बदनमांस हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती ही दिखाई दे रही है। लेकिन हमारे समाज में ऐसे पूर्वाग्रह से प्रस्त चैनलों को नियंत्रण करने के लिए प्रेस काउंसिल हरदम कार्यरत है और ऐसे चैनलों को आप्रि प्रेस काउंसिल के नोटिस एवं कार्यवाही का सामना करना पड़ता है। समाचार विचार बनाने का काम करना है, लेकिन जब विचार समाचारों की जम्मा देने लगे तो छवि विल्कुल विपरीत हो जाती है। इसलिए प्रेस का यह दायित्व है कि वह सही विचार को बनाने में जमानस को सहयोग दे।

## डिजिटल युग में प्रेस और प्रेस परिषद के सामने चुनौती

परंपरागत तौर पर अखबार और रेडियो ही मीडिया के साधन के रूप में हमारे सामने थे। बाद में टीवी का विकास हुआ और देश-दुनिया में समाचार चैनलों ने 24 घंटे खबरें हमारे सामने प्रस्तुत करना शुरू कर दिया। समय बदला वेबसाइट और पोर्टल के बाद अब डिजिटल मीडिया का दौर है यानी हर व्यक्ति जिसके पास यदि स्मार्टफोन है और खबरों की समझ है वह स्वयं को प्रेस के अंग के रूप में किसी छोटे से गांव में बैठकर भी पूरी दुनिया से जोड़ सकता है। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर समेत सोशल मीडिया के यह माध्यम भी अब मीडिया का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में जैसे-जैसे दायरा बढ़ा होता जाता है वैसे-वैसे जिम्मेदारी भी बढ़ती है और चुनौतियां भी बढ़ती हैं। आज के समय में भ्रामक और गलत समाचारों के फैलने से समाज में कई बार संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसी स्थिति में कई बार समस्या से निपटने के लिए इंटरनेट को बंद करना पड़ता है। इसी तरह जनता को प्रभावित करने और आम जनमानस के मन में विशेष विचार की जाह बनाने के लिए चुनाव में पेड न्यूज का उपयोग किया जाता है। भारतीय प्रेस परिषद के अनुसार पेड न्यूज किसी उम्मीदवार के प्रचार के पक्ष में नगद या किसी मूल्य के बदले समाचार या लेख के प्रकाशन को संदर्भित करता है। इसे एक गंभीर चुनावी अपराध माना जाता है। भारतीय प्रेस परिषद ने इसके लिए नियम कानून बनाए हैं, लेकिन फिर भी जरूरत है कि वह और अधिक सख्ती से इस समस्या से निपट सके।

## सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)



## मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

तिलहन संघ भवन, 1, अरेरा हिल्स, जेल रोड, भोपाल

### विभिन्न रिक्त पदों पर संविदा आधार पर जिला स्तर पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

क्रमांक/एफ 21-43/दिशा/2022/2949

भोपाल, दिनांक : 14.11.2022

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम चरण-V के अंतर्गत प्रदेश में स्थापित विभिन्न केन्द्रों में रिक्त निम्नानुसार संविदा पदों पर 31 मार्च, 2023 तक के लिए (पदों के आगे भी निरंतर रहने की संभावना है) संविदा नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। पदों की संख्या/अवधि घटाई-बढ़ाई जा सकती है।

| क्र. पद                                                                             | योग्यता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | निश्चित मासिक मानदेय                                            |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
| 1. सीएसओ<br>(Clinical Services Officer (3 पद)<br>अनारक्षित-3                        | <b>Essential Qualification :</b><br>Bachelor's degree in Medical or Allied Sciences/Master's Degree in Public Health/Health care Management/Health care Administration/Social Science/Psychology/Applied Epidemiology/Demography/Statistics/Population Sciences.<br><b>Experience :</b><br>One year's experience for candidates with a Master's Degree in Public Health/Health care Management/Healthcare Administration/Applied Epidemiology.<br>Three year's experience in Public Health with a Bachelor's Degree in Medical or Allied sciences/Masters in Social Science/Psychology/Demography/Statistics/Population Sciences with minimum of one year of experience in the HIV/AIDS sector. | Fixed<br>Rs. 46,800/-<br>per month<br>(अन्य कोई भत्ता देय नहीं) |
| 2. डीएमडीओ<br>(Data Monitoring and Documentation Officer)<br>(2 पद)<br>अनारक्षित -2 | <b>Essential Qualification :</b><br>Master degree in Public Health/Health care Management/Health care Administration/Social Science/Applied Epidemiology/Demography/Statistics/Bio Statistics/Population Sciences/ Mathematics/Economics.<br><b>Experience :</b><br>One year's experience for candidates with a Master's Degree in Public Health/Health care Management/Health care Administration/Applied Epidemiology.<br>Three year's experience in Public Health for Bachelor's Degree in Medical and Allied sciences/Masters in Social Science/Psychology/Demography/Statistics/Bio-Statistics/Population Sciences with a minimum of one year of experience in the HIV/AIDS sector.        | Fixed<br>Rs. 37,500/-<br>per month<br>(अन्य कोई भत्ता देय नहीं) |

1. आवेदन प्राप्त की अंतिम तिथि : 15.12.2022 (आवेदन संबंधित जिले के क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं/मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय में ही प्रेषित किये जावें, समिति कार्यालय न भेजे जावें अन्यथा आवेदन निरस्त माने जावेंगे। डाक एवं अन्य किसी भी कारण से आवेदन विलंब से प्राप्त होने के लिए संस्था जिम्मेदार नहीं होगी।
2. रिक्त पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित जिला रोस्टर का पालन किया गया है।
3. उक्त विज्ञापन, चयन प्रक्रिया, प्राप्त आवेदनों को बिना किसी पूर्व सूचना/अपरिहार्य कारणों से निरस्त करने/परिवर्तित करने का पूर्ण अधिकार परियोजना संचालक, मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के पास सुरक्षित होगा।
4. आवेदन करने के लिये पदों का जिलावार विवरण, आवेदन पत्र का प्रारूप, आवेदन प्रेषित करने के पते व अन्य विवरण/सेवा शर्तों के लिये इस कार्यालय की वेबसाइट [www.mpsacs.org](http://www.mpsacs.org) देखें।

म.प्र. माध्यम/107237/47767/2022

परियोजना संचालक



## मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

तिलहन संघ भवन, 1, अरेरा हिल्स, जेल रोड, भोपाल

### विभिन्न रिक्त पदों पर संविदा आधार पर जिला स्तर पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

क्रमांक/एफ 21-14/लैब सर्विसेस/2022/2954

भोपाल, दिनांक : 14.11.2022

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम चरण-V के अंतर्गत प्रदेश में स्थापित विभिन्न केन्द्रों में रिक्त निम्नानुसार संविदा पदों पर 31 मार्च, 2023 तक के लिए (पदों के आगे भी निरंतर रहने की संभावना है) संविदा नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में तालिका में दर्शाए गए जिले के अधिष्ठाता चिकित्सा महाविद्यालय/संस्था प्रमुख को नियत तिथि तक प्रेषित किए जावें।

| क्र. पद                                                   | योग्यता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | निश्चित मासिक मानदेय                                         |
|-----------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------|
| 1. टेक्नीकल ऑफिसर<br>(1 पद) (अनारक्षित)<br>वारयल लोड लैब  | <b>Qualification :</b><br>• M.Sc. in Medical Virology/Microbiology/Biotechnology/Life Sciences<br><b>Experience :</b><br>Minimum 2 years experience in molecular diagnostic laboratory or other laboratory.<br>Candidates with experience of working in NABL accredited or applied lab will be preferred.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | Fixed<br>Rs. 35000<br>per month<br>(अन्य कोई भत्ता देय नहीं) |
| 2. लैब टेक्नीशियन<br>एसआरएल केन्द्र<br>(2 पद) (अनारक्षित) | • Graduate in Medical Laboratory.<br><b>OR</b><br>• Diploma in Medical Laboratory Technology (MLT) with the course of at least 2 years duration.<br><b>OR</b><br>• Diploma/Certificate in Medical Laboratory Technology with the course of at least one year duration.<br><b>OR</b><br>• Graduate in science<br><b>Experience :</b><br>• 1 years experience for those of working in medical laboratory with diploma in MLT (2 years course).<br>• 2 years experience of working in medical laboratory for those with diploma in MLT (1 years course).<br>• 1 year experience in a medical laboratory for Graduate in Science. | Fixed<br>Rs. 21000<br>per month<br>(अन्य कोई भत्ता देय नहीं) |
| 3. लैब टेक्नीशियन<br>वारयल लोड लैब<br>(01 पद अनारक्षित)   | <b>Qualification :</b><br>B.Sc. Biotechnology/Graduate in Medical Laboratory Technology/Diploma in Medical Laboratory Technology (DMLT)<br><b>Experience :</b><br>• 1 year experience in a molecular diagnostic laboratory for graduate in science.<br>• 2 years experience in molecular diagnostic laboratory for those with diploma in MLT.<br>• Candidate with experience of working in NABL accredited or applied lab will be preferred.                                                                                                                                                                                  | Fixed<br>Rs. 21000<br>per month<br>(अन्य कोई भत्ता देय नहीं) |

1. आवेदन प्राप्त की अंतिम तिथि : 15.12.2022 सायं 6.00 बजे तक (आवेदन संबंधित जिले के अधिष्ठाता/संस्था प्रमुख के कार्यालय में ही प्रेषित किये जावें, समिति कार्यालय न भेजे जावें अन्यथा आवेदन निरस्त माने जावेंगे। डाक एवं अन्य किसी भी कारण से आवेदन विलंब से प्राप्त होने के लिए संस्था जिम्मेदार नहीं होगी।
2. नवीन पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित जिला रोस्टर का पालन किया गया है।
3. उक्त विज्ञापन, चयन प्रक्रिया, प्राप्त आवेदनों को बिना किसी पूर्व सूचना/अपरिहार्य कारणों से निरस्त करने/परिवर्तित करने का पूर्ण अधिकार परियोजना संचालक, मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के पास सुरक्षित होगा।
4. आवेदन करने के लिये पदों का जिलावार विवरण, आवेदन पत्र का प्रारूप, आवेदन प्रेषित करने के पते व अन्य विवरण/सेवा शर्तों के लिये इस कार्यालय की वेबसाइट [www.mpsacs.org](http://www.mpsacs.org) देखें।

म.प्र. माध्यम/107238/47768/2022

परियोजना संचालक



## मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

मुख्यालय, टी.टी. नगर, भोपाल

Website: [www.apexbank.in](http://www.apexbank.in), Tel No. : 0755-2674712

क्र.मप्र(मुख्या)/3/का.प्रशा/प्रसं/1974 भोपाल, दि. : 15.11.2022

### शीर्ष बैंक में अधिकारियों एवं शीर्ष बैंक के प्रशिक्षण संस्थान के संकाय सदस्य के लिए प्रतिनियुक्ति/संविदा पर सेवाएं लेने हेतु

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्या. (अपेक्स बैंक) मध्यप्रदेश की सहकारी क्षेत्र की अग्रणी शीर्ष बैंक है। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक निम्नलिखित पदों पर प्रतिनियुक्ति/संविदा पर सेवाएं प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करती है :-

| क्र. | पदनाम            |
|------|------------------|
| 1.   | महाप्रबंधक       |
| 2.   | उप महाप्रबंधक    |
| 3.   | सहायक महाप्रबंधक |

1. प्रतिनियुक्ति/संविदा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30.11.2022 है। तत्पश्चात डाक अथवा अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन विचारणीय नहीं होंगे। 2. आवेदन हेतु प्रतिनियुक्ति/संविदा नियम/शर्तों की पूर्ति करना आवश्यक है, विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाइट Website: [www.apexbank.in](http://www.apexbank.in) पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/107252/47773/2022 प्रभारी प्रबंध संचालक



## मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

मुख्यालय, टी.टी. नगर, भोपाल

Website: [www.apexbank.in](http://www.apexbank.in), Tel No. : 0755-2674712

क्र./मप्र(मुख्या)/3/का.प्रशा/प्रसं/1975 भोपाल, दि. 15.11.2022

### शीर्ष बैंक में अधिकारियों एवं शीर्ष बैंक के प्रशिक्षण संस्थान के संकाय सदस्य के लिए प्रतिनियुक्ति/संविदा पर सेवाएं लेने हेतु

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्या. (अपेक्स बैंक) मध्यप्रदेश की सहकारी क्षेत्र की अग्रणी शीर्ष बैंक है। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक निम्नलिखित पदों पर प्रतिनियुक्ति/संविदा पर सेवाएं प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करती है :-

| क्र. पदनाम                                                              |
|-------------------------------------------------------------------------|
| 1. प्रबंधक (विधि/आई.टी./वित्त(लेखा)/सिविल/कृषि/मार्केटिंग)              |
| 2. उप प्रबंधक (लेखा/आडिट)/आई.टी./कृषि/विधि/सिविल/इलेक्ट्रिकल/मार्केटिंग |

1. प्रतिनियुक्ति/संविदा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30.11.2022 है। तत्पश्चात डाक अथवा अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन विचारणीय नहीं होंगे। 2. आवेदन हेतु प्रतिनियुक्ति/संविदा नियम/शर्तों की पूर्ति करना आवश्यक है, विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाइट Website: [www.apexbank.in](http://www.apexbank.in) पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/107253/47774/2022 प्रभारी प्रबंध संचालक

### मध्यप्रदेश में ऊर्जा के क्षेत्र में किए

### जा रहे हैं सराहनीय कार्य : केन्द्रीय सचिव

जबलपुर, केंद्रीय विद्युत सचिव श्री आलोक कुमार ने जबलपुर स्थित शक्ति भवन में बिजली कंपनियों के प्रबंध संचालकों के साथ केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। केंद्रीय सचिव श्री कुमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियों द्वारा आईटी क्षेत्र के नवाचारों को अपनाए जाने से उपभोक्ता सेवाओं में सुधार हुआ है। श्री कुमार ने विद्युत वितरण हानि कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा पेपरलेस बिलिंग, क्यू.आर. कोडिंग एवं लोड वेरिफिकेशन के लिए किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने वितरण कंपनियों में स्मार्ट मीटरिंग एवं बिलिंग इफिसियेंसी बढ़ाने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने केंद्र शासन की महत्वाकांक्षी योजना आर.डी.एस.एस. के कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। योजना में किए जा रहे कार्यों को जीआईएस सर्वे कर एवं ईआरपी में अपलोड कर प्राप्त वीओएच्यू को डेंडर में दर्शाया गया है। इससे संबंधित एजेंसी द्वारा सटीक कार्य किया जा सकेगा। श्री आलोक कुमार ने योजना की पारदर्शिता की सराहना करते हुए मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतिकरण देने के लिए नई दिल्ली आमंत्रित किया। केंद्रीय ऊर्जा सचिव ने सोलर रूफटॉप के क्षेत्र में देश के सबसे बड़े 750 मेगावाट क्षमता के रीवा सोलर पार्क एवं दुनिया के सबसे बड़े 600 मेगावाट क्षमता के ऑकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की सफलता पर बधाई दी।

### बच्चों के अधिकारों पर चलित प्रदर्शनी आयोजित

बाल विषय पर चाइल्ड राइट्स ऑब्जरवेटरी मध्यप्रदेश द्वारा बच्चों के अधिकारों पर केंद्रित एक चलित प्रदर्शनी लगाई गई। भोपाल के अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल में इस प्रदर्शनी का उद्घाटन यूनिसेफ के संचार अधिकारी अनिल गुलाटी ने किया। अनिल गुलाटी ने उम्मीद जाहिर की कि इस प्रदर्शनी की पहुंच दूरस्थ अंचलों तक होगी, जिससे ज्यादा से ज्यादा बच्चे लाभान्वित होंगे। प्रदर्शनी में बच्चों और आर्ट टीचर्स द्वारा बनाए गए चित्र और इन्स्लेशन के अलावा फोटोग्राफ भी प्रदर्शित किए गए हैं। ऑब्जरवेटरी के प्रभारी अधिकारी रुचिरा सिंह ने बताया कि यह प्रदर्शनी मध्यप्रदेश के 25 जिलों में मौजूद बाल अधिकार फोरम के माध्यम से विभिन्न शासकीय और निजी स्कूलों में लगाई जाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे अपने अधिकारों के प्रति जागृत हो सकें। इस अवसर पर फिल्मकार सुनिल शुक्ल, समाजसेवी प्रदीप नन्दी, अंकुर स्कूल की प्राचार्य ऑब्जरवेटरी के पदाधिकारी एवं बच्चे मौजूद थे।

MPSACS

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

तिलहन संघ भवन, 1, अरेरा हिल्स, जेल रोड, भोपाल

विभिन्न रिक्त पदों पर संविदा आधार पर जिला स्तर पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

क्रमांक/म.प्र.रा.ए.नि.स./टी.आई./2022/2959

भोपाल, दिनांक : 14.11.2022

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम चरण-V के अंतर्गत प्रदेश में स्थापित विभिन्न केंद्रों में रिक्त निम्नानुसार संविदा पदों पर 31 मार्च, 2023 तक के लिए (पदों के आगे भी निरंतर रहने की संभावना है) संविदा नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। पदों की संख्या/अवधि घटाई-बढ़ाई जा सकती है :-

| Sr. No.           | Post Sanctioned by NACO | Place of Posting- OST Center | No. of Post           | Category | Facility               |
|-------------------|-------------------------|------------------------------|-----------------------|----------|------------------------|
| 01.               | Medical Officer         | Jabalpur                     | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         |                              | 1                     | OBC      | Civil Hospital Ranjhi  |
|                   |                         | Narsinghpur                  | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Sidhi                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Sehore                       | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Hoshangabad                  | 1                     | OBC      | DH                     |
|                   |                         |                              | 1                     | UR       | Civil Hospital, Itarsi |
|                   |                         | Chhatarpur                   | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Rewa                         | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Bhopal                       | 1                     | UR       | D T C                  |
| Satna             | 1                       | UR                           | DH                    |          |                        |
| Panna             | 1                       | UR                           | DH                    |          |                        |
| Gwalior           | 1                       | UR                           | Civil Hospital Hajira |          |                        |
| 02.               | Counselor               | Jabalpur                     | 1                     | OBC      | Civil Hospital Ranjhi  |
|                   |                         | Sehore                       | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Hoshangabad                  | 1                     | OBC      | DH                     |
|                   |                         | Bhopal                       | 1                     | UR       | D T C                  |
|                   |                         | Panna                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Satna                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Gwalior                      | 1                     | UR       | Civil Hospital Hajira  |
| 03.               | Data Manager            | Jabalpur                     | 1                     | OBC      | Civil Hospital Ranjhi  |
|                   |                         | Sehore                       | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Hoshangabad                  | 1                     | OBC      | DH                     |
|                   |                         | Bhopal                       | 1                     | UR       | D T C                  |
|                   |                         | Panna                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Satna                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Gwalior                      | 1                     | UR       | Civil Hospital Hajira  |
| 04.               | ANM                     | Jabalpur                     | 1                     | OBC      | Civil Hospital Ranjhi  |
|                   |                         | Sehore                       | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Hoshangabad                  | 1                     | OBC      | DH                     |
|                   |                         |                              | 1                     | UR       | Civil Hospital, Itarsi |
|                   |                         | Panna                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Sidhi                        | 1                     | UR       | DH                     |
|                   |                         | Bhopal                       | 1                     | UR       | D T C                  |
|                   |                         | Gwalior                      | 1                     | UR       | Civil Hospital Hajira  |
| Total Vacant Post |                         |                              | 35                    |          |                        |

DH District Hospital (जिला अस्पताल)

DTC District TB Center (जिला क्षय केंद्र )

1. आवेदन प्राप्त की अंतिम तिथि : 15.12.2022 समय सायं 5:30 (आवेदन संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय में ही प्रेषित किये जावें, समिति कार्यालय न भेजे जावें अन्यथा आवेदन निरस्त माने जावेंगे। डाक एवं अन्य किसी भी कारण से आवेदन विलंब से प्राप्त होने के लिए संस्था जिम्मेदार नहीं होगी)।

2. नवीन पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित जिला रोस्टर का पालन किया गया है।

3. उक्त विज्ञापन, चयन प्रक्रिया, प्राप्त आवेदनों को बिना किसी पूर्व सूचना/अपरिहार्य कारणों से निरस्त करने/परिवर्तित करने का पूर्ण अधिकार परियोजना संचालक, मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के पास सुरक्षित होगा।

4. आवेदन करने के लिये पदों का जिलावार विवरण, आवेदन पत्र का प्रारूप, आवेदन प्रेषित करने के पते व अन्य विवरण/सेवा शर्तों के लिये इस कार्यालय की वेबसाइट [www.mpsacs.org](http://www.mpsacs.org) देखें।

म.प्र. माध्यम/107239/47769/2022

परियोजना संचालक

कार्यालय मुख्य अभियंता

लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म.प्र.)

Website : [www.mppwd.gov.in](http://www.mppwd.gov.in), E-mail : [cepwdrewa@mp.nic.in](mailto:cepwdrewa@mp.nic.in)

Phone No. : 07662-255200, Fax : 255380

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 14/सा./2022-23

रीवा, दिनांक : 11.11.2022

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट [www.mptenders.gov.in](http://www.mptenders.gov.in) पर देखा जा सकता है।

| क्र. | टेंडर आई.डी. क्रमांक | कार्य का नाम                                                                                                                     | आमंत्रण कार्य पूर्ण करने की समयवाधि | कार्य की अनु. राशि (लाख में) | अमानत राशिये    | निविदा फार्म |
|------|----------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------|------------------------------|-----------------|--------------|
| 1.   | 2022_PWDRB_232101_1  | उपसंभाग बैङ्कन अंतर्गत सिद्धिकला (मलगिया डाइ) अमहरा घवरिसया ब्याया अमरान व केरवा टोला तक मार्ग का निर्माण कार्य। लं. 6.25 कि.मी. | प्रथम वर्षाकाल सहित                 | 15 माह                       | 506.78 506780/- | 20000/-      |
| 2.   | 2022_PWDRB_232103_1  | उपसंभाग बैङ्कन अंतर्गत वदरघटा के बरवा टोला से बरहपान पहुँच मार्ग लं. 6.75 कि.मी. का निर्माण कार्य।                               | प्रथम वर्षाकाल सहित                 | 15 माह                       | 541.76 541760/- | 20000/-      |
| योग  |                      |                                                                                                                                  |                                     | 1048.54                      |                 |              |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन विड सम्मिश्रण की प्रारंभिक तिथि दिनांक 22.11.2022 से अंतिम तिथि 09.12.2022 सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत प्.न.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट में किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-19338/47763/2022

लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसिलिंग समिति तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

एम.फार्मसी (M.Pharmacy) पाठ्यक्रम में

प्रवेश परीक्षा/अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय एवं निजी संस्थान)

ऑनलाइन काउंसिलिंग समय सारणी, सत्र 2022-23

| प्रथम चरण<br>(प्रवेश परीक्षा के आधार पर)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |                                                                     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------|
| गतिविधियाँ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | दिनांक/समय                                                          |
| ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | 19.11.2022 से 27.11.2022<br>सायं 5:00 बजे तक                        |
| रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)<br>ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | 28.11.2022 से 29.11.2022<br>सायं 5:00 बजे तक                        |
| इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा<br>अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | 21.11.2022 से 01.12.2022<br>रात्रि 11:45 बजे तक                     |
| कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता सूची।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | 02/12/2022                                                          |
| आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | 07.12.2022 से 13.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक                        |
| द्वितीय चरण<br>(प्रथमतः प्रवेश परीक्षा के आधार पर तत्पश्चात अर्हकारी परीक्षा के आधार पर)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |                                                                     |
| ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | 08.12.2022 से 14.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक                        |
| रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)<br>ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | 15.12.2022 से 16.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक                        |
| इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | 10.12.2022 से 18.12.2022<br>रात्रि 11:45 बजे तक                     |
| कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता सूची।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | 19.12.2022                                                          |
| आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | 23.12.2022 से 27.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक                        |
| उपरोक्त काउंसिलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये<br>संस्था स्तर की काउंसिलिंग (CLC)<br>(प्रथमतः प्रवेश परीक्षा के आधार पर तत्पश्चात अर्हकारी परीक्षा के आधार पर)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |                                                                     |
| ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना। |
| 28.12.2022 से 29.12.2022 रात्रि 11:30 बजे तक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | 29.12.2022 प्रातः 10:30 बजे                                         |
| <ul style="list-style-type: none"><li>एम.फार्मसी पाठ्यक्रम के प्रथम चरण ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे।</li><li>एम.फार्मसी. पाठ्यक्रम के उत्तरोत्तर चरणों में प्रवेश परीक्षा एवं अर्हकारी परीक्षा के आधार पर रजिस्ट्रेशन किये जा सकेंगे।</li><li>एम.फार्मसी (M.Pharmacy) पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण में केवल GPATE Qualified for 2022 की मेरिट पर आधारित प्रवेश दिये जायेंगे, द्वितीय चरण एवं संस्था स्तर की काउंसिलिंग में प्रथमतः GPATE Qualified for 2022 की मेरिट तत्पश्चात अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर अर्हकारी परीक्षा की मेरिट के आधार पर प्रवेश दिये जायेंगे।</li><li>प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केंद्रों की सूची आदि वेबसाइट <a href="http://dte.mponline.gov.in">dte.mponline.gov.in</a> पर उपलब्ध है। काउंसिलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका अध्ययन कर लें।</li><li>संस्था स्तर की काउंसिलिंग के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।</li><li>काउंसिलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।</li></ul> संपर्क :- 0755-6720205, 2660441, ईमेल :- <a href="mailto:dte.helpcenter@mp.gov.in">dte.helpcenter@mp.gov.in</a> |                                                                     |
| अध्यक्ष काउंसिलिंग समिति एवं आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |                                                                     |
| म.प्र. माध्यम/107256/47775/2022                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |                                                                     |

RAJYA ANAND SANSTHAN

(An Autonomous Institution of Govt. of M.P., Anand Department)  
Board Office Campus, Shivaji Nagar, Bhopal-462011

Rajya Anand Sansthan invites applications for appointment to various post on Deputation/Contract basis. The detail of posts, eligibility criterion, application format and other conditions are available on institute website [www.anandsansthanmp.in](http://www.anandsansthanmp.in) The application in prescribed format can be submitted by registered post/speed post/e-mail ([anandsansthan@mp.gov.in](mailto:anandsansthan@mp.gov.in)) by 19.12.2022, upto 5:30 P.M.

Incomplete application or applications received after the due date and time, will not be considered.

Madhyam/107272/47778/2022 CHIEF EXECUTIVE OFFICER

## आबकारी विभाग, मध्यप्रदेश के अंतर्गत आबकारी आरक्षक (कार्यपालिक) की सीधी भर्ती एवं बैकलॉग-सीधी भर्ती हेतु चयन परीक्षा-2022 के संबंध में

आवेदन पत्र भरने की तिथि  
10.12.2022 से 24.12.2022 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति  
समय सारणी

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि  
10.12.2022 से 29.12.2022 तक

| परीक्षा दिनांक एवं दिन | परीक्षा की पाली | अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय   | महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय               | उत्तर अंकित का समय                          |
|------------------------|-----------------|-------------------------------------|-----------------------------------------------|---------------------------------------------|
| 20.02.2023 से प्रारम्भ | प्रथम           | प्रातः 08:00 से प्रातः 09:00 बजे तक | प्रातः 09:30 से प्रातः 10:00 बजे तक (10 मिनट) | प्रातः 10:00 से दोपहर 12:00 बजे तक (2 घंटे) |
|                        | द्वितीय         | दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक   | दोपहर 02:50 से दोपहर 03:00 बजे तक (10 मिनट)   | दोपहर 03:00 से सायं 05:00 बजे तक (2 घंटे)   |

**परीक्षा शहर :-** भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रतलाम, सागर, सतना, खण्डवा एवं सीधी।

**आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-**

- परीक्षा की विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट [www.peb.mp.gov.in](http://www.peb.mp.gov.in) पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
- वेबसाइट [www.peb.mponline.gov.in](http://www.peb.mponline.gov.in) के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
- परीक्षा शुल्क**

|                                                                                                                      |                |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
| अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए                                                                                         | रु. 500/-      |
| अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विध्यांग अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए) | रु. 250/-      |
| ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क                   | रु. 60/-       |
| अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क                                      | रु. 20/-       |
| सीधी भर्ती-बैकलॉग                                                                                                    | कोई शुल्क नहीं |

### विशेष निर्देश :

- अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
- मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिर्दिष्ट मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
- परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अतः जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
- परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात् विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, केलकुलेटर, लॉग टेबल, पड़ो एवं नकल पचां आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
- ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
- परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु पीडीबी की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
- आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अतः कंप्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी।
- उपरोक्त सभी पदों के लिये अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
- परीक्षा के पद कार्यपालिक होने की स्थिति में भर्ती हेतु आदिम जनजाति (बेगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया) के अभ्यर्थियों को परीक्षा से छूट का प्रावधान नहीं होगा। वे अभ्यर्थी अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करें।

**विशेष नोट :** मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केंद्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 30/2022

म.प्र. 107245/4777/2022  
संचालक

### मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)

'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, विनार पार्क (ईस्ट) भोपाल- 462011 Fax : +91-755-2550498, Website : [www.peb.mp.gov.in](http://www.peb.mp.gov.in)



### म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर

इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.), मोबा. 9406808103

फोन नं. 0794-2527715, E-mail : [mpphel\\_ujjain@yahoo.in](mailto:mpphel_ujjain@yahoo.in)

क्र. 1327/पय/मप्रपुहाइडकालि/22/ उज्जैन, दिनांक : 16.11.2022

### निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 18/2022-23

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 18/2022-23 दिनांक 16.11.2022 के अंतर्गत अज्ञात धाना भवन का निर्माण कार्य, आगर मालवा कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2022\_MPPHC\_232687 आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 16.11.2022, 17.00 बजे से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal: <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107266/47777/2022 परियोजना यंत्री

### कार्यालय अधिष्ठाता

### बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर शिवाजी वार्ड, तिली रोड, सागर (म.प्र.)

फोन नं. - 07582-236270, फैक्स नं. - 07582-236457

क्रमांक 6236/भर्ती/बी.एम.सी./2022 सागर, दिनांक : 14.11.2022

### प्रेस नोट

म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55 दिनांक 12.01.2018 द्वारा मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम 2018 के अंतर्गत स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय सागर द्वारा प्राध्यापक, सह प्राध्यापक तथा सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति क्रमांक 6236/भर्ती/बी.एम.सी./2022 सागर दिनांक 14.11.2022 जारी की गई है। इस हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन दिनांक 30.11.2022 समय शाम 04.00 बजे तक कार्यालय बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय सागर में जमा किये जायेंगे। पदों की जानकारी, विज्ञप्ति का विवरण एवं आवेदन का प्रारूप बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय सागर की वेबसाइट [www.bmcasagar.edu.in](http://www.bmcasagar.edu.in) पर एवं चिकित्सा महाविद्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी-19292/47761/2022 बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)



### म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो.वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल

क्र./1331/तश/प.य./2022 दिनांक : 15.11.2022

### प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी भोपाल में मल्टीपरपस भवन (हॉल, टेनिसकल यूनिट, रिसेशन रूम इत्यादि) का निर्माण विकास कार्यों सहित हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2022\_MPPHC\_232548 1 दिनांक 29.11.2022 समय अपराह्न 15:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : [www.mptenders.gov.in](http://www.mptenders.gov.in) पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107276/47779/2022 परियोजना यंत्री

### कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग

### सेतु निर्माण संभाग सागर (म.प्र.)

निविदा सूचना क्र. : 05/सेतु/2022-23

सागर, दिनांक : 07.11.2022

### निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट [www.mptenders.gov.in](http://www.mptenders.gov.in) पर देखा जा सकता है।

**क्र. एवं कार्य का नाम :-** 1. पन्ना जिले के ग्राम सुयुवाहा (गड्डशाला धूनी आश्रम) के पास रंज नदी पर जलमगनीय पुल/रपटे का निर्माण, पट्टेच मार्ग, सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कल्वर्ट सहित। पन्ना (म.प्र.)। (प्रथम आमंत्रण)।

| टेण्डर आई.डी.            | जिला                                                                                                                                                                                     | कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में) | धरोहर राशि (ई.ई. एम.डी.) | निविदा प्रपत्र की अवधि राशि | कार्य पूर्ण करने की श्रेणी | ठेकेदार की श्रेणी     | टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार दस्तावेज जमा करने हेतु (ई.ई.एम.डी. एवं अन्य दस्तावेज) |
|--------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------|--------------------------|-----------------------------|----------------------------|-----------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|
| 2022_PWDRB_231419_1      | पन्ना                                                                                                                                                                                    | रु. 4,50,250/-                       | रु. 15,000/-             | रु. 12 माह                  | केन्द्रीयकृत वर्षाकाल      | केन्द्रीयकृत वर्षाकाल | केवल ऑनलाइन जमा की जावेगी।                                                        |
| क्र. एवं कार्य का नाम :- | 2. दमोह जिले के गोपालपुरा-विल्लरा मार्ग में कैकड़ा नाला (ग्राम गोपालपुरा) पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण, पट्टेच मार्ग सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कल्वर्ट सहित। दमोह (म.प्र.)। (प्रथम आमंत्रण)। | 2022_PWDRB_231432_1                  | रु. 4,93,290/-           | रु. 15,000/-                | रु. 12 माह                 | नदीवर्षाकाल           | नदीवर्षाकाल                                                                       |

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं जमा करने की अंतिम दिनांक 28.11.2022, शाम 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री  
लोक निर्माण विभाग  
सेतु निर्माण संभाग, सागर (म.प्र.)  
जी-19194/47759/2022



### मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

तिलहन संघ भवन, 1, अरेरा हिल्ल, जेल रोड, भोपाल

क्र./F-10/60/STI/2022-23/2964

भोपाल, दिनांक : 14.11.2022

### एसटीआई केंद्रों के लिए सविदा आधार पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित एसटीआई केंद्रों में रिक्त सविदा पदों पर 31 मार्च, 2023 तक की अवधि के लिए सविदा नियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। सविदा अवधि को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के आधार पर आगामी वित्तीय वर्ष के लिये बढ़ाया जा सकेगा।

- विज्ञापित पद सविदा के अस्थायी पद हैं एवं सम्बन्धित एम्स/चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता/जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अधीन हैं। अतः इस हेतु चयन की समस्त प्रक्रिया उन्हीं के स्तर से की जानी है एवं इस हेतु नियुक्ति आदेश भी उन्हीं के स्तर से जारी किए जाएंगे। नियुक्ति प्रक्रिया की प्रतीक्षा सूची साक्षात्कार दिनांक से एक वर्ष तक वैध रहेगी।

एसटीआई केंद्रों में रिक्त सविदा पदों का विवरण :-

| S. No. | Post Sanctioned by NACO | Place of Posting & No. of Vacant Post                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | Consolidated Remuneration (per Month) |
|--------|-------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------|
| 1.     | Counselor               | District Bhopal-3 (All India Institute of Med. Science, Lady Hospital Sultania, Dr. K.N. Katju Hospital), District Hospital Morena-1, District Hospital Datia-1, District Hospital Singrouli-1, District Hospital Shajapur-1, District Hospital Bhind-1, Lady Hospital District Datia-1, Med. College Gwalior-1, CHC Mandideep District Raisen-1, District Hospital Anuppur-1, CHC Nasrullaganj, District Sehore-1 | Rs. 21,000/-                          |
| 2.     | Lab. Technician         | Medical College, Bhopal - 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | Rs. 21,000/-                          |

- आवेदन जमा करने/प्राप्ति की अंतिम तिथि : 15.12.2022 सायं 6.00 बजे तक (डाक एवं अन्य किसी भी कारण से आवेदन विलंब से प्राप्त होने के लिए संस्था जिम्मेदार नहीं होगी)।
- आयु :** आवेदक की आयु आवेदन की अंतिम तिथि को 18 वर्ष से कम एवं 62 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
- उक्त पदों के लिए निर्धारित शैक्षणिक-योग्यता, अनुभव, आवेदन प्रेषित करने का पता, आवेदन-पत्र का प्रारूप एवं अन्य शर्तों के लिए इस कार्यालय की वेबसाइट : [www.mpsasb.org](http://www.mpsasb.org) पर प्रकाशित विस्तृत विज्ञापन देखें।
- उक्त विज्ञापन में दर्शित पदों की संख्या में परिवर्तन, चयन प्रक्रिया की निरस्त/परिवर्तित करने का पूर्ण अधिकार परियोजना संचालक, मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के पास सुरक्षित है।

म.प्र. माध्यम/107240/47770/2022

परियोजना संचालक

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसिलिंग समिति  
तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

फार्मसी (B.Pharmacy/D.Pharmacy) एवं फार्म-डी. (Pharm-D) पाठ्यक्रमों  
के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु  
(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान)

ऑनलाइन काउंसिलिंग समय सारणी, सत्र 2022-23

| प्रथम चरण<br>(अर्हकारी परीक्षा के आधार पर)                                                                                                                                                            |                                                 |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|
| गतिविधियां                                                                                                                                                                                            | दिनांक/समय                                      |
| ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त                                                                                                                                                          | 19.11.2022 से 27.11.2022<br>सायं 5:00 बजे तक    |
| रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)<br>ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन<br>सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो<br>केवल एक बार के लिये ही रहेगी। | 28.11.2022 से 29.11.2022<br>सायं 5:00 बजे तक    |
| इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक<br>करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा<br>अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।                                                   | 21.11.2022 से 01.12.2022<br>रात्रि 11:45 बजे तक |
| कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता सूची।                                                                                                                                                                     | 02.12.2022                                      |
| आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति,<br>आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।                                                                                | 07.12.2022 से 13.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक    |

| द्वितीय चरण<br>(अर्हकारी परीक्षा के आधार पर)                                                                                                                                                          |                                                 |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|
| ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त                                                                                                                                                          | 08.12.2022 से 14.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक    |
| रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)<br>ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन<br>सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो<br>केवल एक बार के लिये ही रहेगी। | 15.12.2022 से 16.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक    |
| इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक<br>करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा<br>अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी                                                    | 10.12.2022 से 18.12.2022<br>रात्रि 11:45 बजे तक |
| कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता सूची।                                                                                                                                                                     | 19.12.2022                                      |
| आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति,<br>आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।                                                                                | 23.12.2022 से 27.12.2022<br>सायं 5:00 बजे तक    |

उपरोक्त काउंसिलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये  
संस्था स्तर की काउंसिलिंग (CLC)

| ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन                           | इच्छुक संस्था में प्रवेश का<br>अवसर प्राप्त करने के लिये<br>उपस्थित होना। |
|----------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------|
| 28.12.2022 से 29.12.2022 रात्रि 11:30 बजे तक | 29.12.2022 प्रातः 10:30 बजे                                               |

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अन्वर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट [dte.mponline.gov.in](http://dte.mponline.gov.in) पर उपलब्ध है। काउंसिलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसिलिंग के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।
- काउंसिलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

संपर्क :- 0755-6720205, 2660441, ईमेल :- [dte.helpcenter@mp.gov.in](mailto:dte.helpcenter@mp.gov.in)

अध्यक्ष काउंसिलिंग समिति एवं  
आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्रा. मध्यम/107257/47776/2022

**M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.**  
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)  
REGIONAL OFFICE : 101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa  
Road, INDORE-452007 (M.P.), Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363, Fax : 0731-  
2972629, E-mail : [ed.roindn@mpidc.co.in](mailto:ed.roindn@mpidc.co.in), Website: [www.invest.mp.gov.in](http://www.invest.mp.gov.in)  
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850  
No. MPIDC/RO/IND/TECH/2022/8494 Date 15.11.2022

EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

MP Industrial Development Corporation, Indore invites online Expression of Interest (EOI) for Empanelment of Consultants and Architects for Providing Consultancy Services for Preparation of DPR, Bid Process Management and PMC/SQC works for various infrastructure development projects as well as Architectural Services for various building construction & other projects in jurisdiction of MPIDC, Regional Office, Indore (MP).

- Cost of RFP : Rs. 5,900/- (i/c GST)
- EMD : Rs. 1,00,000/-

The Detailed NIT and EOI documents can be viewed and purchased after publication in news-paper within 7 working days from website [www.mpeproc.gov.in](http://www.mpeproc.gov.in)  
M.P. Madhyam/107251/47772/2022

EXECUTIVE ENGINEER

टेल ऐंड के किसानों को प्राथमिकता  
से पानी उपलब्ध कराएं – कृषि मंत्री

भोपाल, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि तवा बांध से सिंचाई के लिए पानी सभी किसानों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होगा। उन्होंने दूरभाष पर अधीक्षण यंत्री जल संसाधन श्री राजाराम मीणा को टेल ऐंड के किसानों को सिंचाई के लिए प्राथमिकता से पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्री पटेल ने अधीक्षण यंत्री को टेल ऐंड पर जाकर मौका मुआयना करने के लिये भी निर्देशित किया है।

श्री पटेल ने अधीक्षण यंत्री जल संसाधन को रबी की सिंचाई के लिए तवा बांध से किसानों को समुचित मात्रा में पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि नहर के टेल ऐंड से अपर एरिया तक

निरंतर मौका मुआयना किया जाकर निगरानी रखी जाए जिससे कि सभी किसानों को समय पर पानी उपलब्ध हो सके। होशंगाबाद, सिवनी मालवा, इटारसी और हरदा के किसानों को उनके लिए निर्धारित की गई मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

श्री पटेल ने कहा है कि पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। किसानों को खाद की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया है कि किसानों को उनके गांव में खाद उपलब्ध कराया जाएगा। इसका क्रियान्वयन भी हरदा के आदिवासी अंचल के ग्राम काल्या खेड़ी, कांकरदा, पिल्या खाल गांव से प्रारंभ हो गया है। किसानों ने खाद की गांव पहुंच सेवा पर कृषि मंत्री श्री पटेल और सरकार के प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

मध्यप्रदेश में बांस रोपण में 5 गुना हुई बढ़ोतरी

भोपाल, वन उत्पादों से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों से आजीविका के अवसर बढ़ाये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश राज्य बांस मिशन द्वारा 4500 से ज्यादा महिलाओं को स्व-सहायता समूह के माध्यम से बांस-रोपण से सीधे जोड़ा गया है। वन मंत्री डॉ. कुवर विजय शाह ने बांस मिशन में सहयोगी बनी महिलाओं के प्रयासों की सराहना की है। प्रदेश में बांस रोपण में 5 गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019-20 में 2623 हेक्टेयर में बांस रोपण किया गया था, जो इस वर्ष बढ़कर 13 हजार 914 हेक्टेयर हो गया है।

मनरेगा स्कीम में 4511 हेक्टेयर में बांस-रोपण किया जा चुका है। इससे 4 हजार 500 से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है, जो स्व-सहायता समूह की सदस्य हैं। बांस का उत्पादन शुरू होते ही इन परिवारों की आय में वृद्धि होगी और यह परिवार गरीबी रेखा से ऊपर आ जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कृषि एवं वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बांस-रोपण किया जा रहा है। बीते 5 वर्षों में कृषि क्षेत्र में 18 हजार 781 हेक्टेयर क्षेत्र और मनरेगा के अलावा विभागीय योजनाओं में 14 हजार 862 हेक्टेयर वन क्षेत्र में बांस का रोपण किया गया। इस प्रकार कुल 33 हजार 643 हेक्टेयर में बांस रोपण का काम हो चुका है।

नवागत कलेक्टर्स और महिला एवं  
बाल विकास विभाग के अधिकारियों की हुई बैठक

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने 16 नवंबर को 10 जिलों के नवागत कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों और महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की। अधिकारियों के साथ प्रदेश में 9 नवंबर से शुरू हुए मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 को लेकर चर्चा की गई। श्री राजन ने कहा कि मतदान केंद्र ग्राउंड फ्लोर पर ही हों, जिससे 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को कोई परेशानी न हो। एक परिवार का नाम एक ही मतदान केंद्र पर रहे। मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण की गतिविधि के दौरान प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर कार्य अर्ध के दौरान वीएलओ मौजूद रहेंगे। विशेष शिविर 19 और 20 नवंबर को किया जाएगा। इस दौरान वीएलओ अपने मतदान केंद्र में आने वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं का नाम जोड़ने, मतदाता परिचय-पत्र में संशोधन कराने और नाम हटाने का आवेदन लेंगे। उन्होंने कहा कि कई मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां पर पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या कम है, उन जगहों पर महिला मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ने की कार्यवाही करें। जिन जिलों में मतदाता जनसंख्या अनुपात कम है वहां विशेष घ्यान देने के निर्देश दिये गये।

श्री राजन ने कहा कि कई जिले ऐसे हैं जहां 18-19 साल के युवा मतदाताओं के नाम पर्याप्त संख्या में नहीं जुड़े हैं। ऐसे जिलों में युवा मतदाताओं का नाम जोड़ने के विशेष प्रयास किये जायें।

मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान होने वाली गतिविधियों की जानकारी आसानी से मतदाताओं तक पहुंच जाए, इसके लिए हर जिले में स्वीप गतिविधि का आयोजन किया जाए। जिला एवं तहसील स्तर पर साइकिल रैली/बौद्ध सहित प्रत्येक मतदान केंद्र पर चुनाव पाठशाला का आयोजन किया जाए। जिले के सभी कैम्पस एक्सेसेडर एवं इलेक्ट्रॉनल लिटरसी क्लब द्वारा विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाए।

श्री राजन ने कहा कि 9 नवंबर से 17 साल से अधिक की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकेंगे। यदि कोई युवा 1 जनवरी 2023, 1 अप्रैल 2023, 1 जुलाई 2023 और 1 अक्टूबर 2023 को 18 साल की आयु पूरी करता है तो वह अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिये आवेदन कर सकता है। श्री अनुपम राजन ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से कहा कि कुछ जिलों में महिला मतदाताओं की संख्या कम है, उन जिलों में छूटे हुए महिला मतदाताओं का नाम जोड़ने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित विभाग के अन्य अधिकारी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर फॉर्म 6 उपलब्ध कराने के निर्देश सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए जा चुके हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संबंधित महिला का फार्म भरवा कर वीएलओ के पास जमा करवा दें, जिससे कोई भी महिला मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे।

सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान में  
लिनेन सामग्री का वितरण

भोपाल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान में प्रदेश की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में उपयोग होने वाली सामग्री को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सेन्ट्रल वेयरहाउस जिला चिकित्सालय परिसर मालवीय भवन भोपाल से प्रथम चरण में भोपाल क्षेत्र के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन-सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षकों को लिनेन सामग्री भेजी गई।

डॉ. चौधरी ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला चिकित्सालय तक सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिये प्रदेश में सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। इसमें स्वास्थ्य संस्थाओं का उन्नयन एवं संस्थाओं में आवश्यक सभी सामग्रियां उपलब्ध करवाई जा रही हैं। जिलों तक सामग्री को पहुंचाने के लिये 150 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य संस्थाओं को भेजी जा रही सामग्री में घादर, गद्दे, कंबल, केवल के कवर, तकिया तथा तकियों के कवर शामिल है। घादरों पर सप्ताह के दिवस भी अंकित करायें गये हैं, जिससे दिवस अनुसार घादर का उपयोग हो सके। इन सामग्रियों की कुल लागत राशि 9 करोड़ 34 लाख 99 हजार 897 रुपये है।

अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री मोहम्मद सुलेमान, आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सुदाम पी. खाड़े, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं श्री पंकज जैन और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

**कार्यालय परियोजना संचालक, लोक निर्माण विभाग**  
**परियोजना क्रियान्वयन इकाई, निर्माण भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल**  
**एफ 1-4/2017/सलाहकार, विज्ञापन/स्था/पीडी/भोपाल**  
**परामर्शी (सलाहकार) नियुक्ति विज्ञप्ति**

म.प्र. लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत न्यायालयीन प्रकरण, विभागीय जांच, स्थापना एवं अन्य विशिष्ट कार्यों हेतु सेवानिवृत्त लोक सेवक की सेवाएं श्रेणी-1 "विधि/विभागीय जांच परामर्शी" के रूप में ली जानी हैं। उक्त पद हेतु आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, कार्यानुभव इत्यादि निम्नानुसार है :-

| 1. पदनाम            | विधि/विभागीय जांच परामर्शी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|---------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 2. शैक्षणिक योग्यता | किसी इंजीनियरिंग संकाय के साथ विधि स्नातक की डिग्री (टेक्नो-लौगल)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| 3. कार्यानुभव       | 1. शासकीय कार्य विभागों के स्थापना/विभागीय जांच/परिपत्रों/नियमों का पूर्ण ज्ञान एवं संबंधित कार्य संपादन का न्यूनतम 7 वर्ष का अनुभव।<br>2. किसी भी निर्माण विभाग में प्रथम श्रेणी राजपत्रित अधिकारी के रूप में न्यूनतम 15 वर्षों तक कार्य करने का अनुभव जिसमें न्यूनतम 5 वर्ष का राज्य स्तर पर विभागाध्यक्ष कार्यालय/शासन में लौगल/विभागीय जांच/अनुबंधों/नियमों की ड्राफ्टिंग इत्यादि कार्य का अनुभव। |
| 4. कार्य संपादन का  | 1. विभागीय न्यायालयीन प्रकरणों का शासन के नियम/परिपत्रों के परिप्रेक्ष्य में न्यायालयीन आदेशों स्वरूप के परिपालन/निराकरण संबंधी कार्यवाही।<br>2. विभागीय जांच/लोकयुक्त जांच एवं अन्य जांचों संबंधी प्रकरणों का निराकरण।<br>3. आर्बिट्रेशन प्रकरणों का निराकरण।<br>4. टेक्नो-लौगल/स्थापना/आदेशित अन्य कार्य।                                                                                           |
| 5. नियोजन अवधि      | 2 वर्ष (परफॉर्मस के आधार पर वृद्धि योग्य)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| 6. अधिकतम आयु       | 65 वर्ष                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| 7. वार्षिक मानदेय   | रुपये 9.00 लाख (नौ लाख)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |

**टीप :-**

- सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लिए ऊपर वर्णित दरें ही प्रभावी रहेंगी एवं पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति सुविधाएं उन्हें पूर्वानुसार प्राप्त होती रहेंगी।
- आवेदन पत्र का प्रारूप लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट <http://mppwd.gov.in/> पर Human Resource पर क्लिक कर Recruitment पर जाकर आवेदन पत्र डाउनलोड किया जा सकता है।
- पूर्ण आवेदन पत्र समस्त दस्तावेजों सहित दिनांक 28.11.2022 तक सीधे परियोजना संचालक, लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, प्लॉट नं. 27-28, अरेरा हिल्स, निर्माण भवन भोपाल के कार्यालय में कार्यालयीन समय में सीड पोस्ट से प्राप्त किया जावेगा। अंतिम लिथि पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। डाक के विलंब हेतु विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।
- परामर्शी की नियुक्ति के संबंध में म.प्र. शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा गठित चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
- परामर्शी की नियुक्ति के संबंध में अन्य शर्तें म.प्र. शासन वित्त विभाग मंत्रालय भोपाल के परिपत्र क्र. एफ 11-10/2012/नियम/चार भोपाल दिनांक 06.10.2012 के अनुसार होंगी।

**परियोजना संचालक**  
**जी-19152/47756/2022**  
**लो.नि.वि., पी.आई.यू., म.प्र. भोपाल**

**कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नया भोपाल संभाग**  
**लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)**  
**निविदा सूचना**

**निविदा सूचना क्रमांक 13/व.ले.वि./2022-23** **भोपाल, दिनांक : 07.11.2022**  
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट [mptenders.gov.in](http://mptenders.gov.in) पर देखा जा सकता है।

| क्र.          | पोर्टल टेंडर क्र.     | कार्य का नाम                                                                                                                                                    | आमंत्रण क्र.  | टेके की अनु. राशि (रु. लाख में) | अमानत राशि |
|---------------|-----------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|---------------------------------|------------|
| 1.            | 2022_ PWDRB_ 231312_1 | जेल उपसंभाग क्र.3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-22 के शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                      | प्रथम आमंत्रण | 40.00                           | 50000/-    |
| 2.            | 2022_ PWDRB_ 231313_1 | जेल उपसंभाग क्र.3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-23 के शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                      | प्रथम आमंत्रण | 40.00                           | 50000/-    |
| 3.            | 2022_ PWDRB_ 231314_1 | जेल उपसंभाग क्र.3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-25 के शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                      | प्रथम आमंत्रण | 22.00                           | 44000/-    |
| 4.            | 2022_ PWDRB_ 231315_1 | जेल उपसंभाग क्र.3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत केन्द्रीय जेल के सुनिट 'अ' एवं 'ब' में शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 21.00                           | 42000/-    |
| 5.            | 2022_ PWDRB_ 231316_1 | जेल उपसंभाग क्र.3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत निर्माण भवन एवं अन्य गैर आवासीय भवनों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                   | प्रथम आमंत्रण | 60.00                           | 60000/-    |
| 6.            | 2022_ PWDRB_ 231317_1 | जेल उपसंभाग क्र.3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                                        | प्रथम आमंत्रण | 40.00                           | 50000/-    |
| 7.            | 2022_ PWDRB_ 231318_1 | उपसंभाग क्र.2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-9 के शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                           | प्रथम आमंत्रण | 60.00                           | 60000/-    |
| 8.            | 2022_ PWDRB_ 231319_1 | उपसंभाग क्र.2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-10, 27 के शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                      | प्रथम आमंत्रण | 40.00                           | 50000/-    |
| 9.            | 2022_ PWDRB_ 231320_1 | उपसंभाग क्र.2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-13, 24 के शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                      | प्रथम आमंत्रण | 30.00                           | 50000/-    |
| 10.           | 2022_ PWDRB_ 231321_1 | उपसंभाग क्र.2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत शासकीय आवासगृहों में लघुमूल गौण/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज/डिपॉजिट कार्य।                                            | प्रथम आमंत्रण | 50.00                           | 50000/-    |
| 11.           | 2022_ PWDRB_ 231322_1 | उपसंभाग क्र.2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत बंगला क्र.- ई-15, 45 बंगलों में अतिरिक्त कमरा एवं टायलेट सहित निर्माण कार्य।                                          | प्रथम आमंत्रण | 19.95                           | 39900/-    |
| <b>योग :-</b> |                       |                                                                                                                                                                 |               | <b>422.95</b>                   |            |

**कार्यालय कार्यपालन यंत्री**

**लोक निर्माण विभाग संभाग भिण्ड (म.प्र.)**

**Website : [www.mp.gov.in/pwd.mp](http://www.mp.gov.in/pwd.mp), E-mail : [cepwdbbhind@mp.nic.in](mailto:cepwdbbhind@mp.nic.in)**  
**Phone : 07534-234714, Fax : 233301, मोबा. : 9753913817**

**क्रमांक 5562/व.ले.वि./2022-23** **भिण्ड, दिनांक : 14.11.2022**

**निविदा विज्ञप्ति सूचना क्रमांक 08/2022-23**

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत टेकेदारों से म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सड़क कार्यों की अनुसूची दर प्रभावशील दिनांक 25.03.2022 पर निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेंडरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदा में अपेन्डिक्स 2.10 में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

**सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :-** 1. संभाग भिण्ड निर्माण कार्य (1) पीपरी से रमपुरा पहुंच मार्ग लम्बाई 3.50 कि.मी. (2) भदाकुर पठा से ख्योंडा पहुंच मार्ग लम्बाई 2.940 कि.मी. कुल लंबाई 6.44 कि.मी. (पोल शिफ्टिंग सहित)।

| टेण्डर आई.डी. क्रमांक                                                                                                                                                            | अनुमानित लागत (लाखों में)                  | अग्रिम धरोहर राशि (रुपयों में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये) | कार्य पूर्ण करने की समयवधि | आमंत्रण क्रमांक | भौतिक दस्तावेज जमा करने का स्थान |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------|--------------------------------|---------------------------------|----------------------------|-----------------|----------------------------------|
| 2022_ PWDRB_ 232537_1                                                                                                                                                            | 565.96 (पांच करोड़ पैंसठ लाख छियासवे हजार) | 565960/-                       | 20000/-                         | 14 माह वर्षाकाल सहित       | तृतीय           | ऑनलाइन                           |
| 2. संभाग भिण्ड निर्माण कार्य (1) सांकरी से नई गढ़ी पहुंच मार्ग लम्बाई 2.50 कि.मी. (2) खेराहट से बजरिया पहुंच मार्ग लम्बाई 4.30 कि.मी. कुल लंबाई 6.80 कि.मी. (पोल शिफ्टिंग सहित)। |                                            |                                |                                 |                            |                 |                                  |
| 2022_ PWDRB_ 232539_1                                                                                                                                                            | 517.77 (पांच करोड़ सत्रह लाख सत्तर हजार)   | 517770/-                       | 20000/-                         | 14 माह वर्षाकाल सहित       | तृतीय           | ऑनलाइन                           |

**योग - 02 कार्य 1083.73/- (दस करोड़ तिरासी लाख तिहत्तर हजार रु.)**

- ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक 16.11.2022 समय 17:30 बजे
- निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय प्रारंभ दिनांक 16.11.2022 समय 17:30 बजे
- निविदा प्रपत्र विक्रय का अंतिम दिनांक 30.11.2022 समय 17:30 बजे
- ऑनलाइन बिड सबमिशन का प्रारंभ दिनांक 16.11.2022 समय 17:30 बजे
- ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक 30.11.2022 समय 17:30 बजे
- बिड ओपनिंग दिनांक 02.12.2022 समय 11:30 बजे
- a. अनुबंध के पूर्व एवं अनुबंध अवधि में लेबर पंजीयन करना अनिवार्य होगा, निविदा की वैधता अवधि 120 दिवस होगी।  
b. निविदा संबंधी संशोधन उसी टेण्डर में ऑनलाइन देखे जा सकेंगे, अतिरिक्त प्रेस नोट नहीं निकाला जावेगा।  
c. सक्षम अधिकारी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।  
d. उपरोक्त कार्यों हेतु संबंधित मंड से आवंटन उपलब्ध होने पर ही भुगतान हो सकेगा।  
e. समस्त जरूरी दस्तावेज ऑनलाइन ही प्रस्तुत करना अनिवार्य है, अन्यथा की स्थिति में टेकेदार स्वयं जिम्मेदार होंगे।  
f. उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

**कार्यपालन यंत्री**  
**जी-19323/47762/2022**  
**लो.नि.वि. संभाग भिण्ड**

**कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री**

**लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई**

**नया कलेक्टर कार्यालय के पास सिविल लाइन, बालाघाट (म.प्र.)**

**दूरभाष :- 07632-247833, ई-मेल :- [dpepiu.balaghat@mp.gov.in](mailto:dpepiu.balaghat@mp.gov.in)**

**एन.आई.टी. नं. - 24/2022/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/जबलपुर** **दिनांक : 07.11.2022**  
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत टेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

**स.क्र. एवं कार्य का नाम :-** 1. लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. जिला बालाघाट में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत सी.एन. राज्ञ स्कूल भवन निर्माण कार्यों में सुपरविजन क्वालिटी कंट्रोल का कार्य।

| पोर्टल टेंडर क्र.                                                                                                                                                                             | जिला    | टेके की राशि (कार्य की लागत (रु. लाख में) | अमानत राशि (ईएमटी (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | टेकेदार/ फर्म की श्रेणी                                          | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------------------------------------------|-----------------------------|-----------------------------------|------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|
| 2022_ PWPIU_ 231822_1                                                                                                                                                                         | बालाघाट | 375.85                                    | 375850/-                    | 15000/-                           | मुख्य वास्तुविद्, म.प्र. लोक निर्माण विभाग के इम्पैनेल्ड/पंजीकृत | 24                                              |
| <b>स.क्र. एवं कार्य का नाम :-</b> 2. लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. जिला बालाघाट में आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत सी.एन. राज्ञ स्कूल भवन निर्माण कार्यों में सुपरविजन क्वालिटी कंट्रोल का कार्य। |         |                                           |                             |                                   |                                                                  |                                                 |
| 2022_ PWPIU_ 231828_1                                                                                                                                                                         | बालाघाट | 94.45                                     | 94450/-                     | 10000/-                           | मुख्य वास्तुविद्, म.प्र. लोक निर्माण विभाग के इम्पैनेल्ड/पंजीकृत | 24                                              |

- निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट <http://mptender.gov.in> पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
- निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 11.11.2022 समय 3.00 से दिनांक 25.11.2022 समय 6.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**संभागीय परियोजना यंत्री**  
**जी-19165/47758/2022**  
**लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., बालाघाट**

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 28.11.2022 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री**  
**जी-19155/47757/2022**  
**नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल (म.प्र.)**

## मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट लागू

# जनजातीय वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम

हाल ही में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर 2022 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में पेसा अधिनियम के नियमों को लागू किया गया है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को पेसा अधिनियम नियमावली की पहली प्रति सौंपी है। मध्यप्रदेश में लागू किये गये पेसा एक्ट के नये नियम जनजातीय वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। इन नियमों के लागू होने से ग्राम सभाएं बहुत अधिक शक्तिशाली हो जायेंगी। पेसा एक्ट के नये नियमों के अनुसार जल, जमीन और जंगल का प्रबंधन, छोटे-मोटे विवादों का निराकरण, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण, विभिन्न योजनाओं की मॉनीटरिंग आदि कार्य ग्राम सभा के हाथ में होंगे। पेसा एक्ट के नये नियमों के अनुसार हर साल पटवारी की गांव, जमीन का नक्शा, खसरा नकल, गांव में लाकर ग्राम सभा में दिखाने होंगे, जिससे रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न कर सके। गड़बड़ी होने पर ग्राम सभा को उसे ठीक करने का अधिकार होगा। किसी योजना के लिये जमीन लेने के लिये ग्राम सभा की सहमति आवश्यक होगी। कोई भी व्यक्ति छल-कपट, धर्मांतरण आदि कर गांव वालों की जमीन नहीं हड़प पायेगा। यदि ऐसा होता है, तो ग्राम सभा को उसे वापस करवाने का अधिकार होगा। ये नियम प्रदेश के 313 विकासखण्डों में से केवल 89 जनजातीय विकासखण्डों में लागू होंगे।

रोज़गार और निर्माण के इस अंक में मध्यप्रदेश में लागू हुए पेसा अधिनियम की महत्वपूर्ण जानकारी प्रकाशित की जा रही है  
आइए विस्तार से जानते हैं, इस अधिनियम से जनजातीय वर्ग कैसे सशक्त होंगे।



### पेसा अधिनियम क्या है?

1995 में भुरिया समिति द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट के आधार पर 1996 में संसद द्वारा पेसा अधिनियम (The Provisions on the Panchayats Extension to the Scheduled Areas Bill) लागू किया गया था। पेसा एक्ट यानी पंचायतों के प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 भारत के अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए

पारंपरिक ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा अधिनियमित एक कानून है। अनुसूचित क्षेत्र भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची द्वारा पहचाने गए क्षेत्र हैं। यह एक्ट अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए विशेष अधिकार देता है।

### पेसा अधिनियम का सार

- 20 जिलों के 89 विकासखण्डों की 5,254 पंचायतों के 11,757 ग्रामों में यह नियम लागू।
- जल, जंगल, जमीन पर जनजातीय वर्ग को मिलेगा अधिकार।
- छल, कपट और बलपूर्वक अब कोई जमीन नहीं हड़प सकेगा। जनजाति क्षेत्रों में लायसेंसधारी साहूकार ही निर्धारित ब्याज दर पर पैसा उधार दे सकेगा।
- रेत खदान, गिट्टी-पत्थर के ठेके देना है या नहीं इसका निर्णय भी ग्राम सभा में ही लिया जाएगा।
- ग्राम सभा द्वारा अभूत सरोवर, तालाबों का प्रबंधन।
- वनोपज की दर ग्राम सभा तय करेगी।
- श्रमिकों के अधिकारों का विशेष ध्यान।
- स्थानीय संस्थाओं, परंपराओं और संस्कृति का संरक्षण और संवर्द्धन।

### प्रदेश में लागू हुए पेसा एक्ट की प्रमुख बातें

- **ग्राम सभा की शक्तियां एवं कृत्य**  
किसी अनुसूचित क्षेत्र में, ग्राम सभा को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 7 के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियां तथा कृत्यों के अतिरिक्त निम्नलिखित शक्तियां तथा कृत्य होंगे, अर्थात् :-  
○ व्यक्तियों की परंपराओं तथा रूढ़ियों, उनकी सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक संसाधनों को तथा विवादों के निराकरण के रूढ़िगत रीतियों को सुरक्षित तथा संरक्षित करना।  
○ ग्राम के क्षेत्र के भीतर स्थित प्राकृतिक संसाधनों को, जिनके अंतर्गत भूमि, जल तथा वन सम्मिलित हैं, उसकी परंपरा के अनुसार और संविधान के उपबंधों के अनुरूप और तत्समय प्रवृत्त अन्य सुसंगत विधियों का सम्यक ध्यान रखते हुए, प्रबंधित करना।  
○ स्थानीय योजनाओं पर, जिनमें अनुसूचित उपयोजनाएं सम्मिलित हैं तथा ऐसी योजनाओं के लिए स्रोतों एवं व्ययों पर नियंत्रण रखना।  
○ ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग तथा ऐसे कृत्यों का निर्वहन करना जिसे कि राज्य सरकार तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन उसे प्रदत्त करे या न्यस्त करे।
- **ग्राम पंचायत की शक्तियां एवं कृत्य**  
अनुसूचित क्षेत्रों में, ग्राम पंचायत को, ग्राम सभा के साधारण अधीक्षण, नियंत्रण तथा निर्देश के अधीन निम्नलिखित शक्तियां भी होंगी, अर्थात्:-  
○ ग्राम के बाजारों तथा मेलों का, चाहे वे किसी भी नाम से जाने जाएं, जिनमें पशु मेले सम्मिलित हैं, प्रबंध करना।  
○ ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग तथा कृत्यों का निर्वहन करना, जैसा कि राज्य सरकार तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन उसे प्रदत्त करे या न्यस्त करे।
- **शांति एवं सुरक्षा**  
○ ग्राम सभा द्वारा ग्राम सभा के सदस्यों में से कम से कम 05 एवं अधिकतम 07 सदस्यों का चयन कर 'शांति एवं विवाद निवारण समिति का गठन किया
- ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा 'शांति एवं विवाद निवारण समिति' के गठन की जानकारी स्थानीय पुलिस स्टेशन को प्रेषित की जायेगी।
- यह समिति पारम्परिक पद्धति से ग्राम के विवाद निपटाने का कार्य करेगी तथा ग्राम में शांति बनाये रखने की दिशा में कार्य करेगी।
- इस समिति के निर्णय के विरुद्ध ग्राम सभा में अपील की जा सकेगी।
- प्रत्येक 'शांति एवं विवाद निवारण समिति' की बैठक की कार्यवाही का अभिलेख संधारण समिति के सचिव द्वारा किया जायेगा।
- स्थानीय पुलिस स्टेशन में ग्राम से संबंधित किसी प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज होने पर 'शांति एवं विवाद निवारण समिति' को सूचित कराया जायेगा।
- **ग्राम सभा के अधिकारों की सीमाएं**  
ग्राम सभा उसके अधिकारों का प्रयोग निम्नलिखित सीमाओं के अन्तर्गत ही करेगी :-  
○ ग्राम सभा ऐसे कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं करेगी जो कि तत्समय प्रवृत्त प्रचलित विधि (कानून) के खिलाफ हो।
- ग्राम सभा ऐसे किसी भी कृत्य का समर्थन नहीं करेगी जिससे क्षेत्र में निवास कर रही जनजातियां तथा अन्य स्थानीय समुदायों की रूढ़ियों एवं परम्पराओं को क्षति (नुकसान) पहुंचता हो।
- ग्राम सभा ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करेगी जो कि विविध सामाजिक समूहों के बीच द्वेष या शत्रुता के भाव को बढ़ावा देती हो या जिससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारा कम होता हो।
- ग्राम सभा किसी भी शासकीय प्राधिकारी की विधि सम्मत गतिविधियों में किसी भी प्रकार का निषेध या बाधा उत्पन्न नहीं करेगी।

### भूमि प्रबंधन

- **ग्राम सभा द्वारा कृषि की योजना :-**  
ग्राम सभा किसान की आर्थिक स्थिति के अनुसार

- कृषि हेतु योजनाएं बनाने में सक्षम होगी। ग्राम सभा के निर्णय में अन्य वालों के साथ-साथ ये प्रमुख बिंदु सम्मिलित हो सकेंगे :-  
○ मिट्टी के कटाव की रोकथाम।
- फसलों को बचाने हेतु चराई का विनियमन।
- वर्षा जल का संचयन एवं वितरण जिसका उपयोग कृषि हेतु किया जा सके।
- आपसी सहयोग से या अन्यथा, बीज, खाद आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ ज्ञान साझा करना।
- जैविक खाद, उर्वरक और कीटनाशकों को बढ़ावा देना।
- ग्राम सभा द्वारा तैयार की गई कृषि की योजना का कृषि विभाग नियमानुसार क्रियान्वयन करेगा।
- **भू-अभिलेखों का संधारण :-**  
○ पटवारी एवं बीट गार्ड, विभाग के वित्तीय वर्ष के प्रारंभ के प्रथम सप्ताह में वर्ष में एक बार ग्राम सभा को ग्राम की सीमा के भीतर आने वाले अव्यक्त राजस्व और वन अभिलेख अर्थात् नक्शा, खसरा, बी-1 आदि उपलब्ध करवाएंगे।
- पटवारी, ग्राम सभा से प्राप्त निजी भूमि/शासकीय भूमि के अभिलेखों में त्रुटि सुधार की अनुशंसा 15 दिवस के अंदर सक्षम राजस्व अधिकारी को या बीट गार्ड को भेजेगा। सक्षम अधिकारी विधिक प्रावधानों के अनुसार तीन माह के भीतर त्रुटि सुधार के प्रकरण का निराकरण करेगा और पटवारी के माध्यम से ग्राम सभा को सूचित करेगा।
- शासकीय अथवा सामुदायिक भूमि के उपयोग में व्यवर्तन से पूर्व ग्राम सभा से परामर्श करना होगा। हस्तांतरण, पट्टा, अनुबंध कृषि, बिक्री, गिरवी अथवा अन्य किसी कारण से निजी भू-स्वामी के परिवर्तित होने की दशा में ग्राम सभा को पूर्व सूचना देनी होगी।
- ग्राम सभा यह सुनिश्चित करेगी कि अनुसूचित जनजाति की कोई भी भूमि शासकीय कार्यों के उपयोग, भू-अधिग्रहण, वैध उत्तराधिकार एवं अन्य विधिक प्रावधानों के विपरीत गैर जनजाति व्यक्ति को हस्तांतरित न हो।
- ग्राम सभा अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति की भूमि की नीलामी की दशा में उक्त भूमि को अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति को विक्रय करने की पहल करेगी।
- अनुसूचित जनजाति की ऐसी कोई भूमि जो उत्तराधिकार या अन्य विधिक कारणों के बिना गैर अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति को अंतरित की गई हो तो ग्राम सभा ऐसी भूमि को अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति अथवा उसके परिवार को वापस अंतरित करने हेतु पहल करेगी।
- यदि ग्राम सभा के मत में कोई भूमि जिस पर कि अनुसूचित जनजाति व्यक्ति का अधिकार है, का गैर जनजाति व्यक्ति के पक्ष में अंतरण करने के प्रयास हो रहे हों तो ऐसी कार्यवाही को रोकने की पहल ग्राम सभा कर सकेगी।
- ग्राम सभा भूमि के बंधक रखने से संबंधित मामलों को उसके संज्ञान में आने पर सम्यक प्रक्रिया के अधीन बंधक से निपटिक की कार्यवाही कर सकेगी।
- **भू-अर्जन के पूर्व परामर्श**  
○ अधिसूचित क्षेत्रों में भू-अर्जन के समस्त मामलों में मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2015 के नियम 16 के अनुसार संबंधित ग्राम सभा की पूर्व सहमति प्राप्त की जाएगी।
- अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2015 के अंतर्गत की जाने वाली भू-अर्जन की कार्यवाही में उक्त नियमों के नियम के अनुसरण में सामाजिक समाघात निर्धारण के लिये जन सुनवाई के दौरान ग्राम सभाओं के साथ परामर्श किया जाएगा।
- पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के लिये जन सुनवाई होने पर ग्राम सभा को सूचित किया जाएगा।
- **छल-कपट या धोखे से आदिम जनजाति की अंतर्गत भूमि की वापसी**  
○ गैर जनजातीय व्यक्ति या कोई भी अन्य व्यक्ति छल-कपट से, बहला-फुसलाकर, विवाह करके जनजातीय भाई-बहनों की जमीन पर गलत तरीके से कब्जा करने या खरीदने की कोशिश करें तो ग्राम सभा इसमें हस्तक्षेप कर सकेगी और उस भूमि का कब्जा फिर से जनजातीय भाई-बहनों को दिलवाया जाएगा।



75  
आजादी का  
अमृत महोत्सव



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

## मध्यप्रदेश पैसा नियम

जनजातीय समुदाय को  
जल, जंगल, जमीन, मजदूरों,  
महिलाओं व संस्कृति संरक्षण  
के मिले अधिकार



शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

## मध्यप्रदेश सरकार ने दिये आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक संरक्षण के अधिकार

अनुसूचित क्षेत्र के 89 विकासखंडों में हुए लागू

सामाजिक समरसता के साथ  
जनजातीय वर्ग को मिले उनके अधिकार

### जमीन के अधिकार

- गांव की जमीन और वन क्षेत्र के नक्शे, खसरा बी-1 पटवारी और बीटगार्ड कराएंगे उपलब्ध, नहीं लगाने होंगे तहसील के चक्कर
- राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों के सुधार की अनुशंसा का अधिकार
- भू-अर्जन, खनिज सर्वे, पट्टा और नीलामी हेतु ग्राम सभा की सहमति और अनुशंसा
- गलत तरीके से जमीन खरीदने/कब्जा करने पर ग्राम सभा का हस्तक्षेप, नहीं कर सकेगा कोई छल-कपट
- ग्राम सभा वापस दिलवा सकती है कब्जे वाली जमीन

### जंगल के अधिकार

- लघु वनोपजों एवं तेंदूपत्ता के संग्रहण और विपणन का अधिकार, अब जनजातीय समुदाय तय करेगा अपनी लघु वनोपजों का मूल्य, मिलेगी उचित कीमत
- एक निश्चित दर से कम रेट पर नहीं बिकेगी वनोपज

### पैसा जागरूकता सम्मेलन

म.प्र. पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम, 2022



मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केसला विकासखण्ड से 89 जनजातीय विकासखण्डों में पैसा जागरूकता अभियान की शुरुआत की





नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

# मध्यप्रदेश पेसा नियम

## जनजातीय वर्ग के विकास के लिए अभूतपूर्व फैसला

### जल के अधिकार

- तालाबों के प्रबंधन का अधिकार ग्राम सभा को
- ग्राम पंचायत करेगी 100 एकड़ तक की सिंचाई क्षमता के जलाशयों का प्रबंधन
- तालाब/ जलाशयों में मछली पालन, सिंधाड़ा उत्पादन की गतिविधियों का अधिकार, होगी आमदनी में वृद्धि
- जलाशयों को प्रदूषित करने पर कार्रवाई का अधिकार

### जनजातीय गौरव के संरक्षण और संवर्धन के अधिकार

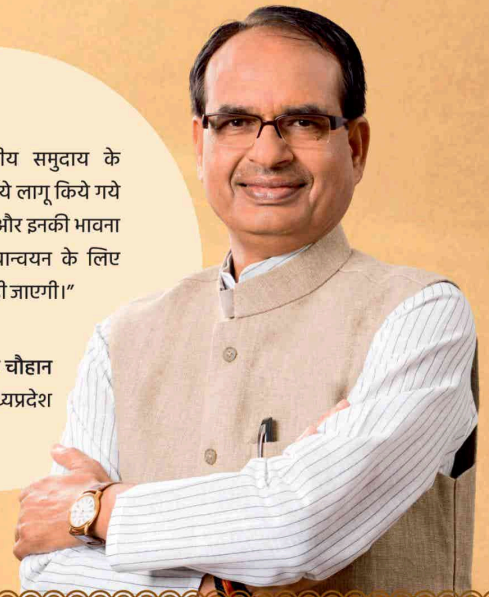
- परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का गौरव बढ़ेगा
- शराब/ भांग की दुकान ग्राम सभा की अनुमति बिना नहीं
- अस्पताल, स्कूल या धार्मिक स्थल के पास शराब/ भांग की दुकान को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की अनुशंसा का अधिकार
- सार्वजनिक स्थानों पर शराब के उपयोग को प्रतिबंधित करने एवं अवैध बिक्री को रोकने का अधिकार
- स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, आश्रम शाला एवं छात्रावासों में निरीक्षण एवं मॉनीटरिंग का अधिकार ग्राम सभा को
- ग्राम में हाट बाजार और मेलों के प्रबंधन का अधिकार
- एक तिहाई महिला सदस्यों के साथ शांति एवं विवाद निवारण समिति, यह समिति परम्परागत तरीके से विवाद निपटारा करने में होगी सक्षम
- सामाजिक सौहार्द और भाई-चारा कम करने वाली किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करेगी ग्राम सभा
- धर्मान्तरण से संस्कृति संरक्षण के लिये अधिकार

### श्रमिकों के अधिकार

- ग्राम सभा साल भर की कार्ययोजना बनाकर ग्राम के हर पात्र मजदूर को दिलाएगी मांग आधारित रोज़गार
- केंद्र और राज्य की रोज़गार मूलक योजनाओं में कार्यों का निर्धारण करेगी ग्राम सभा
- रोज़गार मूलक कार्यों में मस्टर रोल की गलतियों को ठीक करने का अधिकार
- गांव से पलायन और मजदूरों के शोषण को रोकने का अधिकार ग्राम सभा के पास
- नियत मजदूरी दर को गांव में सार्वजनिक स्थान पर एक बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा
- किसी साहूकार द्वारा शोषण पर ग्राम सभा अनुशंसा के साथ उपखण्ड अधिकारी को भेज सकेगी शिकायत
- किसी हितग्राही मूलक योजना में गांव के सबसे ज्यादा आवश्यकता वाले पात्र हितग्राही को मिलेगी प्राथमिकता

“ पेसा नियम जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिये लागू किये गये हैं। इनको सफल बनाने और इनकी भावना के अनुरूप प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी।”

शिवराज सिंह चौहान  
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



(पृष्ठ 9 का शेष)

- यदि ग्राम सभा को ऐसा करने में कोई कठिनाई होती है तो वो भूमि का कब्जा वापस दिलाने के लिए मामले को उपखण्ड अधिकारी को भेज सकेगी।

### जल संसाधनों एवं लघु जल संभर की योजना और प्रबंधन

- ऐसे जल संसाधन जो एक ग्राम सभा के सीमा क्षेत्र के भीतर हों, उन जल संसाधनों या निकायों के विषय में ग्राम सभा का निर्णय सभी स्तर की पंचायतों के लिए बाध्यकारी होगा।
- ग्रामसभा के निर्णय सिंचाई, मत्स्य पालन, पेयजल आदि हेतु आवंटन एवं जल स्रोतों की शाश्वतता से संबंधित हो सकते हैं। ग्राम सभा, ग्राम में उपलब्ध पानी के उपयोग में पेयजल, निस्तार, सिंचाई को प्राथमिकता देगी।
- अनुसूचित क्षेत्रों में मत्स्य पालन एवं पेयजल का प्रबंधन, 0 से 10 हेक्टेयर तक के लघु जल संभर के लिए ग्राम पंचायत, 10 से अधिक किन्तु 100 हेक्टेयर तक के लघु जल संभर के लिए जनपद पंचायत तथा 100 से अधिक किन्तु 200 हेक्टेयर तक के जल संभर के लघु लिए जिला पंचायत द्वारा किया जाएगा।
- **सिंचाई प्रबंधन -**
- सिंचाई प्रबंधन के लिए 40 हेक्टेयर तक की सिंचाई क्षमता के प्रबंधन का अधिकार संबंधित स्तर की पंचायत को होगा।
- सिंचाई जल के उपयोग एवं वितरण पर नियंत्रण संबंधित स्तर की पंचायत के परामर्श से किया जाएगा।
- यदि सिंचाई प्रबंधन में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो उसे ग्राम सभा की शांति एवं न्याय समिति के समक्ष रखा जायेगा। ग्राम सभा स्तर पर विवाद का समाधान नहीं होने की स्थिति में प्रकरण को कलेक्टर को प्रेषित किया जा सकेगा।

### मत्स्य पालन

- ग्राम सभा उसके नियंत्रण के क्षेत्र में शासकीय/सामुदायिक लघु जल निकायों में मत्स्य पालन का नियंत्रण/नियमन करने के लिये सक्षम होगी।
- स्थानीय परम्पराओं के अनुसार मछलियों की उपलब्धता एवं प्रजातियों की विविधता को बनाये रखने के लिए ग्राम सभा मत्स्य आखेट पर नियंत्रण कर सकेगी।
- ग्रामीणों के पोषण स्तर को ध्यान में रखते हुए ग्राम सभा मत्स्य उपयोग एवं विक्रय हेतु प्राथमिकता निश्चित कर सकेगी।
- **जल संसाधनों में प्रदूषण पर रोक :** ग्राम सभा शासकीय, सामुदायिक अथवा निजी जल निकायों में किसी भी प्रकार के प्रदूषण को रोकने हेतु निर्देश जारी कर सकेगी।

### खान और खनिज

- अधिसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा की अनुशंसा के बिना खनिज के सर्वे, पट्टा देने या नीलामी की कार्यवाही नहीं की जा सकेगी।
- खनिज पट्टी की स्वीकृति में अनुसूचित जनजाति की सहकारी सोसाइटियों, महिला आवेदकों और पुरुष आवेदकों को अपनी-अपनी श्रेणियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

### मादक पदार्थों के निषेध तथा

### विक्रय/उपभोग पर प्रतिबंध/विनियमन

- **अनुसूचित क्षेत्रों में मादक पदार्थों का निषेध :**
- राज्य शासन द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में मादक पदार्थों के संबंध में निषेधाज्ञा जारी करने पर ग्राम सभा अपनी स्थानीय सीमाओं के भीतर इसे लागू करने के लिये आवश्यक कदम उठाएगी।
- ग्राम सभा उक्त निषेधाज्ञा के उल्लंघन के लिए संबंधित व्यक्ति पर आर्थिक दण्ड लगा सकेगी जो रुपये 1000/- से अधिक नहीं होगा।
- गांव में अवैध शराब के विक्रय को रोकने का काम भी ग्राम सभा द्वारा किया जाएगा।
- **अनुसूचित क्षेत्रों में शराब/भांग के विक्रय का प्रतिषेध और विनियमन- ग्राम सभा अपनी स्थानीय सीमाओं के भीतर :-**
- देशी/विदेशी शराब की नवीन दुकान खोलने का प्रस्ताव विहित अधिकारी से प्राप्त होने पर इसके 45 दिन की कालावधि के भीतर नई दुकान खोलने की अनुमति दे सकेगी। यदि ग्राम सभा 45 दिन के भीतर सर्वसम्मति से किसी निर्णय पर नहीं पहुंचती है तो यह माना जाएगा कि ग्राम सभा की इस पर सहमति नहीं है तथा दुकान नहीं खोली जाएगी।
- ग्राम के क्षेत्र के अंदर संचालित शराब/भांग दुकान

## गौण वनोपज



### ● गौण वनोपज का परंपरागत प्रबंधन

- अनुसूचित वन क्षेत्रों में शासकीय वर्णों के संवहनयौ एवं परंपरागत प्रबंधन हेतु ग्राम सभा द्वारा अपने सदस्यों में से वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति का गठन किया जा सकेगा, परन्तु इसका आशय यह नहीं होगा कि वनभूमि ग्राम सभा/ग्राम पंचायत में निहित हो गई है।
- ग्राम सभा सूक्ष्म प्रबंध योजना के जरिए गौण वनोपज का समुचित दोहन तथा जैवविविधता एवं जैविक स्रोतों का रक्षण और संवर्धन कर सकेगी।
- गौण वनोपज की मात्रा सीमित होने की स्थिति में/ग्राम सभा परंपरा से गौण वनोपज संग्रहण करने वाले ग्रामीणों से भिन्न अन्य लोगों के लिए वनोपज का संग्रहण प्रतिबंधित अथवा चक्रीय व्यवस्था या आर्थिक रूप से कमजोर और भूमिहीन परिवार को संग्रहण करने के लिए अधिकृत कर सकेगी। परन्तु ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया जायेगा जिसका वनाधिकार धारकों के व्यक्तिगत या सामूहिक अधिकार पर विपरीत प्रभाव पड़े।
- **गौण वनोपज संबंधित अधिकार -**
- ग्राम सभा अपने क्षेत्र के भीतर स्वयं या नियम 25 के अधीन गठित समिति या शासन द्वारा गठित किसी भी एजेंसी या समूह के माध्यम से गौण वनोपज का संग्रहण एवं विपणन कर सकेगी।
- एक या एक से अधिक ग्राम सभा चाहे तो संयुक्त रूप से वन विभाग के परामर्श से वनोपज की खरीदी एवं विक्री के लिए न्यूनतम मूल्य तय कर सकेगी। ग्राम सभा ऐसे न्यूनतम मूल्य पर क्रय तथा उसके निपटान की व्यवस्था वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति के माध्यम से करेगी।
- तैदुपत्ते का संग्रहण एवं विपणन मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से कराया जाएगा, तथापि ग्राम सभा चाहे तो तैदुपत्ते का संग्रहण एवं विपणन स्वयं कर सकेगी बशर्तें ग्राम सभा इस बाबत संबंधित संग्रहण वर्ष के पूर्व वर्ष में 15 दिसम्बर तक इस हेतु संकल्प पारित कर ग्राम पंचायत के माध्यम से वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों को अवगत करवायें।

के स्थल परिवर्तन की अनुशंसा कर सकेगी जिस पर राज्य शासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

- ग्राम सभा किसी स्थानीय त्यौहार के अवसर पर उस दिन की संपूर्ण अथवा आंशिक अवधि के लिए संचालित शराब/भांग दुकान बंद करने की अनुशंसा कलेक्टर को कर सकेगी। कलेक्टर स्वविवेक से घोषित 4 शुक्र दिवस के अंतर्गत दुकान को उक्त क्षेत्र के लिए बंद कर सकेगा।
- यदि कोई शराब या भांग की दुकान गांव के अस्पताल, स्कूल, धार्मिक स्थल आदि के आस-पास हो तो उसे अन्यत्र स्थित करने की अनुशंसा ग्राम सभा सरकार को भेज सकेगी।
- **अनुसूचित क्षेत्र में शराब/भांग के उपयोग पर प्रतिबंध तथा विनियमन - ग्राम सभा अपने क्षेत्राधिकार के भीतर-**
- नशे की लत को हतोत्साहित करने के लिए ग्राम सभा न केवल किसी सार्वजनिक स्थान पर शराब का उपयोग प्रतिबंधित कर सकती है, बल्कि व्यक्तिगत रूप से उपयोग किए जाने वाले मादक द्रव्यों की सीमा भी कम कर सकती है।
- किसी निर्धारित सार्वजनिक स्थल/परिसर में शराब/भांग का उपभोग प्रतिबंधित कर सकेगी।
- मध्यप्रदेश आवकारी अधिनियम, 1915 की धारा-16 के अधीन विहित मादक पदार्थों की व्यक्तिगत आधिपत्य की सीमा को कम कर सकेगी।
- अनुसूचित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों हेतु मध्यप्रदेश आवकारी अधिनियम, 1915 की धारा-61(2) (तीन) में निर्धारित आधिपत्य की अधिकतम सीमा को कम कर सकेगी।

### श्रम शक्ति की योजना

- ग्राम सभा अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर सकेगी।
- ऐसे कार्य जिनमें मस्टर रोल का उपयोग होता है, से संबंधित काम शुरू होने के पहले दिन ऐसे मस्टर रोल की जानकारी ग्राम सभा के अध्यक्ष को प्रस्तुत करेंगे। यदि ग्राम सभा के अध्यक्ष या सदस्य मस्टर में फर्जी नाम या अन्य त्रुटियाँ पाते हैं, तो ऐसी त्रुटियों को ठीक किया जायेगा।
- **गांव के बाहर काम करने वाले श्रमिकों का नियमन -**
- गांव से बाहर काम करने वाले सभी व्यक्ति अपने कार्य की प्रकृति एवं शर्तों की संपूर्ण जानकारी ग्राम सभा को उपलब्ध करायेंगे, जिनका संधारण विहित रीति में किया जायेगा।
- प्रवासी श्रमिकों की समस्या की सूचना प्राप्त होने पर शांति एवं न्याय समिति संबंधित विभागों से परामर्श

कर उनकी समस्या के समाधान का प्रयास करेगी।

- ग्राम सभा यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रारंभ की गई योजनाओं, कानूनी प्रावधान, विधिक सहायता आदि का अधिकतम लाभ श्रमिकों को प्राप्त हो सके।
- **कार्यानुसार मजदूरी निर्धारण**
- नियत मजदूरी दर को गांव में सार्वजनिक स्थान पर एक बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।
- यदि किसी संस्था अथवा निजी व्यक्ति द्वारा अनुबंधित मजदूरी दर अथवा व्यक्ति के श्रम क्षमता से कम दर पर अनुबंध किया जाता है। या न्यूनतम मजदूरी से कम दर पर भुगतान किया जाता है, तो इसकी शिकायत प्राप्त होने पर शांति एवं न्याय समिति कार्रवाई करेगी।

### ग्राम सभा के कर्तव्य

ग्राम सभा निम्न कर्तव्यों का निर्वहन करेगी -

- ग्राम सभा के अधिकार क्षेत्र में स्थित वनों के संरक्षण की जिम्मेवारी अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 की धारा 3(1)(इ) तथा धारा 5 के अनुसार ग्राम सभा की होगी।
- ग्राम सभा वनों के संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन का कार्य उसके द्वारा गठित वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति के माध्यम से करेगी। इस हेतु ग्राम सभा द्वारा आवेदन करने पर शासन के समस्त विभाग सहायता करेंगे।
- ग्राम सभा परिवार और सामुदायिक जरूरतों जैसे निस्तार, चराई, जलावन, कृषि उपकरण बनाने के लिए सुखी और मरी हुई लकड़ी, बांस तथा पारंपरिक संस्कार में लगाने वाले पदार्थों के आवश्यकतानुसार वन से निकालने के लिए व्यवस्था करेगी।
- प्रत्येक ग्राम सभा अथवा ग्राम सभा समूह अपने-अपने क्षेत्रों में अपने सदस्यों के हितों, वनों के संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन, पर्यावरण में सुधार और स्थानीय रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से उपयुक्त कार्यक्रम बनाएगी।
- **बाजारों तथा मेलों पर नियंत्रण**
- बाजार फीस आदि का ठेके पर दिया जाना : मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 80 के अनुसार पंचायत, अनुसूची-3 में विनिर्दिष्ट किसी फीस के संग्रहण का कार्य सार्वजनिक नीलाम द्वारा तथा तदनुसार विहित रीति में ठेके पर दे सकेगी।
- अधिसूचित क्षेत्रों में ग्राम पंचायतें बाजारों और मेलों का प्रबंधन करने में सक्षम होगी।

## साहूकारी

अनुसूचित क्षेत्रों में धन उधार देने पर नियंत्रण :-

- अनुसूचित क्षेत्रों में किसी स्थान पर साहूकारी का कारवार मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति साहूकार विनियम, 1972 (क्रमांक 2 सन् 1972) के प्रावधान के अनुसार लायसेंस प्राप्त कर उक्त विनियम के उपबंधों के अध्वधीन किया जा सकेगा।
- साहूकारी लायसेंस जारीकर्ता अधिकारी लायसेंस की एक प्रति आवश्यक रूप से ग्राम पंचायत को प्रेषित करेगा। ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा ग्राम सभा को उपर्युक्त जानकारी से अवगत कराया जाएगा।
- साहूकार का यह दायित्व होगा कि वह उसके द्वारा दिये/वुकाये गये ऋण का ग्रामवार विवरण उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) को त्रैमासिक रूप से प्रस्तुत करे। उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) द्वारा उक्त जानकारी ग्राम पंचायत के माध्यम से ग्राम सभा को सूचित की जाएगी।
- ग्राम सभा साहूकार के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति की शिकायत पर विचार करेगी तथा उपयुक्त पाए जाने पर उपखण्ड अधिकारी को यथाचित जांच एवं कार्रवाई हेतु अनुसंधित करेगी।
- उपखण्ड अधिकारी यथाचित जांच एवं कार्रवाई पश्चात् ऐसी अनुशंसा की रिपोर्ट 45 दिवस के भीतर ग्राम सभा को सूचित करेगा।

## सामाजिक क्षेत्रों की संस्थाओं और कार्यकर्ताओं पर नियंत्रण तथा विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में

## हितग्राहियों का चिन्हांकन एवं चयन

विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों की योजनाओं तथा संस्थाओं पर नियंत्रण की शक्ति :-

- ग्राम सभा, सामाजिक एवं स्थानीय क्षेत्रों में चल रही सभी वार्षिक, सामाजिक अंकेक्षण योजनाओं जैसे कि शैक्षणिक संस्थाएं, छात्रावास, आंगनवाड़ी इत्यादि का समय-समय पर निरीक्षण, पुनरीक्षण करने हेतु सक्षम होगी; परन्तु ग्राम सभा स्वास्थ्य से संबंधित सामयिक निरीक्षण तथा वार्षिक सामाजिक अंकेक्षण करने हेतु सक्षम होगी।
- ग्राम सभा सामाजिक क्षेत्रों में चल रही समस्त संस्थाओं योजनाओं के निरीक्षण हेतु समय-समय पर एवं तदर्थ समिति बना सकेगी जो कि निरीक्षण के पश्चात् नियत समय पर ग्राम सभा को उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।
- जिन हितग्राहीमूलक योजनाओं में निर्धारित पात्रता के मापदंड अनुसार हितग्राहियों को चिन्हांकित कर लाभान्वित किया जाना है उन योजनाओं में चिन्हांकित एवं लाभान्वित हितग्राहियों का विवरण त्रैमासिक रूप से ग्राम सभा में प्रस्तुत किया जाएगा तथा यदि कोई पात्र हितग्राही लाभान्वित/चिन्हांकित होने से वंचित पाया जाता है तो ग्राम सभा संबंधित को लाभ देने हेतु निर्देशित करेगी।
- यदि किसी योजना में हितग्राही का चयन किया जाना है तो ऐसी स्थिति में ग्राम सभा इस संबंध में जारी शासकीय निर्देशों में उल्लेखित मापदण्डों के अनुसार वरीयता (मेरिट) क्रम में हितग्राही का चयन करने में सक्षम होगी।
- संबंधित हितग्राही को ग्राम सभा से चयन के पश्चात् ही योजना का लाभ दिया जा सकेगा।
- ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तावित कार्य योजना पर ग्राम सभा से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- ग्राम सभा क्षेत्र में प्रस्तावित योजनाओं के विवरण ग्राम सभा के समक्ष अनुशंसा हेतु प्रस्तुत किए जाएंगे। समस्त अधिकारी द्वारा स्वीकृत कार्यों तथा त्रैमासिक भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण ग्राम सभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
- **महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित योजनाएं -**
- आंगनवाड़ी/उप आंगनवाड़ी केन्द्रों में गठित सहयोगिनी मातृ समिति/उप समिति में नामांकित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों का चयन पश्चात् अनुमोदन ग्रामसभा से प्राप्त किया जायेगा।
- ऐसी समिति में कम से कम 50 प्रतिशत सदस्य अनुसूचित जनजाति वर्ग से नामांकित होंगे।
- समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला नामांकित होगी,
- ग्राम सभा सहयोगिनी मातृ समितियों के माध्यम से आंगनवाड़ी एवं उप आंगनवाड़ी केन्द्रों में संचालित समस्त योजनाओं का पर्ववर्धन, निरीक्षण, त्रैमासिक समीक्षा एवं सामाजिक अंकेक्षण करेगी।
- **ग्राम सभा यह भी सुनिश्चित करेगी कि :**
- कार्यस्थल पर कार्य की जानकारी स्थानीय भाषा में प्रदर्शित की गई हो।
- कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता बनी हो।
- मजदूरों को उनकी मजदूरी मौखिक रूप से बताई गई है एवं उन्हें सार्वजनिक स्थल पर प्रदान की गई है।

- अजय कुमार पटेल  
(लेखक पत्रकार हैं)



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धि पत्र क्रमांक 06/05/2020, दिनांक 17.11.2022

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा - 2020

पुनरीक्षित पद विवरण

- 01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों हेतु राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा - 2020 का विज्ञापन क्रमांक 05/2020, दिनांक 29.12.2020 आयोग की वेबसाइट [www.mppsc.nic.in](http://www.mppsc.nic.in) पर जारी किया गया है।
- 02 सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र.एफ दिनांक 29.09.2022 में अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में मा. उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक WP5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के लंबित होने के कारण परीक्षा परिणाम घोषित करने में हो रही कठिनाई को दृष्टिगत रखते हुए दिए गए दिशानिर्देशों के अनुपालन में मध्यप्रदेश शासन के निम्नानुसार विभागों से प्राप्त पत्रों में उल्लेखित रिक्ति विवरण अनुसार उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 05/2020 दिनांक 29.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक रूप में घोषित किया जाना है। इस हेतु पुनरीक्षित रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का पत्र क्रमांक 5767/22/वि-3/ग्रायसे/2022 दिनांक 07.10.2022 के अनुसार सहायक यंत्री (सिविल) का पुनरीक्षित रिक्ति विवरण

| सहायक यंत्री (सिविल)                                          | रिक्त पदों की संख्या |    |    |     |     | मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित |    |    |     |     | कुल |
|---------------------------------------------------------------|----------------------|----|----|-----|-----|---------------------------------------------------------|----|----|-----|-----|-----|
|                                                               | UR                   | SC | ST | OBC | EWS | UR                                                      | SC | ST | OBC | EWS |     |
| (अ) पूर्व में विज्ञापित पद                                    | 6                    | 3  | 3  | 2   | 2   | 2                                                       | 1  | 1  | 1   | 1   | 16  |
| (ब) मुख्य भाग 87% (14% ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण | 6                    | 3  | 3  | 2   | 2   | 2                                                       | 1  | 1  | 1   | 1   | 16  |
| (स) प्रावधिक भाग 13% (ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण  | 0                    | -  | -  | 0   | -   | 0                                                       | -  | -  | 0   | -   | 0   |

रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन (बहरे और कम सुनने वाले) अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पद की संख्या : 01 पद

जल संसाधन विभाग का पत्र क्रमांक एफ 3327567/सीधी भर्ती/2019/324 दिनांक 14.10.2022 के अनुसार सहायक यंत्री (सिविल) के पुनरीक्षित रिक्ति विवरण

| सहायक यंत्री (सिविल)                                          | रिक्त पदों की संख्या |    |    |     |     | मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित |    |    |     |     | कुल |
|---------------------------------------------------------------|----------------------|----|----|-----|-----|---------------------------------------------------------|----|----|-----|-----|-----|
|                                                               | UR                   | SC | ST | OBC | EWS | UR                                                      | SC | ST | OBC | EWS |     |
| (अ) पूर्व में विज्ञापित पद                                    | 10                   | 4  | 6  | 7   | 3   | 3                                                       | 1  | 2  | 2   | 1   | 30  |
| (ब) मुख्य भाग 87% (14% ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण | 10                   | 4  | 6  | 4   | 3   | 3                                                       | 1  | 2  | 1   | 1   | 27  |
| (स) प्रावधिक भाग 13% (ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण  | 3                    | -  | -  | 3   | -   | 1                                                       | -  | -  | 1   | -   | 3   |

रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन (लोकोमोटर डिसेबिलिटी (OH)) अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पद की संख्या : 02 पद

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पत्र क्रमांक एफ 1-65/2018/1/34/ दिनांक 20.10.2022 के अनुसार सहायक यंत्री (सिविल) का पुनरीक्षित रिक्ति विवरण

| सहायक यंत्री (सिविल)                                          | रिक्त पदों की संख्या |    |    |     |     | मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित |    |    |     |     | कुल |
|---------------------------------------------------------------|----------------------|----|----|-----|-----|---------------------------------------------------------|----|----|-----|-----|-----|
|                                                               | UR                   | SC | ST | OBC | EWS | UR                                                      | SC | ST | OBC | EWS |     |
| (अ) पूर्व में विज्ञापित पद                                    | 0                    | 3  | 1  | 7   | 1   | 0                                                       | 1  | 0  | 2   | 0   | 12  |
| (ब) मुख्य भाग 87% (14% ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण | 0                    | 3  | 1  | 4   | 1   | 0                                                       | 1  | 0  | 1   | 0   | 9   |
| (स) प्रावधिक भाग 13% (ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण  | 3                    | -  | -  | 3   | -   | 1                                                       | -  | -  | 1   | -   | 3   |

लोक निर्माण विभाग का पत्र क्रमांक एफ 1-23/2017/स्था/19 दिनांक 31.10.2022 के अनुसार सहायक यंत्री (सिविल) का पुनरीक्षित रिक्ति विवरण

| सहायक यंत्री (सिविल)                                          | रिक्त पदों की संख्या |    |    |     |     | मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित |    |    |     |     | कुल |
|---------------------------------------------------------------|----------------------|----|----|-----|-----|---------------------------------------------------------|----|----|-----|-----|-----|
|                                                               | UR                   | SC | ST | OBC | EWS | UR                                                      | SC | ST | OBC | EWS |     |
| (अ) पूर्व में विज्ञापित पद                                    | 4                    | 2  | 3  | 4   | 1   | 1                                                       | 1  | 1  | 1   | 0   | 14  |
| (ब) मुख्य भाग 87% (14% ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण | 4                    | 2  | 3  | 2   | 1   | 1                                                       | 1  | 1  | 1   | 0   | 12  |
| (स) प्रावधिक भाग 13% (ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण  | 2                    | -  | -  | 2   | -   | 0                                                       | -  | -  | 0   | -   | 2   |

रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन (दृष्टिबाधित और कम दृष्टि) अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पद की संख्या : 01 पद

आयोग के उक्त विज्ञापन की कण्डिका चार (1) एवं ऊर्जा विभाग का पत्र क्रमांक एफ 02-19/2018/तेरह दिनांक 17.10.2022 के अनुरोध पर सहायक यंत्री (वि.सु.) एवं सहायक विद्युत निरीक्षक के अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित 1 पद को विलोपित किया जाता है। अतः सहायक यंत्री (वि.सु.) एवं सहायक विद्युत निरीक्षक का पुनरीक्षित रिक्ति विवरण निम्नानुसार होगा :

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - [ceproc.encyrdr.bpl@nic.in](mailto:ceproc.encyrdr.bpl@nic.in), फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 943/2022-23/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 17.11.2022  
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.12.2022 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

| स. क्र. | निविदा क्र.     | कार्य                                                                                                                      | जिला    | लागत (लाख) |
|---------|-----------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|------------|
| 1.      | 2022_WRD_232855 | पटपरा नाला तालाब योजना के नहर लाइनिंग एवं रपटे का निर्माण कार्य।                                                           | पन्ना   | 42.76      |
| 2.      | 2022_WRD_232857 | छिरंहा तालाब योजना के अंतर्गत बांध एवं वेस्टवियर की रिसैक्लिंग, की.आर.बी. का निर्माण एवं नहर से लाइनिंग का कार्य।          | पन्ना   | 38.74      |
| 3.      | 2022_WRD_232860 | टर्न की पद्धति पर :- खडोय, वनवाणी, स्टॉप डेम का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।     | शिवपुरी | 684.65     |
| 4.      | 2022_WRD_232864 | कार्यालय परियोजना संचालक बीना पी.एम.यू. सागर हेतु उपयोगिता वाहन किराये पर लेना।                                            | सागर    | 28.02      |
| 5.      | 2022_WRD_232867 | टर्न की पद्धति पर :- बोलखेड़ा स्टॉप डेम कम कॉजवे का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं। | गुना    | 352.55     |
| 6.      | 2022_WRD_232868 | टर्न की पद्धति पर :- बेंका तालाब का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।                 | इन्दौर  | 585.47     |
| 7.      | 2022_WRD_232869 | बोरका खेड़ा सिंचाई तालाब (नहर रहित) का निर्माण कार्य।                                                                      | गुना    | 228.50     |
| 8.      | 2022_WRD_232870 | बेतवा नदी पर महुता घाट पर बने बी.ओ.आर.एल. वियर के सर्वेक्षण का कार्य।                                                      | चिदिशा  | 21.00      |

जी-19345/47764/2022 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग

सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 11/मु.अ./सेतु परिक्षेत्र/वर्ष 2022-23 भोपाल, दिनांक : 10.11.2022  
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट [www.mptenders.gov.in](http://www.mptenders.gov.in) पर देखा जा सकता है।

क. एवं कार्य का नाम :- 1. सागर जिले के लुहारन-नरेंद्रा मार्ग के कि.मी. 1/6 में सुनार नदी पर जलमग्न पुल पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा कार्य।

| टेण्डर क्रमांक | जिला | कार्य का प्रकार | कार्य की क्र. | ई.एम.डी. अनु. राशि (रु. लाख में) | राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु। |
|----------------|------|-----------------|---------------|----------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|
|----------------|------|-----------------|---------------|----------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|

2022\_PWDRB\_231823\_1 सागर पुल कार्य प्रथम 930.86 केवल ऑनलाइन

क. एवं कार्य का नाम :- 2. अशोकनगर जिले अंतर्गत अशोकनगर-पिपराई मार्ग के कि.मी. 13/10 में ओर नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण का शेष कार्य।

2022\_PWDRB\_231824\_1 अशोकनगर पुल कार्य प्रथम 706.40 केवल ऑनलाइन

क. एवं कार्य का नाम :- 3. सागर जिले के रहली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जलमग्न पुल निर्माण कार्यों :- 1. सागर जिले के हिनौता गढाकोटा मार्ग के कि.मी. 1/2 में (रहली विधानसभा क्षेत्र में) गधेरी नदी पर पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा कार्य सहित जलमग्न पुल निर्माण कार्य। 2. गढाकोटा शहर में पुलिस थाना से तिलक वार्ड के बीच सुनार नदी पर पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा कार्य सहित पुल निर्माण कार्य।

2022\_PWDRB\_231825\_1 सागर पुल कार्य प्रथम 666.71 केवल ऑनलाइन

क. एवं कार्य का नाम :- 4. सागर जिले के गढाकोटा तहसील अंतर्गत चौराई ग्राम से भटुआ के बीच कि.मी. 1/2 में कैथ नदी पर जलमग्न पुल पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा कार्य।

2022\_PWDRB\_231826\_1 सागर पुल कार्य प्रथम 644.28 केवल ऑनलाइन

क. एवं कार्य का नाम :- 5. दमोह जिले के बटियागढ़-सादपुर मार्ग के कि.मी. 1/8 में उजरा नाले पर उच्चस्तरीय पुल पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा कार्य।

2022\_PWDRB\_231827\_1 पन्ना पुल कार्य प्रथम 596.14 केवल ऑनलाइन

कुल योग 3544.39

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 02.12.2022, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-19197/47760/2022 मुख्य अभियंता  
लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

| सहायक यंत्री (वि.सु.) एवं सहायक विद्युत निरीक्षक              | रिक्त पदों की संख्या |    |    |     |     | मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित |    |    |     |     | कुल |
|---------------------------------------------------------------|----------------------|----|----|-----|-----|---------------------------------------------------------|----|----|-----|-----|-----|
|                                                               | UR                   | SC | ST | OBC | EWS | UR                                                      | SC | ST | OBC | EWS |     |
| (अ) पूर्व में विज्ञापित पद                                    | 0                    | 1  | 0  | 1   | 0   | 0                                                       | 0  | 0  | 0   | 0   | 2   |
| (ब) मुख्य भाग 87% (14% ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण | 0                    | 1  | 0  | 0   | 0   | 0                                                       | 0  | 0  | 0   | 0   | 1   |
| (स) प्रावधिक भाग 13% (ओ.बी.सी. पदों) के आधार पर रिक्ति विवरण  | 0                    | -  | -  | 0   | -   | 0                                                       | -  | -  | 0   | -   | 0   |

03 चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किया जाएगा। प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात घोषित किया जाएगा।

04 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-19367/47780/2022

उप सचिव

# बरणी और गांधी सागर जलाशयों में फ्लोटिंग प्लांट लगाने का विचार

**भोपाल**, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल स्थित निवास पर यूएस के कॉन्सुलेट जनरल (महा वाणिज्य दूत) श्री मिचेल हेंकी से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने श्री हेंकी को जनवरी में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लिए भी आमंत्रित किया। श्री हेंकी ने कहा कि भोपाल के कुदरती सौन्दर्य ने उन्हें प्रभावित किया है।

श्री चौहान ने श्री हेंकी का प्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश, देश का हृदय प्रदेश है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में रीवा जिले में 'स्थापित' रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट' एक प्रमुख परियोजना है जिसकी लागत 4 हजार

500 करोड़ रुपये और क्षमता 750 मेगावाट है। ऑकोरेश्वर में सौर ऊर्जा से संचालित फ्लोटिंग संयंत्र की स्थापना की पहल की गई है। भविष्य में बरणी और गांधी सागर जलाशय पर भी ऐसे संयंत्र लगाने का विचार है। श्री चौहान ने कहा कि भारत और यूएस के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाएँ हैं। द्विपक्षीय व्यापार और निवेश की प्राथमिकताओं पर कार्य के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण है। गत तीन वर्ष में मध्यप्रदेश से यूएस में होने वाले निर्यात में वृद्धि हुई है। वर्ष 2019-20 में 1.05 बिलियन यूएस डालर का निर्यात हुआ, वहीं यह आंकड़ा वर्ष 2020-21 में बढ़कर 1.28 और वर्ष 2021-22 में बढ़कर 1.43 बिलियन यूएस डालर हो गया है। मुख्य रूप से जो उत्पाद मध्यप्रदेश से यूएस

निर्यात होते हैं उनमें बासमती चावल, दवाइयाँ, सूती वस्त्र, खाद्य तेल आदि शामिल हैं।

## यूएस और मध्यप्रदेश के बीच सहयोग की संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश के रूप में मध्यप्रदेश की केंद्रीय और आदर्श भूमिका है। देश के करीब 60 प्रतिशत क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की व्यापक किया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों से नियमित संवाद होता है। यू.एस. एवं मध्यप्रदेश की उन्नत विनिर्माण, रिस्यूएबल एनर्जी, मशीनरी इन्विपमेंट्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा और चिकित्सा उपकरण क्षेत्रों में साझेदारी है। इसे यू.एस. एवं मध्यप्रदेश की सरकारी संस्था एमपीआईडीसी और यूएसटीडीए के मध्य एमओयू कर और आगे ले जाया जा

सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि विकास, उद्यमिकी और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में बहुत अच्छा आधार स्थापित है। मध्यप्रदेश, भारत में गेहूँ का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है। इस क्षेत्र में भी यूएस के साथ साझेदारी कर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कर निवेश की संभावनाएँ एलाशी जा रही हैं। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स, इन्क्यूबेशन सेंटर और कॉमन फैसिलिटी सेंटर को स्थापित करने के प्रयास हैं। प्रदेश में स्मार्ट सिटी विकास में साझेदारी एवं नवाचार के नवीन अवसर खोजने का कार्य भी प्राथमिकता में शामिल है। मध्यप्रदेश इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क), वित्तीय और नवकरणीय क्षेत्रों में अधिक निवेश

के लिए प्रयासरत है। प्रदेश में चयनित ओडीओपी उत्पादों को अमेरिका में विपणन के अवसर प्रदान करने की संभावनाएँ विद्यमान हैं। 'स्टार्ट योर बिजनेस इन थर्टी डेज' की व्यवस्था का लाभ उद्यमियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था की मजबूत स्थिति से उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। आपराधिक तत्त्वों को सिर उठाने नहीं दिया जाता। मानवता को क्षति पहुंचाने वाले तत्त्वों को क़श कर देने का संकल्प है। महिला सशक्तिकरण के प्रयासों, कचरे से ऊर्जा उत्पादन का कार्य कर वेस्ट टू वेल्थ में मध्यप्रदेश आगे है। ग्रीन एनर्जी और फार्मा सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है। चर्चा के दौरान औद्योगिक नीति निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह भी उपस्थित थे।

## (प्रथम पृष्ठ का शेष)

### वंचित वर्गों...

उनकी उपस्थिति में प्रदेश में जनजातीय वर्ग के सशक्तिकरण के लिये पेसा एक्ट लागू किया जा रहा है। इसके नियम जनजातीय वर्ग को जल, जंगल और जमीन के अधिकार दिलाएंगे। नये नियमों को सामाजिक समरसता के साथ प्रदेश में लागू किया जायेगा।

श्री चौहान ने कहा कि रेत खदान, गिट्टी-पत्थर के ठेके देना है या नहीं यह भी ग्राम सभा तय करेगी। इन्हें पहले जनजातीय समाज सहकारी समिति को दिया जायेगा। ग्राम सभा तालाबों का प्रबंधन, उनमें मत्स्याखेट, सिंचाई उपाने की महमति ग्राम सभा देगी। जो एकड़ सिंचाई तालाबों का प्रबंधन, वनोपज का संग्रहण एवं न्यूनतम मूल्य निर्धारण करेगी। जनजातीय भाई वनोपज संग्रहण करेंगे और उन्हें बेचेंगे। तैदूपत्ता की तुड़ाई और त्रिकी का कार्य भी जनजातीय वर्ग करेंगे। इस वर्ष 15 दिसम्बर तक इस संबंध में प्रस्ताव देना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा के पैसे से कौन सा कार्य कराया जाये, यह ग्राम सभा ही तय करेगी। कार्य का मस्टर रोल भी ग्राम सभा देखेगी। यदि ग्राम से मजदूरों को बाहर ले जाना हो तो पहले ग्राम सभा को जानकारी देनी होगी। गांव में बाहर से आने वाले व्यक्ति की जानकारी भी ग्राम सभा को देनी होगी।

श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सिर्फ लायसेंसधारी साहूकार ही निर्धारित ब्याज दर पर पैसा उधार दे पायेंगे। इसकी जानकारी भी ग्राम सभा को देना होगी। अधिक ब्याज लेने पर कार्यवाही होगी। हितग्राहीमूलक योजना में पहले किसे लाभ मिले, यह प्राथमिकता ग्राम सभा तय करेगी। बिना ग्राम सभा की अनुमति के कोई नई शराब की दुकान नहीं खुलेगी। किसी शराब दुकान को हटाने की अनुशंसा ग्राम सभा कर सकेगी। छोटे झगड़े सुलझाने का अधिकार भी ग्राम सभा को होगा।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि देश में जनजातीय समाज के उत्थान, विकास और उनकी परंपराओं को अक्षुण्ण रखने के लिये सारानीय कार्य हो रहे हैं। हर जनजातीय क्षेत्र में एकलव्य आदर्श रहवासी विद्यालय संचालित हैं। मध्यप्रदेश में केंद्रीय योजनाओं में अच्छा कार्य हो रहा है। यहां वनाधिकार अधिनियम का अच्छा क्रियान्वयन हुआ है। मध्यप्रदेश सरकार नये पेसा एक्ट के माध्यम से स्वराज के मूल तत्व को लागू कर रही है।

केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री श्री फगन सिंह कुमारी ने कहा कि ये ऐतिहासिक दिन है। मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट के नये नियम लागू किये जाने का निर्णय क्रांतिकारी है। जनजातीय वर्ग की वर्षों की प्रतीक्षा अब पूरी हुई है। उन्हें जल-जंगल-जमीन पर अधिकार मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सुदूर जनजातीय क्षेत्रों तक विकास पहुंचाया है।

## (प्रथम पृष्ठ का शेष)

### तेजी से बढ़ेगी...

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि श्रीमती मुर्मू ने गांव से कॉलेज जाने वाली पहली बालिका से शुरू कर जनजातीय बहुल राज्य की पहली जनजातीय महिला राज्यपाल और देश की पहली महिला जनजातीय राष्ट्रपति होने का गौरव प्राप्त कर देश में विश्वास और प्रेरणा का नया वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक जीवन में श्रीमती मुर्मू द्वारा किए गए जनजातीय समाज के उत्थान, विशेष कर शिक्षा के क्षेत्र में, प्रयासों की विशिष्ट पहचान है। जन-सेवा, जन-कल्याण और समाज के वंचित वर्गों की मजबूती के लिए किए गए उनके प्रयास प्रेरणादायी हैं। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि संविधान की गरिमा को मजबूत बनाने तथा राज्यपाल के रूप में विश्वविद्यालयों की परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया में उनके द्वारा किए गए सुधारों ने शिक्षा की गुणवत्ता और उत्थन के प्रयासों को नया आयाम दिया है। उनका अनुभव, विनम्रता और संवेदनशीलता सदैव हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

## जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी स्थित प्रज्ञा व्यक्तित्व - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि हम प्रसन्नता से भरा हुआ है। उनका जीवन प्रेरक है। उन्होंने जीवन की कठिन परिस्थितियों में विचलित हुए बिना स्थित प्रज्ञा रहकर लिपिक के पद से पार्षद, विधायक, मंत्री, राज्यपाल आदि बनते हुए देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की पंक्तियों को श्रीमती मुर्मू के जीवन में देखा जा सकता है 'हार नहीं मानूंगी रार नहीं ठानूंगी, काल के कपाल पे लिखती, मिटाती हूं, गीत नया गाती हूं' काव्य पंक्तियों उनके जीवन का मंत्र है। श्री चौहान ने कहा कि श्रीमती मुर्मू प्रगति के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ी हैं और गरीबों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रतिबद्धता ने जनता के हृदय में उनके लिए सम्मानजनक स्थान बनाया।

## दो परियोजनाओं का किया

### वर्चुअल शिलान्यास

समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रातापानी-औबेदुल्लाजंग-इटासी फोरलेन परियोजना (एनएच-46) का और रक्षा मंत्रालय के ग्वालियर स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में मेक्सिमम माइक्रोवाइल कंटेनमेंट लेवोरेटरी (बीएसएल 4) का भी वर्चुअल शिलान्यास किया। करीब 300 करोड़ रुपये लागत की यह लैब कोविड-19 जैसी चुनौतियों का सामना करने में सहयोग करेगी। यहां महत्वपूर्ण अनुसंधान हो सकेगा।

## फोरलेन परियोजना

यह परियोजना भारतमाला परियोजना

में एनएच-46 (पुराना एनएच-69) औबेदुल्लाजंग से बैतुल इंटर कांरिडोर मार्ग को कनेक्टिविटी देता है। इस मार्ग का 12.38 किलोमीटर का खण्ड रातापानी वन्य-जीव अभ्यारण्य में आता है एवं रातापानी खण्ड भोपाल-नागपुर कांरिडोर का भाग है। परियोजना में वन्य-जीव और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये आवश्यक उपाय शामिल हैं। वन्य-जीव अभ्यारण्य क्षेत्र में पशु अंडरपास के प्रावधानों से वन्य-प्रणियों को आवागमन में आसानी होगी। परियोजना की कुल लंबाई 12.38 किलोमीटर है। इसके निर्माण पर 417 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत आयेगी। परियोजना का निर्माण कार्य 18 माह की अवधि में पूर्ण किया जायेगा। इस मार्ग को चौड़ा करने से वन्य-प्रणियों के आवागमन/आवास पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए 5 वड़े पशु अंडरपास बनाई जायेंगी। परियोजना में एक माइनर ब्रिज एवं 2 स्टीकल अंडरपास का निर्माण भी किया जाना है।

परियोजना का प्रमुख लाभ भोपाल, होशंगाबाद, बैतुल और नागपुर की बेहतर कनेक्टिविटी होगी। साथ ही भारी यातायात से सड़क उपयोगकर्ताओं को सुविधा प्राप्त होगी। रातापानी वन्य-जीव अभ्यारण्य और समपुड़ा टाइगर रिजर्व तक बेहतर आवागमन से पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। इससे जहां समय और ईंधन की बचत के साथ प्रदूषण में कमी आएगी वहीं सड़क उपयोगकर्ता की सुरक्षा में भी सुधार होगा। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों की तीव्र सामाजिक और आर्थिक समृद्धि का कार्य हो सकेगा।

## (प्रथम पृष्ठ का शेष)

### मध्यप्रदेश में स्व-सहायता...

वर्तमान समय में श्रीमती सुमित्रा महाजन, जनजातीय चित्रकारी श्रीमती भूरी बाई, श्रीमती दुर्गाबाई व्याम और रत्नालाल की मदद टेरेंसा कही जाने वाली डॉ. लीला जोशी महत्वपूर्ण नाम हैं। मुझे इन्हें पद्मश्री सम्मान देने का अवसर मिला।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में महिलाओं की श्रृंखला को प्राचीन काल से माना जाता रहा है। हमारे यहाँ माता का स्थान पिता और आचार्य से पहले रखा गया है- मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव। ईश्वर से पहले हम माता को देखते हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिये पहले मां सरस्वती को नमन करते हैं। माता दुर्गा, माता लक्ष्मी और माता काली, सभी श्रृंखला की प्रतीक हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, अनुसंधान, कला, संस्कृति, साहित्य, खेल-कूद, सैन्य बल आदि हर क्षेत्र में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। कम से कम साधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना महिलाओं को आता है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज शिक्षित

होता है। महिलाओं का विकास ही देश का विकास है। महिलाओं के विकास से ही भारत निकट भविष्य में विकसित देश के रूप में उभरेगा और पुनः विश्व गुरु का स्थान प्राप्त करेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि देश मात्र एक मिट्टी का टुकड़ा नहीं बल्कि राष्ट्र पुरुष है। उसकी दो संतानें हैं एक बेटा और एक बेटी। यदि एक दुर्बल रह जाए तो देश शक्ति नहीं हो सकता। देश की तरक्की के लिये दोनों का शिक्षित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। दोनों का सम्मान भी जरूरी है।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आप लोगों को मेरे जीवन की एक झलक बताई है। मेरे जीवन का यह अनुभव रहा है कि यदि मेहनत, लगन, सच्चाई और सफाई के साथ कार्य किया जाए तो आप निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे और सफल होंगे। मैंने अपने जीवन में यह अपनाया है। मैंने वार्ड मेम्बर के रूप में अपना कार्य शुरू किया तब यह नहीं सोचा था कि राष्ट्रपति बनूंगी। मैंने हमेशा अपने कार्य को महत्व दिया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूह के सदस्यों में बचत की आदत विकसित करने के साथ ही समूह के नेतृत्व को स्कूली शिक्षा के प्रसार, महिला बाल पोषण, परिवार-कल्याण और आरोग्य के संबंध में जनजागृति के प्रयासों में जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संधि ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मोटे अनाज वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। इससे प्रदेश के जनजातीय अंचलों में पोषण से भरे कोदों, कुटुंबी, ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए नई संभावनाएँ निर्मित हुई हैं। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों से इन अवसर का लाभ उठाने के लिए कहा।

श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में सरकार के प्रयासों से महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़कर कृषि और गैर कृषि आधारित 100 से अधिक प्रकार की आजीविका गतिविधियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। परिवार के सदस्यों को भी रोजगार उपलब्ध कर रही हैं। प्रदेश में विगत 2 वर्षों में स्व-सहायता समूहों के अलावा उनके परिवार के एक लाख से अधिक युवाओं की प्रधानमंत्री के नेतृत्व से सबके साथ, सबके विश्वास के साथ हो रहे विकास के प्रयासों के इस नए दौर में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारी शक्ति का परचम लहरा रहा है। महिला सशक्तिकरण के इस नए युग में महिलाएं प्रतिश्ठा से लेकर उद्योग, व्यवसाय सभी क्षेत्रों में सफलता से कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी

मुर्मू महिला सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। उनका व्यक्तित्व गर से गहरा और हिमालय से ऊंचा है। उनका सहज, सरल स्वभाव धैर्य और व्यक्तित्व अंकुरणीय है। उनका जीवन हमें प्रेरणा देता है। वे किसी राजा के नेता के घर नहीं साधारण परिवार में जन्मी हैं। उनको विरासत में कुछ नहीं मिला। साधारण गरीब परिवार में जन्म लेकर वे अपनी मेहनत के बल पर आगे बढ़ी। पार्षद से मंत्री तक का सफर तय किया। मंत्री के रूप में उनके द्वारा महिलाओं और जनजातीय वर्ग के लिए किए गए कार्य सराहें गए। वे अब भारत के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरी यह इच्छा थी कि स्व-सहायता समूह की बहनो को राष्ट्रपति का मार्गदर्शन प्राप्त हो। आज हमें यह सुअवसर मिला। मेरी बहनो की जिंदगी बन जाए तो मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थक होगा।

## आजीविका मिशन की

### दीर्घियों ने किया चमत्कार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बहनें अबला नहीं सबला हैं और अनंत शक्तियों का भंडार हैं। इन्हें जो भी काम दिया गया, उसे उन्होंने पूरी मेहनत के साथ किया है। स्व-सहायता समूहों के साथ जुड़कर हमारी दीर्घियों ने महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है, चमत्कार किया है। हाल ही में स्थानीय पंचायत एवं नारीय निकायों के निर्वाचन में 17 हजार दीर्घियों चुनाव जीत कर आयी हैं। स्व-सहायता समूह से जुड़कर महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं लक्षपति स्वयं में शामिल हो रही हैं, जिनका आय एक लाख सालाना से अधिक हो गयी है।

## महिला सशक्तिकरण बना जनआंदोलन

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण ने जनआंदोलन का रूप ले लिया है। सरकार उनके सशक्तिकरण के हर संभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में इन अवसर के साथ हमारे स्थानीय चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उनका संबल बढ़ाया है। इसी प्रकार पुलिस भर्ती में भी हमने अपनी बेटियों के लिये 30 प्रतिशत और शिक्षक भर्ती में 50 प्रतिशत सीट आरक्षित की है। हमारी बहन-बेटियां पुलिस और शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर आत्मनिर्भर भी बनी हैं। बेटियों की सुरक्षा के लिये हमने प्रदेश में सख्त कानून भी बनाये हैं। बहन-बेटियों के साथ दुराचार करने वालों को फांसी पर चढ़ाने वाला कानून सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही बनाया है। मध्यप्रदेश की लाइली लक्ष्मी योजना ने बेटियों के प्रति दृष्टिकोण बदला है। अब प्रदेश में बेटे बोझ नहीं वरदान बन गई है। योजना में हमने बेटे के जन्म से लेकर उनकी उच्च शिक्षा तक के प्रबंध किये हैं। श्री चौहान ने स्व-सहायता समूह की महिला दीर्घियों को बेटा-बेटी में भेदभाव न करने, नशामुक गांव बनाने और अन्याय सहन न करने का संकल्प दिलाया।

## प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन होगा असाधारण अवसर - मुख्यमंत्री

भोपाल, प्रवासी भारतीय दिवस का इंदौर में आयोजन प्रदेश के लिए असाधारण अवसर है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आगमन होगा। हम सबको इस कार्यक्रम की बेहतर तैयारी करनी चाहिए। कार्यक्रम रोचक बनाने की कोशिश करें। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की विशेषताओं पर केंद्रित प्रस्तुतिकरण जरूर हो। मध्यप्रदेश को यह सुनहरा मौका मिला है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित आवास पर 8 से 10, जनवरी 2023 को इंदौर में होने वाले प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दिन 8 जनवरी को युव प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाएगा। अगले दिन 9 जनवरी को 17वें प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन-2023 का शुभारंभ होगा और 10 जनवरी को 17वें प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन का समापन होगा। इसमें राष्ट्रपति की सहभागिता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम, इवेंट मैनेजमेंट और डिजिटल

एकजीविशन सहित अन्य व्यवस्थाएं अच्छे ढंग से पूरी की जाएं। कार्यक्रम में आने वाले प्रतिनिधियों को बेहतर सुविधाएं मिलें। प्रदेश की छवि पूरी दुनिया में बनाने के प्रयास हों।

श्री चौहान ने कहा कि कार्यक्रम में आने वाले प्रतिनिधि प्रदेश की प्रशंसा करते हुए वापस जाएं। इसके लिए भरपूर प्रयास हों। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। कार्यक्रम के लिए स्थापित कॉल सेंटर पर बात करने के बाद मध्यप्रदेश आने के लिए लोग लालायित हों। केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन भी सुनिश्चित किया जाए। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की विशेषताओं पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लोग आनंदित हों। उद्योग प्रदर्शनी बेहतर हो। प्रचार-प्रसार के लिए इंटर नेशनल एयरपोर्ट पर होर्डिंग लगाने और विज्ञापन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर की साफ-सफाई की चर्चा दुनिया भर में है। उसी के अनुरूप स्वच्छता का भी ध्यान रखा जाए।

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति

## उद्योगों की मांग के अनुरूप दस नवीन व्यवसाय पाठ्यक्रम प्रारंभ

भोपाल, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के द्वारा प्रारंभ किए गए कृषि, बागवानी जैसे पाठ्यक्रम की पकड़ की ओर रुझान बढ़ा है। इस वर्ष 86 हजार 263 विद्यार्थियों ने स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में जैविक खेती विषय चुना है। पिछले वर्ष 76 हजार 518 विद्यार्थियों ने इस विषय का चयन किया था। इसी तरह इस वर्ष 9 हजार 38 विद्यार्थियों ने बागवानी विषय का चयन किया है। महाविद्यालय में इस वर्ष कृषि से जुड़े चर्मा कंपोस्टिंग, डेयरी प्रबंधन और औषधीय पौधे, खाद्य सुरक्षा एवं प्रसंस्करण जैसे व्यावसायिक विषयों को 12,516 विद्यार्थियों ने चुना है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए

कि विज्ञान महाविद्यालयों में नर्सरी प्रारंभ की जाए। महाविद्यालयों के अतिरिक्त विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा भी कृषि पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

बैठक में बताया गया कि उद्योगों की मांग के अनुरूप इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत फेशन डिजाइनिंग, एग्री मार्केटिंग, कैटरिंग, मैनेजमेंट बेकरी एवं कम्प्यूटर, हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, कैटरिंग मैनेजमेंट, प्लांट डिसेसिंस एंड प्रोटेक्शन, मुद्रा विज्ञान और उर्वरक, सूचना प्रौद्योगिकी, इवेंट मैनेजमेंट, पोल्ट्री मैनेजमेंट पर 10 नवीन व्यवसाय विषय प्रारंभ किए गए।

डॉ. यादव ने लिखित पेंशन को तुरंत निराकृत करने और 6 माह पूर्व पेंशन देयक तैयार करने के भी निर्देश दिए।

## ‘पेसा’ एक्ट से जनजाति क्षेत्रों में ग्राम सभा अधिकार सम्पन्न होगी

जल, जंगल, जमीन पर जनजातीय वर्ग को मिलेगा अधिकार



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को नर्मदापुरम् जिले के केसला में पेसा जागरूकता सम्मेलन में भगवान बिरसा मुंडा का चित्र भेंट किया गया।

नर्मदापुरम्, जल, जंगल, जमीन पर जनजातीय वर्ग का अधिकार है। राज्य सरकार उनके हक को दिला रही है। प्रदेश में जनजातीय वर्ग को सशक्त और अधिकार सम्पन्न बनाने के लिये पेसा एक्ट लागू किया गया है, जिससे उनके जीवन में खुशहाली आएगी। गांव का पैसा गांव के विकास में ही उपयोग होगा। छल और कपट से प्रदेश की धरती पर धर्मांतरण नहीं होने देंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदापुरम् जिले के जनजातीय ब्लॉक केसला में पेसा जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने पेसा एक्ट से मिले अधिकारों के प्रति जनजातीय समुदाय को जागरूक किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा एक्ट से जनजातीय वर्ग को मजबूती मिलेगी। नये नियमों के अनुसार अब पटवारी और वीट गाई को गांव की जमीन का नक्शा, खसरा, वी वन नकल, गांव में ही लाकर ग्राम सभा में दिखाने होंगे, जिससे जमीन के रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न कर सके। यदि कोई गड़बड़ी करता है तो ग्राम सभा को उसे ठीक करने

का अधिकार रहेगा। किसी प्रोजेक्ट के लिये जमीन लेने के लिये ग्राम सभा की सहमति जरूरी होगी। छल, कपट और बलपूर्वक अब कोई जमीन नहीं हड़प सकेगा। यदि कोई ऐसा करता है तो ग्राम सभा को हस्तक्षेप कर उसे वापस करवाने का अधिकार होगा। छल और कपट से प्रदेश की धरती पर धर्मांतरण किसी कीमत पर नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि खनिज के मामले जिनमें रेत खदान, गिट्टी-पत्थर के ठेके देना है या नहीं इसका निर्णय भी ग्राम सभा में ही लिया जाएगा।

### तालाबों का प्रबंधन ग्राम सभा करेगी

श्री चौहान ने कहा कि ग्राम सभा अमृत सरोवर, तालाबों का प्रबंधन करेगी। तालाबों में सिंचाई उपाने और मछली पालन एवं मत्स्याखेट की सहमति ग्राम सभा देगी। श्री एकड़ सिंचाई तालाबों का प्रबंधन, वनोपज का संग्रहण एवं न्यूनतम मूल्य निर्धारण भी ग्राम सभा में हो सकेगा। जनजातीय वर्ग के लोगों के द्वारा वनोपज संग्रहण करने के साथ उसे बेचने का भी हक होगा। तंदूपता की तुड़ाई और त्रिकी का कार्य भी जनजातीय

वर्ग करेंगे। वनोपज की दर ग्राम सभा तय करेंगी। यह सब प्रस्ताव एक माह के अंदर ही तय हो जाएंगे। ग्राम सभा तंदूपता संग्रहण एवं विक्रय का प्रस्ताव 15 दिसम्बर तक पारित करें। गांव का पैसा गांव के विकास में ही उपयोग होगा।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग को पेसा एक्ट के संबंध में प्रशिक्षण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं मनरेगा के माध्यम से कब और कौन सा कार्य कराया जाना है, इसकी कार्ययोजना का प्रस्ताव ग्राम सभा ही बनाएगी। मस्टर रोल भी ग्राम सभा देखेगी। यदि ग्राम से मजदूरों को बाहर ले जाना हो तो पहले ग्राम सभा को जानकारी देनी होगी। गांव में बाहर से आने वाले व्यक्ति की जानकारी भी ग्राम सभा को देनी होगी।

श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के उत्थान के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। जनजाति क्षेत्रों में केवल लायसेंसधारी साहूकार ही निर्धारित ब्याज दर पर पैसा उधार दे सकेंगे। इसकी जानकारी भी ग्राम सभा को देना होगी।

## पर्याप्त आपूर्ति से लामान्वित हो रहे हैं किसान - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में किसी भी जिले में खाद की कोई समस्या नहीं है। प्रत्येक जिले में पर्याप्त आपूर्ति की गई है। किसानों को कहीं लाइन नहीं लगानी पड़ेगी। किसानों द्वारा सुचारु रूप से खाद वितरण के लिए सरकार के प्रति धन्यवाद भी व्यक्त किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में बैठक कर प्रदेश में खाद वितरण संबंधी जानकारी अधिकारियों से प्राप्त करते हुए कहीं।

अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अशोक वर्णवाल ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त खाद और उर्वरक उपलब्ध है। आज की स्थिति में यूरिया 2.54 लाख मीट्रिक टन ट्रांजिट सहित, डीएपी 1.55 लाख मीट्रिक टन ट्रांजिट सहित और एनपीके 0.56 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध है। यदि प्रतिशत के

मान से देखें तो नवम्बर माह के कोटा में से डीएपी 77 प्रतिशत और यूरिया 57 प्रतिशत उपलब्ध है। केंद्र सरकार से उर्वरकों का निरंतर आवंटन हुआ है। रैक निरंतर आ रही हैं। विपणन संघ के 240 डबल लॉक केंद्रों से नगद वितरण हो रहा है।

### मुख्यमंत्री के प्रमुख निर्देश

- किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए लाइन न लगानी पड़े, यह सुनिश्चित करें।
- उपलब्धता है तो वितरण में कमियां नहीं होनी चाहिए।
- संबंधित एजेंसियां सजग और सक्रिय रहें। अधिकारी निरंतर भ्रमण कर व्यवस्थाएं देखें।
- किसानों को आवश्यक सहुलियतें मिलती रहें।

## वन्य प्राणियों के हमले में मृत्यु पर आठ लाख रुपये राहत राशि दी जाएगी - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वन्य प्राणियों के हमले में मृत्यु होने पर प्रति व्यक्ति राहत राशि 4 लाख से बढ़ा कर 8 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान यह बात कही।

श्री चौहान ने कहा कि वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए जनता ने बलिदान दिया

है। वनों और वन्य प्राणियों को सुरक्षित रखने के लिए स्थानीय निवासियों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए मैं उनका आभारी हूँ। शहडोल संभाग और विंध्य क्षेत्र में टाइगर रिजर्व भी हैं, वन्य-प्राणियों का संरक्षण प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

## जनजातीय वर्ग को जल, जंगल और जमीन के अधिकार देने का प्रयास

भोपाल, जनजातीय वर्ग को महत्वपूर्ण अधिकार देने के उद्देश्य से प्रदेश में 15 नवम्बर से लागू पेसा नियम को जमीन पर उतारने के लिए कलेक्टर्स संबंधित विभिन्न विभागों के साथ सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें। पेसा जागरूकता सम्मेलन से संबंधित वर्ग को नियमों की विस्तृत जानकारी दी जाए। 22 नवम्बर को राज्य स्तरीय पेसा कार्यशाला भोपाल में होगी। इसमें 7 संभाग-चम्बल, उज्जैन, इंदौर, नर्मदापुरम्, जबलपुर, शहडोल और रीवा के कमिश्नर और आईजी, 20 जिले श्योपुर, रतलाम, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खरगोन, बड़वानी, खण्डवा, बुरहानपुर, बैतुल, नर्मदापुरम्, छिंदवाड़ा, सिवनी, मण्डला, डिंडीरी, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया और सीधी के कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक, डीएफओ और जिला पंचायत के सीईओ हिस्सा लेंगे। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा पेसा जागरूकता कार्यक्रम कलेक्टर्स को दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के जनजातीय भाई-बहनों के लिए पेसा के नियमों को पूरी ताकत के साथ लागू करने का पहली बार गंभीरता से प्रयास हुआ है। प्रदेश के 20 जिलों के 89 किलोसखण्डों की 5 हजार 254 पंचायतों की 11 हजार 757 ग्रामों में यह नियम लागू है। इन ग्रामों की ग्राम सभाएं 20 नवम्बर से 3 दिसम्बर



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पेसा नियम के संबंध में बैठक को संबोधित करते हुए थे। के मध्य होंगे। इन विशेष ग्राम सभाओं में पेसा नियमों के बिन्दुओं पर चर्चा के साथ विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसी तरह ग्राम सभाएं पेसा नियम लागू होने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित करेंगी और 4 दिसम्बर को टंट्या मामा बलिदान दिवस के कार्यक्रमों में भागीदारी पर भी चर्चा करेंगी। प्रभारी मंत्रियों के परामर्श से कलेक्टर्स ग्राम सभा की तारीख तय करेंगे।

### सरकार भोपाल से नहीं चौपाल से चले

श्री चौहान ने कहा कि एक नया इतिहास रचना है। सरकार भोपाल से नहीं चौपाल से चले, इसके लिए विकेंद्रीकरण की दृष्टि से कार्य किया जाए। पेसा नियमों के बारे में नुकड़ नाटक, दीवार लेखन और अन्य माध्यमों से आवश्यक प्रचार भी किया जाए। जन अभियान परिषद का पूरा

# चर्चा

डॉक्टर सुभाषबाबू

## बैली के. एशफोर्ड मेडल से सम्मानित

ट्रापिकल मेडिसिन (दुर्लभ बीमारियों से संबंधित चिकित्सा) के क्षेत्र में काम करने वाले दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक संगठन अमेरिकन सोसायटी ऑफ ट्रापिकल मेडिसिन एंड हाइजीन ने भारतीय चिकित्सक और विज्ञानी डॉक्टर सुभाषबाबू को 2022 के बैली के. एशफोर्ड मेडल से सम्मानित किया। 82 साल के इतिहास में यह पुरस्कार पहली बार किसी भारतीय वैज्ञानिक को दिया गया है। उन्हें 1995 में उष्ण कटिबंधीय चिकित्सा में प्रतिबद्ध काम के लिए FASTMH से भी सम्मानित किया गया। दुनिया भर के मेडिकल छात्र उनके शोध को पढ़कर लाभान्वित हो रहे हैं।

स्वदेश चटर्जी

## नॉर्थ कैरोलाइना के शीर्ष सम्मान से सम्मानित

प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और कार्यकर्ता स्वदेश चटर्जी को अमेरिकी राज्य नॉर्थ कैरोलाइना के शीर्ष सम्मान से सम्मानित किया गया है। चटर्जी को पिछले तीन दशकों के दौरान अमेरिका और भारत के संबंधों को सुदृढ़ करने में उनके योगदान के लिए सम्मान दिया गया है। नॉर्थ कैरोलाइना के गवर्नर रे क्रूपर ने कैरी शहर में हुए एक समारोह में 75 वर्षीय चटर्जी को 'ऑर्डर ऑफ द लॉन्ग लीफ लाइन' सम्मान दिया। क्रूपर ने न केवल नॉर्थ कैरोलाइना के विकास में बल्कि भारत-अमेरिका संबंधों और अमेरिका के सांस्कृतिक परिवेश को समृद्ध करने में उनके योगदान की सराहना की।

## 2300 वर्ष पुरानी कांस्य प्रतिमा मिली

इटली में पुरातत्वविदों को दो दर्जन से अधिक अच्छी तरह संरक्षित कांस्य प्रतिमाएं मिली हैं। टस्कनी क्षेत्र में मिली यह प्रतिमाएं लगभग 2300 वर्ष पुरानी हैं। इन प्रतिमाओं को दिशो ण्डाई नों असाधारण कांस्य प्रतिमा बताया है। ज्ञात रहे कि पुरातत्वविद् पिछले तीन वर्षों से लगातार इन्हीं खोज कर रहे थे।

## कैट फील कंबल तैयार किया

कपड़े और धरेलू सामान बनाने वाली जापानी कंपनी निसान ने ऐसे चादर और कंबल बनाने का दावा किया है, जिसे ओकुने या विछाने पर बिलियनों के साथ होने का ख्याल आएगा। नई नेको फील (कैट फील) नाम से ये चादर और कंबल फर से प्रेरित होकर बनाए गए हैं, जो बिलियनों को छूने जैसा अहसास कराएंगे।

## पहली बार सिख सैनिकों के लिए प्रार्थना पुस्तकें जारी

सदी में पहली बार ब्रिटिश सेना में सिख सैन्य कर्मियों को दैनिक प्रार्थना पुस्तकें जारी की गयी हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन के रक्षा सिख नेटवर्क के



अध्यक्ष के रूप में मेजर दलजिंदर सिंह ने बदलाव के लिए प्रचार करते हुए दो साल लीताए हैं। रक्षा सिख नेटवर्क द्वारा लंदन में एक

समारोह में प्रार्थना पुस्तकें 'नितनेम गुटका' जारी की गई। इन किताबों को लंदन के केंद्रीय गुरुद्वारा मंदिर के पुस्तकालय में रखा जाएगा।

## रूस की 18 बिलियन पाउंड की संपत्ति फ्रीज की

यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ने वाले रूस को लेकर ब्रिटेन सरकार ने कहा कि उसने रूस की 18 बिलियन पाउंड (20.5 बिलियन डॉलर) की संपत्ति को फ्रीज कर दिया है। यह संपत्ति रूस के अमीर लोगों, संस्थाओं और अन्य व्यक्तियों की है। ब्रिटेन की सरकार की ओर से रूस के खिलाफ यह अवतक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। ब्रिटेन ने अब तक रूस की जितनी संपत्तियां राजसात की हैं उसकी तुलना में यह छह बिलियन पाउंड अधिक है।

## जी-20 शिखर सम्मेलन में नहीं हुए शामिल

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ संभावित टकराव से बचने के लिए इंडोनेशिया में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया। इंडोनेशिया सरकार ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति के नहीं आने की सूचना मिल गयी थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विगडे ने इस साल इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की है।

## एलन मस्क की 30 फीट लंबी प्रतिमा बनाई

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के फैंस ने मस्क के चेहरे वाली 30 फीट लंबी एल्यूमीनियम की प्रतिमा बनाई है। जिसमें वह रॉकेट पर बैठे नजर आ रहे हैं। करीव 4.8 करोड़ रुपए की कीमत वाली इस प्रतिमा को कनाडा के मूर्तिकार केविन और मिशेल स्टोन ने बनाया है। यह प्रतिमा क्रिप्टोकॉरेंसी फर्म 'एलन गोड टोकन' ने बनवाई है। यह 26 नवंबर को मस्क को यह प्रतिमा भेंट करेंगे।

## पार्क और मेलों में महिलाओं की नो एंट्री

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने राजधानी काबुल के सार्वजनिक पार्क और मेलों में महिलाओं के जाने पर प्रतिबंध का फरमान जारी किया है। महिलाएं अपने बच्चों के साथ पार्क और मेलों में नहीं जा सकेंगी। तालिबान प्रवक्ता के अनुसार पार्क और मेलों में महिलाएं बिना हिजाब के दिख रही हैं, इसलिए यह फरमान जारी हुआ। इस फरमान के बाद काबुल का मशहूर जजाई पार्क सुनसान हो गया है। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में महिलाएं किसी पुरुष साथी के बिना बाहर भी नहीं निकल सकती हैं। पिछले साल से ज्यादातर स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं।

## 28.5 लाख डॉलर में बिका

नाशपाती के आकार का 18.18 करेट का हीरा 28.5 लाख डॉलर (करीब 23.18 करोड़ रुपए) में जेनेवा में नीलाम हुआ। 'फॉर्च्यून पिक' हीरे को एशियाई ग्राहक ने खरीदा। नीलामी के आयोजक क्रिस्टी ने बताया कि यह



## अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंगों में चीन भेजेगा बंदर

चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंगों में बंदरों को भेजने की योजना बना रहा है। वह यह जानना चाहता है कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में ये बंदर कैसे बढ़ते और प्रजनन करते हैं। तियांगोंगों अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़े वैज्ञानिक ने बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन का इस्तेमाल जीव विज्ञान प्रयोगों के लिए किया जाएगा। पहले के शोध में अंतरिक्ष में जेब्राफिश, कीड़े जैसी छोटी प्रजातियों के प्रजनन का मूल्यांकन किया गया है।

## दुनिया की सबसे बड़ी कार

अरबपति शेख हमद बिना हमदान अल नाह्यान उर्फ रेनवो शेख को कारों का साधारण दाड़ि दीवाना कहा जा सकता है। उनके कलेक्शन में एक से एक बढ़कर कारें, ट्रक और एसयूवी शामिल हैं। इनमें से एक है दस पहियों वाली 'धाखियान' जो दुनिया की सबसे महंगी एसयूवी में से एक है। मैड-मैक्स स्टाइल की इस विशालकाय एसयूवी को मिलिट्री ट्रक के पाटर्स मिलाकर तैयार किया गया है। यह 35 फीट लंबी है और इसका वजन सात हज़ार कारों (24 टन) से भी ज्यादा है।

## अमेजन रिसर्च अवॉर्ड मिला

भारतीय-अमेरिकी प्रोफेसर पवित्रा प्रभाकर को नकारात्मक यूजर अनुभवों को कम करने वाला टूल डिजाइन करने के लिए 'अमेजन रिसर्च अवॉर्ड' मिला है। पवित्रा को सांस विध्विधालय में कम्प्यूटर साइंस की प्रोफेसर हैं। प्रभाकर ने अर्बानो-कैम्पेन में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस से कम्प्यूटर साइंस में डॉक्टरेट और अप्लायड मैथमेटिक्स में मास्टर की डिग्री ली है। इसके बाद उन्होंने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में सेंटर फॉर द मैथमेटिक्स ऑफ इन्फॉर्मेशन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप की है।

## यूक्रेन को दिया ऑस्कर अवॉर्ड

अमेरिकी अभिनेता सीन पेन ने अपना ऑस्कर अवॉर्ड यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की को सौंप दिया और कहा कि मैं इसे भावनात्मक रूप से यूक्रेन की जनता के लिए समर्पित कर रहा हूँ। यूक्रेन के राष्ट्रपति प्रेस कार्यालय ने तस्वीरें उपलब्ध कराते हुए कीव में 'सीन' नाम से समाचार को प्रमुखता से छपवाया और सीन को यूक्रेन की जनता की ओर से आभार भी व्यक्त किया।

## फ्लेवरलेस कैंडी लॉन्च हुई

कैंडी आमतौर पर मीठी, खट्टी, नमकीन या मसालेदार होती है। अब जापान की स्टोर चेन लॉउसन ने फ्लेवरलेस यानी बिना स्वाद की कैंडी लॉन्च की है। कंपनी ने इसे 'अजी नो शिनाई' (बेस्वाद कैंडी) यानी खालीपन जैसा स्वाद देने वाली कैंडी कहा है। अब कंपनी इसे लोकप्रियता के आधार पर अन्य देशों में भी लॉन्च करने की योजना तैयार कर रही है।

जार्ज कोले

## सबसे ज्यादा रुबिक क्यूब सुलझाने का रिकॉर्ड बनाया

ब्रिटेन के 20 वर्षीय जार्ज कोले ने हर मिनट करीब पांच क्यूब की दर से 24 घंटे में सबसे ज्यादा क्यूब सुलझाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। जार्ज ने 24 घंटे में 6,931 क्यूब सुलझाकर यह रिकॉर्ड बनाया है। इस दौरान उन्होंने खाने-पीने के लिए छोटे ब्रेक भी लिए थे। जार्ज ने 2013 में कनाडा के एरिक लाइमवैक के बनाए रिकॉर्ड को तोड़ा है। एरिक ने 24 घंटे में 5,800 क्यूब सुलझाए थे।

## मेटा इंडिया की नई उपाध्यक्ष नियुक्त

संस्था देवनाथन को मेटा इंडिया का उपाध्यक्ष (इंडिया हेड) नियुक्त किया गया है। हाल ही में अजीत मोहन ने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। संस्था एक जनवरी को पद संभालेगी। मेटा के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मार्न लैविन ने एक बयान में कहा कि संस्था का व्यवसायों को बढ़ाने, असाधारण और समावेशी टीमों का निर्माण करने, प्रोडक्ट इनोवेशन चलाने तथा मजबूत साझेदारी बनाने का ट्रेक रेकॉर्ड है। वह 2016 में मेटा से जुड़ी थीं।

## स्मृति शेष

## हिन्दी लेखन जगत के आलोचक मैनेजर पांडेय का निधन

हिन्दी के प्रख्यात आलोचक और जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर मैनेजर पांडेय का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केंद्र में हिन्दी के प्रोफेसर और अध्यक्ष रहे। उन्हें हिन्दी अकादमी दिल्ली का 'शलाका सम्मान', राष्ट्रीय दिनकर सम्मान, रामचन्द्र शुक्ल शोध संस्थान द्वारा दिया जाने वाला वाराणसी का गोकुलचन्द्र शुक्ल पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।

## हैरी पाटर में द सॉर्टिंग हैट को आवाज देने वाले अभिनेता लेस्ली का निधन

हैरी पाटर फिल्मों में द सॉर्टिंग हैट (टोपी) को आवाज देने वाले अभिनेता लेस्ली फिलिप्स का 98 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 80 साल के करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। फिल्मों के अलावा उन्होंने टेलीविजन, रेडियो में भी काम किया है। हैरी पाटर सीरीज में मुख्य कैरेक्टर हैरी पाटर की हैट को उन्होंने आवाज दी थी।

## मशहूर अमेरिकी गायक जेरी ली लेविस का निधन

मशहूर अमेरिकी गायक और गीतकार जेरी ली लेविस का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लेविस के प्रतिनिधि जैक फारनम ने बयान जारी कर कहा कि जेरी ने टेनेसी के मिस्सिसिपी स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

# जल परिवहन के क्षेत्र में करियर के बढ़ते अवसर

‘रोज़गार और निर्माण’ के पाठकों के लिये ‘करियर की राहें’ नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे करियर के लिये जरूरी है कि युवा करियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त करियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये करियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतलाल भंडारी युवाओं को करियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।



## जल परिवहन में करियर की जरूरी स्किल्स

चूंकि जल परिवहन एक विशेषीकृत क्षेत्र है तथा इसमें तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है ऐसे में इस क्षेत्र में करियर के लिए बंदरगाह प्रचालन, लांजिस्टिक्स एवं नौवहन आदि से संबंधित क्षेत्रों में रुचि और दक्षता की अहमियत होती है। साहस, आत्मविश्वास, अपने दायित्वों के प्रति जागरूक तथा चुनौतियों का सामना करने में सजग एवं सशक्त रहने वाले युवाओं के लिए जल परिवहन के क्षेत्र में अच्छे अवसरों की कोई कमी नहीं है।

## जल परिवहन का कौनसा पाठ्यक्रम चुनें

जल परिवहन के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए विभिन्न विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमों हेतु शैक्षणिक योग्यता भिन्न-भिन्न होती है। जल परिवहन से संबंधित लांजिस्टिक, बंदरगाह प्रचालन, नौवहन आदि कोर्स देश के विभिन्न मेरी टाइम इंस्टीट्यूट, शिपयार्ड कंपनियों और मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के द्वारा संचालित होते हैं। सामान्यतया 12वीं के बाद जल परिवहन से संबंधित पाठ्यक्रमों की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। ऐसे में अपनी रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप जल परिवहन के किसी उपयुक्त रोजगारोन्मुखी कोर्स का चयन करके जल परिवहन के क्षेत्र में करियर की राह पर आगे बढ़ा जा सकता है।

- डॉ. जयंतलाल भंडारी

(लेखक करियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)



इस समय देश में नई लांजिस्टिक नीति-2022 और पीएम गतिशक्ति योजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए जो रोडमैप बनाया गया है, उसमें जल परिवहन को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। खासतौर से दुलाई लागत यानी लांजिस्टिक कास्ट को 13-14 फीसदी से घटाकर 8-10 फीसदी लाने के लक्ष्य को पाने में जलमार्गों की विशेष भूमिका सुनिश्चित की गई है। देश की 109 नदियों पर 111 जलमार्ग का नेटवर्क तैयार करना सुनिश्चित किया गया है। उनमें से 23 जलमार्गों पर वर्ष 2030 तक जलयान संचालन शुरू हो जाएगा। इससे जल परिवहन के क्षेत्र में करियर के बहुआयामी अवसर बढ़ेंगे।

## पीएम गतिशक्ति योजना और नई लांजिस्टिक नीति करियर के लिए गेमचेंजर

निश्चित रूप से जल परिवहन के क्षेत्र में पीएम गतिशक्ति योजना और नई



लांजिस्टिक नीति करियर के अवसर बढ़ाने में गेमचेंजर बन सकती है। नई नीति के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि जलमार्ग

आगे चलकर एक पूरक, कम लागत वाला और पर्यावरण के अनुकूल माल एवं यात्री परिवहन का श्रेष्ठ माध्यम बनाया जाए। इस समय देश में विभिन्न माध्यमों से होने वाली कुल माल ढुलाई में तटीय नौवहन और जलमार्ग की हिस्सेदारी महज 6 फीसदी है। जबकि करीब 54 फीसदी दुलाई सड़क मार्ग से, 33 फीसदी दुलाई रेल से और 7 फीसदी दुलाई पाइपलाइन से होती है। जहाजरानी मंत्रालय ने सागरमाला परियोजना के तहत कुल घरेलू माल ढुलाई में जल परिवहन का जो हिस्सा वर्तमान में महज 6 फीसदी है, इसे वर्ष 2025 तक बढ़ाकर 12 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस समय केन्द्र सरकार नई लांजिस्टिक नीति-2022 के तहत आंतरिक जल माल ढुलाई को तेजी से प्रोत्साहन देकर भारी दबाव से जुड़ रहे सड़क और रेल परिवहन तंत्र को राहत देने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। इसके चलते इस क्षेत्र में रोजगार के लाखों नए अवसर भी सृजित होंगे।

## जल परिवहन होगा परिवहन की नई जीवनरेखा

गौरतलब है कि सरकार नई नीतियों के साथ जल परिवहन को भारत के परिवहन की जीवन रेखा बनाने की राह पर आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। जिन जल मार्गों को प्राकृतिक पथ कहा जाता है वे कभी भारतीय परिवहन की जीवन रेखा हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ आए बदलावों और परिवहन के आधुनिक साधनों के चलते बीती एक शताब्दी में भारत में जल परिवहन क्षेत्र बेहद उपेक्षित होता चला गया। भारत के पास 7500 किलोमीटर

तटीय क्षेत्र है। जबकि 14,500 किलोमीटर नदी मार्ग है और इस विशाल नदी मार्ग पर हमेशा बहती रहने वाली नदियां, झीलें और बैकवाटर्स का उपहार भी मिला हुआ है, लेकिन हम इसका उपयोग नहीं कर सके और समय के साथ इनकी क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई। यह स्पष्ट है कि जल परिवहन दुनियाभर में माल ढुलाई के लिए वरीयता वाला माध्यम है। यही कारण है कि यूरोप, अमेरिका, चीन तथा पड़ोसी बांग्लादेश में काफी मात्रा में माल की ढुलाई अंतर्देशीय जल परिवहन तंत्र से हो रही है और उनके कारण रोजगार के अवसर ऊंचाई पर हैं।

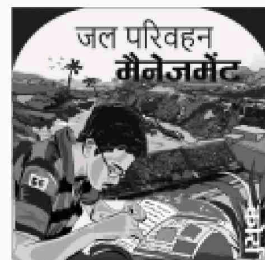
## जल परिवहन में बढ़े निवेश से बढ़ेंगे रोजगार

निसंदेह पीएम गतिशक्ति योजना और नई लांजिस्टिक नीति के तहत भारी निवेश के कारण अब देश के विशाल जल मार्ग और विशाल नदियों के कारण जल परिवहन के तहत माल ढुलाई संबंधी जरूरतों की पूर्ति के लिए बहुत संभावनाएं हैं तथा रोजगार के भी अधिक अवसर हैं। देश के अधिकांश विजलीघर कोयले की कमी से मुश्किल में रहते हैं। सड़क और रेल परिवहन से समय पर कोयला नहीं पहुंच पाता। ऐसे में अंतर्देशीय जलमार्गों के द्वारा कोयला ढुलाई की नियमित तथा क्रियाशील संभावनाएं हैं। हमारी कई बड़ी विकास परियोजनाएं राष्ट्रीय जलमार्गों के नजदीक साकार होने जा रही हैं। बहुत से नए कारखाने और पनविजली इकाइयां इन इलाकों में खुल चुकी हैं। इनके निर्माण में भारी भरकम मशीनरी की सड़क से ढुलाई आसान काम नहीं है। इसमें जल परिवहन की अहम भूमिका है। अनाज और

उर्वरकों की बड़ी मात्रा में दुलाई जल परिवहन से संभव है। अब पीएम गतिशक्ति योजना के तहत असाधारण निवेश के मद्देनजर यह कहा जा सकता है कि भविष्य में इस क्षेत्र में और अधिक रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

## जल परिवहन में करियर के विभिन्न क्षेत्र

निश्चित रूप से जल परिवहन के तहत करियर के बहुआयामी मौके हैं। जल परिवहन



के अन्तर्गत मेरीन इंजीनियरिंग क्षेत्र में बूम की स्थिति है। जल परिवहन के तहत मेरीन इंजीनियरों, बंदरगाह प्रचालन इंजीनियरों, लांजिस्टिक्स एवं नौवहन विशेषज्ञों और इन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए भारी मांग है। सरकारी क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र में जल परिवहन डिजाइनरों, जल परिवहन योजनाकारों, जल परिवहन प्रचालन विशेषज्ञों आदि की मांग बढ़ रही है। निजी क्षेत्र में कार्यरत जल परिवहन कंपनियों में भी रोजगार के अच्छे अवसर विद्यमान हैं। वेतन की बात की जाए तो वेतन योग्यता एवं अनुभव के अनुसार मिलता है।

## विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

## सामान्य ज्ञान - खेल

- आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का पहला संस्करण किस देश ने जीता था?
  - (अ) भारत
  - (ब) द. अफ्रीका
  - (स) न्यूजीलैंड
  - (द) इंग्लैंड
- अंतराष्ट्रीय फुटबॉल मैच की सामान्य अवधि कितने मिनट की होती है?
  - (अ) 70 मिनट
  - (ब) 90 मिनट
  - (स) 120 मिनट
  - (द) 150 मिनट
- इनमें से किस खिलाड़ी को हॉकी का जादूगर भी कहा जाता है?
  - (अ) मेजर ध्यानचंद
  - (ब) कैप्टन रूपसिंह
  - (स) बलबीर सिंह सीनियर
  - (द) धनराज पिल्लई
- इस वर्ष किस टीम ने द हंड्रेड लीग में पुरुष वर्ग का खिताब जीता है?
  - (अ) ओवल इविसिवल
  - (ब) ट्रेट रॉकेट्स
  - (स) लंदन स्पिट्स
  - (द) मेनचेस्टर ओरिजनल्स
- पहला एएफसी एशियन कप किस वर्ष आयोजित किया गया था?
  - (अ) वर्ष 1938
  - (ब) वर्ष 1944
  - (स) वर्ष 1956
  - (द) वर्ष 1960
- इनमें से किस खिलाड़ी के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल कप्तान होने

- का रिकॉर्ड दर्ज है?
  - (अ) महेन्द्र सिंह धोनी
  - (ब) स्टीव वॉ
  - (स) रिकी पोंटिंग
  - (द) ग्रीम स्मिथ
- वर्ष 2021 में वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप के विजेता बने थे?
  - (अ) मार्क सेबी
  - (ब) पंकज आडवाणी
  - (स) शॉन मर्फी
  - (द) जूड ट्रॉप
- इनमें से किस खिलाड़ी ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में स्वर्ण पदक नहीं जीता है?
  - (अ) नवीन मलिक
  - (ब) निखत जरीन
  - (स) अंचत शरत कमल
  - (द) लवलीना बोरगोहेन
- पहली बार मस्केट (शुभंकर) का उपयोग किस एशियाई में किया गया था?
  - (अ) नई दिल्ली 1982
  - (ब) सियाल 1986
  - (स) बीजिंग 1990
  - (द) इनमें से कोई नहीं
- कोलकाता नाइट राइडर्स ने कितनी बार आईपीएल का खिताब जीता है?
  - (अ) एक बार
  - (ब) दो बार

- (स) चार बार
- (द) एक भी बार नहीं
- मैथ्यू हेडन किस देश के दिग्गज क्रिकेटर रह चुके हैं?
  - (अ) ऑस्ट्रेलिया
  - (ब) न्यूजीलैंड
  - (स) द. अफ्रीका
  - (द) आयरलैंड
- इस वर्ष इनमें से कौन-सा देश फीफा फुटबॉल विश्वकप की मेजबानी करेगा?
  - (अ) सऊदी अरब
  - (ब) कतर
  - (स) लेबनान
  - (द) कुवैत
- सेरेना विलियम्स ने टेनिस में कितने ग्रैंड स्लेम एकल खिताब जीते हैं?
  - (अ) 18
  - (ब) 20
  - (स) 23
  - (द) 24
- भारत ने इस वर्ष वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
  - (अ) 10
  - (ब) 11
  - (स) 12
  - (द) 15
- इस वर्ष किस खिलाड़ी ने मोंटे कार्लो मास्टर्स खिताब जीता है?
  - (अ) स्टैन वावरिका
  - (ब) स्टेफानोस सितसिपास
  - (स) राफेल नडाल
  - (द) आंदरूबुलेव
- इस वर्ष किस टीम ने यूरोपियन सुपर कप का खिताब जीता है?
  - (अ) रियल मैड्रिड
  - (ब) बार्सिलोना
  - (स) जुवेन्टस
  - (द) लिवरपूल

- हॉकी का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट वेदन कप किस देश में आयोजित किया जाता है?
  - (अ) ब्रिटेन
  - (ब) ऑस्ट्रेलिया
  - (स) कनाडा
  - (द) भारत
- फॉर्मूलावन रेसर माइकल शूमाकर ने कितनी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती है?
  - (अ) चार बार
  - (ब) पांच बार
  - (स) सात बार
  - (द) दस बार
- इनमें से किसे अंतराष्ट्रीय हॉकी महासंघ का नया अध्यक्ष चुना गया है?
  - (अ) नरेन्द्र बत्रा
  - (ब) तैयब इकराम
  - (स) अलबर्टो बुदेस्की
  - (द) इनमें से कोई नहीं
- ईडेन हजाई किस देश के दिग्गज फुटबॉलर हैं?
  - (अ) बेल्जियम
  - (ब) इंग्लैंड
  - (स) पुर्तगाल
  - (द) इटली
- एशियन गेम्स-2018 में किस देश ने कबड्डी में पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक जीता था?
  - (अ) भारत
  - (ब) ईरान
  - (स) जपान
  - (द) थाइलैंड
- टी-20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज हैं?
  - (अ) ब्रेट ली

- (ब) चमिंडा वास
- (स) लसिय मलिंगा
- (द) शॉन पॉलक
- करीम बंजेमा किस देश के लिए फुटबॉल खेलते हैं?
  - (अ) मिश्र
  - (ब) लेबनान
  - (स) नीरदलैंड
  - (द) फ्रांस
- भारत की दिग्गज खिलाड़ी अंदिता अशोक किस खेल से संबंधित हैं?
  - (अ) जिम्नास्टिक
  - (ब) तैराकी
  - (स) गोल्फ
  - (द) क्रिकेट
- वर्ष 2025 में कौन-सा देश आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा?
  - (अ) ऑस्ट्रेलिया
  - (ब) पाकिस्तान
  - (स) वेस्टइंडीज
  - (द) न्यूजीलैंड

## उत्तर

- (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स), 6. (द), 7. (अ), 8. (द), 9. (अ), 10. (ब), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (स), 15. (ब), 16. (अ), 17. (द), 18. (स), 19. (ब), 20. (अ), 21. (ब), 22. (अ), 23. (द), 24. (स), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविना

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

## अटल न्यू इंडिया चैलेंज 2.0 का दूसरा चरण लॉन्च

## महिलाओं के लिए टेक्नोलॉजी आधारित नवाचारों पर होगा फोकस

ऐसा कहा जाता है कि महिलाएं परिवार बनाती हैं, परिवार घर बनाता है, घर समाज बनाता है और समाज ही देश बनाता है। महिला का योगदान हर जगह है। शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के बिना परिवार, समाज और देश का विकास नहीं हो सकता है। महिलाओं के जीवन में आने वाली चुनौतियां पर अक्सर विचार-विमर्श होता रहता है। उनकी समस्याओं का मुख्य समाधान नवाचार हो सकते हैं, इस बात को ध्यान में रखते हुए, हाल ही में नीति आयोग द्वारा अटल न्यू इंडिया चैलेंज (एएनआईसी) के दूसरे संस्करण के दूसरे चरण के तहत महिला केंद्रित चुनौतियों का शुभारंभ किया गया। इसके तहत महिलाओं के जीवन में आने वाली चुनौतियों को दूर करने के प्रयास किए जाएंगे। नीति आयोग और अटल इनोवेशन मिशन द्वारा महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया जाता रहा है। अगर बात अटल न्यू इंडिया चैलेंज की करें तो इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचारों की खोज, चयन और समर्थन करना है। वहीं अटल इनोवेशन मिशन देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार की प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिये नए कार्यक्रमों और नीतियों को विकसित करना, विभिन्न हितधारकों के लिये मंच एवं सहयोग के अवसर प्रदान करना, लोगों के मध्य जागरूकता बढ़ाना और देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी हेतु एक ऑनब्रेला स्ट्रक्चर विकसित करना है।

## अटल न्यू इंडिया चैलेंज क्या है?

अटल न्यू इंडिया चैलेंज, नीति आयोग का एक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य देश में नवाचारों की खोज करके उनका समाधान करना है। इस कार्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य भारत के विकास में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, आवास, ऊर्जा,

गतिशीलता और अंतरिक्ष अनुप्रयोग आदि क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देना है। वर्तमान में अटल न्यू इंडिया चैलेंज 5 क्षेत्रों की 18 चुनौतियां शामिल हैं।

1. कृषि (बाजरा), 2. पोस्ट और टेलीग्राफ, 3. पेयजल और स्वच्छता, 4. अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ तकनीक, 5. शिक्षा

## अटल न्यू इंडिया चैलेंज 2.0 का दूसरा चरण

अटल इनोवेशन मिशन ने 28 अप्रैल 2022 को अटल न्यू इंडिया चैलेंज (एएनआईसी 2.0) के दूसरे संस्करण के पहले चरण का शुभारंभ किया था। वहीं हाल ही में शुरू किया गया अटल न्यू इंडिया चैलेंज 2.0 का दूसरा चरण महिलाओं के जीवन में आने वाली सभी समस्याओं के समाधान का प्रयास करता है। इस कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का लक्ष्य महिलाओं के लिए टेक्नोलॉजी आधारित नवाचारों की खोज करना और चयन करके उनकी चुनौतियों को हल करना है, जो कि 1 करोड़ रुपये तक के अनुदान से राष्ट्रीय महत्व और सामाजिक क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करते हैं। इसके अन्तर्गत नवाचार के माध्यम से महिलाओं की स्वच्छता को बढ़ावा देना, महिलाओं की सुरक्षा में सुधार, महिलाओं के लिए नेटवर्किंग के अवसर और ग्रामीण महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के नवाचार शामिल हैं।

## अटल इनोवेशन मिशन क्या है?

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) देश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की मुख्य पहल है। अटल इनोवेशन मिशन की घोषणा वर्ष 2015 के वजट भाषण में की गई थी। नीति आयोग ने इस मिशन की शुरुआत 2016 में की थी। इसका उद्देश्य स्कूलों,

विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, निजी और एमएसएमई क्षेत्र में उद्यमिता का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

इसी साल अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अटल इनोवेशन मिशन को मार्च 2023 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी गई है। अटल इनोवेशन मिशन प्राप्त किए जाने वाले वांछनीय लक्ष्य ये हैं:-

- 10,000 अटल टिकरिंग लैब (एटीएल) की स्थापना करना,
- 101 अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईसी) की स्थापना करना,
- 50 अटल कम्प्यूनिटी इनोवेशन सेंटर (एसीआईसी) की स्थापना करना और
- अटल न्यू इंडिया रैलेंज के माध्यम से 200 स्टार्टअप को सहायता प्रदान करना।

उपरोक्त सेंटर्स की स्थापना और लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने की इस प्रक्रिया में कुल 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निश्चित बजट खर्च किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में अटल इनोवेशन मिशन ने देशभर की नवाचार की गतिविधियों को एकीकृत करने के लिए एक संस्थागत तंत्र प्रदान करने के लिए काम किया है। अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इसने लाखों स्कूली बच्चों में नवाचार के प्रति रुचि पैदा की है। अटल इनोवेशन मिशन समर्थित स्टार्टअप ने सरकारी और निजी इन्व्स्टी निवेशकों से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है और कई हजार नौकरियां पैदा की हैं। एआईएम ने शामिल किया गया है, जिसका लक्ष्य नवाचार से जुड़े इकोसिस्टम में अधिक से अधिक भागीदारी को प्रेरित करते हुए भारत के जनसांख्यिकीय

लाभांश का लाभ उठाना है।

## मेंटर इंडिया अभियान

‘मेंटर इंडिया’ नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन की एक पहल है। यह अटल टिकरिंग लैब और स्टार्टअप में छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए पेशेवरों, अस्थापकों और उद्योग विशेषज्ञों को साथ जोड़ने का काम करता है। ये लोग अटल टिकरिंग लैब में भारत में आधुनिक नवाचार और उद्यमिता में नई पीढ़ी के छात्रों की प्रतिभा को निखारते हैं। मेंटर इंडिया की मदद से छात्र हर साल अपने डिजिटल उत्पाद को बनाने और अटल टिकरिंग लैब के तहत तकनीकी और नवाचार सीखते हैं। इसे टिकरेन्थोर के नाम से जानते हैं। टिकरेन्थोर के तहत अटल इनोवेशन के सहयोग से मेंटर इंडिया के कार्यक्रम में हर साल शीर्ष 100 छात्रों को अटल टिकरिंग लैब के इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से आठ महीने के लिए सलाह दी जाती है।

## अटल टिकरिंग लैब कार्यक्रम क्या है?

अटल टिकरिंग लैब कार्यक्रम को 2017 में अटल इनोवेशन मिशन के तहत शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य स्कूली छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है। अटल टिकरिंग लैब 21वीं सदी की तकनीकों जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 3डी प्रिंटिंग, के माध्यम से देश भर में कक्षा 6 से 12वीं के बीच युवाओं के मन में जिज्ञासा और नवीनता को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। अटल इनोवेशन मिशन ने अब तक अटल टिकरिंग लैब की स्थापना के लिए देश के 680 से अधिक जिलों में 10,000 स्कूलों का चयन किया है।

## अन्य प्रमुख जानकारी

- अटल इनोवेशन मिशन ने नवाचार और उद्यमिता के मामले में सहक्रियात्मक सहयोग विकसित करने के लिए विभिन्न

अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ द्विपक्षीय संबंध बनाए हैं, जिनमें रूस के साथ एआईएम-एसआईआरआईयूएस नवाचार विनियम आयोग, डेनमार्क के साथ एआईएम-आईसीडीके (इनोवेशन सेंटर डेनमार्क) वाटर चैलेंज और ऑस्ट्रेलिया के साथ आईएससी (इंडिया ऑस्ट्रेलियन स्कूलर इकोनॉमी हैकार्थन) शामिल हैं।

- अटल इनोवेशन मिशन ने भारत और सिंगापुर के बीच आयोजित एक इनोवेशन स्टार्टअप समिट, इन्स्पेन्थोर, की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- अटल इनोवेशन मिशन ने रक्षा नवाचार संगठन, जोकि रक्षा के क्षेत्र में नवाचार के साथ-साथ खरीद को बढ़ावा दे रहा है, की स्थापना के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ भागीदारी की है।
- हाल ही में अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने भारत की 75 सफल महिला उद्यमियों का चित्रण करने वाली कॉपी टैबल बुक ‘इनोवेशंस फॉर यू’ के चौथे संस्करण को जारी किया। इस पुस्तक का लक्ष्य महिला संस्करण स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र पर; दूसरा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र पर और तीसरा परिवहन एवं गतिशीलता पर केंद्रित था।
- वर्ष 2016 के बाद से अटल इनोवेशन मिशन ने 18 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 68 अटल इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित किये हैं, जो 2700 से अधिक स्टार्टअप की सहायता करते हैं।
- देशभर में अटल इनोवेशन मिशन ने 14 अटल कम्प्यूनिटी इनोवेशन केंद्र (एसीआईसी) स्थापित किये हैं। हर एसीआईसी को पांच वर्षों के समय में 2.5 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाता है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समाचारिक मुद्रों पर लेखन करती हैं।)

## मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

## सरसों और ‘चंबल घड़ियाल अभ्यारण’ है मुरैना जिले की पहचान

मुरैना, मध्यप्रदेश के चंबल संभाग का एक जिला है। यह संभागीय मुख्यालय भी है। मुरैना जिला पूर्व में मिण्ड, दक्षिण-पूर्व में ग्वालियर, दक्षिण-पश्चिम में श्योपुर, उत्तर में राजस्थान और उत्तरप्रदेश राज्य से घिरा हुआ है।

मुरैना का नाम ‘मोर’ और ‘रैना’ को मिलाकर बना है, जिसका अर्थ होता है- मोरों का रैना (वास-स्थल) यानी एक ऐसी जगह जहां मोरें बहुतायत में पाए जाते हैं। रेलवे लाइन विछाने के समय शिकापुर और सराय के पुराने रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 1876 में पुराने गांव के नाम पर मुरैना रखा गया। इसे प्रारम्भ में पंच-मोरेना कहा जाता था, क्योंकि यहाँ कपास प्रसंस्करण मशीनें थीं। मुरैना को सिकवारी और तनवारघर नामों से भी जाना जाता था।

1904 में ग्वालियर राज्य के सिकवारी जिले को तनवारघर में मिला दिया गया और उसका जिला मुख्यालय जौरा अलापुर बनाया गया। लेकिन 1923 में तनवारघर जिले का मुख्यालय मुरैना कर दिया गया और 1937 में इसको मुरैना का नाम दे दिया गया। 1974 में इसे चंबल संभाग मुख्यालय बनाया गया था। चंबल, कुंवारी, आसन और सांक जिले की प्रमुख नदियां हैं।

मुरैना जिला मध्यप्रदेश में सरसों उत्पादन में अग्रणी है, जिस कारण इसे ‘सरसों की टोकरि’ भी कहा जाता है। जिले में ‘चंबल घड़ियाल अभ्यारण’ स्थित है, जिसकी स्थापना 1979 में की गई थी।

## इतिहास

वर्तमान मुरैना क्षेत्र को 19वीं शताब्दी के सिकवारी और तनवारघर जिलों के

साथ संबंधित माना जाता है। अंबाह क्षेत्र में सिकवारी राजपूतों की बड़ी बसावट के कारण इसे सिकरवारी और जौरा क्षेत्र में तंबर (तोमर) लोगों के बसने के कारण जिले के मध्य भाग को तनवारघर भी कहा जाता था। पूर्व ग्वालियर राज्य का हिस्सा, जिला सिकवारी बाद में 1904 में जौरा-अलपुर के मुख्यालय के साथ तनवारघर में विलय कर दिया गया। वर्ष 1927-28 में कुटुंबार गांव में खुदाई के दौरान 18,659 कांसे के सिक्कों का एक विशाल खजाना मिला था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तीसरी और चौथी शताब्दी के दौरान यह क्षेत्र नागर राजाओं के अधीन था। नागाओं के बाद गुप्त, हूण, वर्धन, गुर्जर, प्रतिहार, चंदेल और कच्छपाघाट ने इस क्षेत्र पर सफलतापूर्वक शासन किया। कीर्तिराज इस राजवंश के प्रसिद्ध राजा थे, जिनके काल में सिहोनिया के मंदिरों का निर्माण हुआ था। कच्छपाघाटों के वंश के बाद तोमर राजपूतों आदि के कुलों ने 1526 ई. तक इस क्षेत्र पर शासन किया।

अकबर द्वारा इस क्षेत्र पर आक्रमण के बाद की अवधि से लेकर 18वीं शताब्दी के अंतिम दशक तक यह क्षेत्र मुगलों के अधीन था। 1761 में पानीपत की लड़ाई के बाद, महादजी सिंधिया ने ग्वालियर पर कब्जा कर लिया और आस-पास के क्षेत्रों में कदम रखा और मुरैना का इतिहास ग्वालियर का हिस्सा बन गया।

आजादी के बाद ग्वालियर राज्य को भारत संघ में शामिल किया गया था और 1 नवंबर, 1956 को नए मध्यप्रदेश के गठन के बाद मुरैना अलग जिला बन गया। मुरैना अपनी अद्भुत स्थापत्य विरासत के

लिए देश भर में प्रसिद्ध है।

## अर्थव्यवस्था

जिले की अर्थव्यवस्था में कृषि का प्रभुत्व है। मुदा उपजाऊ है और रबी और खरीफ दोनों फसलों के लिए उपयुक्त है। खरीफ सीजन में ज्वार, बाजरा, चावल, तुअर, उड़द, मूंग और रबी सीजन में गेहूँ, चना, सरसों की फसल ली जाती है।

सरसों उत्पादन में समृद्ध होने के कारण, सरसों के तेल उत्पादक उद्योग जिले में बड़ी संख्या में हैं। जिले से सरसों, गेहूँ और तेल विदेश में भी निर्यात किया जाता है। गाय और भैंस का पालन बड़े पैमाने पर होने के कारण दूध का उत्पादन भी बड़ी मात्रा में होता है। दूध पर आधारित उत्पाद बनाने के कई उद्योग भी यहां हैं।

कैलारस सोडी ब्लॉक में चूना पत्थर पाया जाता है। नूराबाद के पास धनेला गांव में मिलने वाली मिट्टी का उपयोग ग्लास उद्योग में किया जाता है। मुरैना जिला शहद उत्पादन में भी आगे है। साथ ही यहां की गजक (एक तरह की मिठाई) देशभर में प्रसिद्ध है।

सीमेंट कारखाना, बहमर चीनी मिल कैलारस, जेके टायर बामोर और राठी तेल मिल आदि जिले के अन्य प्रमुख उद्योग हैं।

## मुरैना जिला प्रमुख तथ्य

- जिले का गठन- 1 नवंबर, 1956
- संभाग- चंबल
- जिला मुख्यालय- मुरैना
- क्षेत्रफल- 4989 वर्ग किलोमीटर
- जनसंख्या- 12,79,090 (पुरुष-7,07,470, महिलाएं-5,71,610)
- लिंग अनुपात- 840

- जनघनत्व- 394 प्रति वर्ग किलोमीटर
- साक्षरता- 72.07 प्रतिशत
- तहसीलें- 8 (मुरैना शहरी, मुरैना ग्रामीण, अंबाह, पोरसा, जौरा, कैलारस, सबलगड़, बामोर)
- विकासखंड- 6
- ग्राम पंचायत- 489
- ग्राम- 815
- नगर निगम- 01
- नगर पालिका- 03
- जिला पंचायत- 01
- नगर परिषद- 04
- जनपद पंचायत- 07
- विधानसभा क्षेत्र- 06 (मुरैना, सबलगड़, जौरा, सुमावली, विमनी और अंबाह)
- लोकसभा क्षेत्र- 01 (मुरैना)
- भाषा एवं बोली- हिन्दी

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

## अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- वीहड़ों, गहरी घाटियों, हाड़ियों की अनूठी भौगोलिक स्थिति के कारण यह आक्रमण या शासन करने के लिए हमेशा एक कठिन क्षेत्र था। 20वीं सदी में मुरैना की घाटी गुरिल्ला गतिविधियों के लिए एक आदर्श स्थान था। चंबल नदी के द्वारा अवनालिका अपरदन से मुरैना सर्वाधिक प्रभावित जिला है, जिसके कारण चंबल के वीहड़ों (खड्ड) का निर्माण होता है।
- मुरैना जिले का मितावली स्थान अपने अति प्राचीन चौसठ यागिनी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। 1323 ईस्वी पूर्व के एक शिलालेख के अनुसार यह मंदिर

कच्छप राजा देवपाल द्वारा बनाया गया था। कहा जाता है कि यह मंदिर सूर्य के गोचर के आधार पर ज्योतिष और गणित की शिक्षा प्रदान करने का स्थान था। यह भी माना जाता है कि देश के संसद भवन की कल्पना इसी मंदिर के आधार की गयी है। लगभग सौ फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित 64 कक्षों वाली यह गोलाकार इमारत एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। हर कक्ष में शिवलिंग की उपस्थिति के कारण इसे एकहूंसो महादेव मंदिर भी कहते हैं। भारतीय पुरातत्व संवर्क्षण ने मंदिर को ऐतिहासिक स्मारक घोषित किया है।

- मुरैना से तकरौवन 30-40 किलोमीटर दूर चंबल के जंगलों में स्थित बटेश्वर मंदिर समूह अपनी ऐतिहासिकता के लिए प्रसिद्ध है। ये मंदिर भगवान शिव, विष्णु और शक्ति को समर्पित है। 200 से अधिक मंदिरों के इस समूह में से अधिकतर अब खंडहर हो चुके हैं। पुरातत्त्वविदों के अनुसार इन मंदिरों का निर्माण प्रतिहार वंश के शासकों द्वारा कराया गया था।
- जिले के सिहोनिया गांव में स्थित कनकमठ मंदिर एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। 11वीं शताब्दी में विशाल पैमाने में बना यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 100 फीट ऊंचा है। इस मंदिर के लखन राजा कीर्ति राज ने करवाया था।

- रीता मोदी

(लेखिका, समाचारिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)





# सामयिकी

● ग्लोबल रिपोर्ट ●

**देश में बीते साल चीन की तुलना में कार्बन उत्सर्जन 20% कम रहा**

भारत में कार्बन उत्सर्जन की दर वर्ष 2022 में सबसे ज्यादा रहने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में इसमें



● मौजूदा स्तर पर उत्सर्जन बना रहा तो 9 साल में धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार कर जाने की 50 फीसदी संभावना बढ़ जाएगी।

गिरावट के आसार कम हैं। यह दावा कार्बन उत्सर्जन पर आई ग्लोबल रिपोर्ट में किया गया है। हालांकि वर्ष 2021 में भारत का कार्बन उत्सर्जन चीन की तुलना में करीब 20% और अमेरिका से आधा ही है।

प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन की बात करें तो चीन का कार्बन उत्सर्जन भारत से 4 गुना ज्यादा और अमेरिका का 7.5 गुना से अधिक है। ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट साइंस टीम ने नई रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर कार्बन का उत्सर्जन रिकॉर्ड ऊंचाई पर बना हुआ है, इसमें गिरावट के संकेत नहीं हैं।

## टेस्ला के मालिक एलन मस्क भारत के लिए सस्ती कार बनाएंगे

कार कंपनी टेस्ला और ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने इंडोनेशिया की राजधानी बाली में आयोजित जी-20 सम्मेलन के दौरान एक व्यापार मंच को संबोधित किया। उनसे पूछा गया कि भारत जैसे विकासशील देशों और इंडोनेशिया के लिए कम लागत वाली इलेक्ट्रिक कार लाने पर उनका क्या रुख है। इस पर मस्क ने कहा, हमारा मानना है कि सस्ता वाहन बनाना चाहिए और हम इसके लिए कुछ करेंगे।

मस्क ने ट्विटर के अधिग्रहण को लेकर भी बात की। उन्होंने ट्विटर विडियो की लंबाई बढ़ाने की इच्छा जताई और कहा कि वह सामग्री बनाने वालों के साथ राजस्व साझा करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने इसका अधिक व्योरा नहीं दिया।



ट्विटर के नए मालिक ने कहा, एलन मस्क होना आसान नहीं है और अपनी इच्छा को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करने की जरूरत होती है। यह उन युवाओं को यह संदेश है, जो उद्यमिता के क्षेत्र में उनकी सफलता का अनुकरण करने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने कहा, आप जो चाहते हैं उसके लिए सतर्क रहें। मुझे नहीं पता कि कितने लोग मेरे जैसा बनना चाहते हैं। मैं खुद भी काफी मेहनत करता हूं।

नासा का अध्ययन

## सबसे बड़ा बर्फ का पहाड़ खत्म होने की कगार पर

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर खुलासा किया है कि धरती पर मौजूद सबसे बड़ा बर्फ का पहाड़ खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। अंटार्कटिका पर मौजूद A-76A एक समय में बर्फ के सबसे बड़े पहाड़ों में से एक का आखिरी बचा हुआ हिस्सा है। यह जल्द ही खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। अमेरिका के नेशनल आइस सेंटर के मुताबिक यह आइसबर्ग 135 कि.मी. लंबा और 26 कि.मी. चौड़ा है। यह लंदन के कुल आकार का लगभग दोगुना है।

यह मई 2021 में तीन भागों में बंट गया था। यह थे - 76A, 76B और 76C।



● यह रोड़े आइलैंड के आकार के पहाड़ A-76 का सबसे बड़ा हिस्सा है। पहले इसे सबसे बड़ा आइसबर्ग माना जाता था। यह हिस्सा अंटार्कटिका के रोड़े आइस शेल्फ के पश्चिमी हिस्से से मई 2021 में टूटा था।

आइसबर्ग संख्या 76A इन टुकड़ों में सबसे बड़ा था। यह बर्फ का विशाल टुकड़ा पिछले एक साल से धीरे-धीरे अंटार्कटिका के पास तैर रहा था।

हालांकि अब इसके पिघलने की दर काफी बढ़ गई है और यह अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। A-76A की तस्वीर गत 31 अक्टूबर को नासा के टेरा सैटेलाइट ने खींची थी। यह उस समय प्रशांत और अटलांटिक महासागर को जोड़ने वाले ड्रेक पैसेज के मुहाने पर स्थित था। यह आइसबर्ग अभी इस समय एलीफेंट द्वीप और साउथ ओर्कनेस द्वीप समूह के पास दिखाई दे रहा है।

जी-20 समूह का 17वां शिखर सम्मेलन

# आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में वैश्विक बेहतरी की भावना का समावेश है : प्रधानमंत्री



अध्यक्षता के तहत मैंग्रोव एलायंस फॉर क्लाइमेट (एमएपी), जोकि इंडोनेशिया और यूएई की संयुक्त पहल है, में शामिल हो गया है।

जर्मनी के चांसलर के साथ मुलाकात प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जर्मनी के संघीय गणराज्य के चांसलर महामहिम श्री ओलाफ स्कॉल्ज से मुलाकात की। दोनों नेता व्यापार एवं निवेश संबंधों को और अधिक गहरा करने तथा रक्षा एवं सुरक्षा, प्रवासन एवं आवागमन एवं बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ बैठक प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री एमैनुएल मैक्रॉन से मुलाकात की। दोनों राजनेताओं ने रक्षा, असैन्य परमाणु, व्यापार और निवेश जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की। दोनों राजनेताओं ने आर्थिक संबंधों के नए क्षेत्रों में सहयोग को प्रगाढ़ करने का भी

अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी का कब्जा बरकरार

डेमोक्रेटिक पार्टी ने रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए सीनेट पर नियंत्रण बरकरार रखा। रिपब्लिकन पार्टी

● नेवाडा में सीनेटर कैथरीन कोर्टेज मैट्रो की जीत के साथ ही 100 सदस्यीय सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 50 सीटें हो गईं और उसका बहुमत बरकरार रहा।

को मध्यावधि चुनाव में बहुमत हासिल करने की उम्मीद थी। प्रतिनिधि सभा के भविष्य को लेकर अनिश्चितता हालांकि अब भी बरकरार है, क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी वहां अपने मामूली बहुमत को बरकरार करने की कोशिश में लगी है। रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने चुनाव से पहले 'रेड सुनामी' का अनुमान लगाया था। लेकिन नतीजे उनकी उम्मीदों के ठीक विपरीत आए हैं।

स्वागत किया। पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री से भेंट प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री महामहिम श्री ली सिएन लुंग से भेंट की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार तथा निवेश संपर्कों, खास तौर से फिन-टेक, नवीकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास, स्वास्थ्य तथा फार्मा क्षेत्रों को विस्तार देने के विषयों पर अपने संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सिंगापुर को आमंत्रित किया कि वह विभिन्न सेक्टरों में निवेश करें।

इटली की प्रधानमंत्री को दी बधाई प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री सुशी जियॉर्जिया मेलोनी को इटली की प्रथम महिला प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई और लोगों के बीच मेलमिलाप सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर चर्चा की।

## भारत जितना चाहे रूस से उतना तेल खरीद सकता है : अमेरिकी वित्त मंत्री

अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा है कि भारत जितना चाहे रूस से उतना तेल खरीद सकता है, लेकिन यह खरीदारी

● अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा जी-7 की मूल्य सीमा से ऊपर हो खरीदारी।  
● मूल्य सीमा लागू होने से रूस का कच्चा तेल कम मूल्य पर बिकेगा।  
● भारत इस समय रूस के तेल का चीन के बाद सबसे बड़ा खरीदार है।

जी-7 देशों की ओर से लगाई जाने वाली मूल्य सीमा से ऊपर होनी चाहिए।

भारत-अमेरिका इकॉनॉमिक फाइनेंशियल टैक्नरशिप (ईएफटी) से इतर बातचीत में येलेन ने कहा कि रूसी तेल पर मूल्य सीमा से न सिर्फ वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के मूल्य में कमी आएगी, बल्कि

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथोनी अल्बानीज से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत दोनों देशों के बीच संबंधों की उत्कृष्ट स्थिति तथा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नियमित आधार पर होने वाली उच्चस्तरीय बातचीत पर संतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक संबंध सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को प्रगाढ़ करने में हुई प्रगति की समीक्षा की।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री माननीय रूथ सुनक के साथ बैठक की। यह दोनों राजनेताओं के बीच पहली बैठक थी। दोनों राजनेताओं ने जी-20 और राष्ट्रमंडल सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय फोरम में साथ मिलकर काम करने के विशेष महत्व की सराहना की। इस बैठक के दौरान आपसी सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कि व्यापार, गतिशीलता, रक्षा और सुरक्षा पर चर्चा हुई।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन के साथ बैठक की। दोनों राजनेताओं ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, उन्नत कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्य-उन्मुख क्षेत्रों में सहयोग समेत निरंतर प्रगाढ़ होती भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने क्वाड, आई2यू2 जैसे नए समूहों में भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।



रूस के राजस्व पर भी अंकुश लगेगा। जब यूरोपियन यूनियन (ईयू) मूल्य सीमा के दायरे से बाहर और मौजूदा छूट के बिना तेल आयात पर रोक लगा देगा, तो रूस उतना तेल नहीं बेच पाएगा, जितना वह अभी बेच रहा है। जिससे रूस को इसे बेचने में बाधा आएगी। अमेरिका का सामना करना होगा। जी-7 देश पांच दिसंबर को रूस के तेल की बिक्री पर मूल्य सीमा की घोषणा कर सकते हैं।

## मूल मिशन 'आर्टेमिस-1' नासा ने किया लॉन्च

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का मूल मिशन 'आर्टेमिस-1' लॉन्च हो गया है। रॉकेट ने फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समय के अनुसार 12.17 बजे उड़ान भरी। ओरियन चंद्रमा की सतह के 96.5 किलोमीटर पास से गुजरेगा। यह चांद की कक्षा में सैटेलाइट्स भी छोड़ेगा। कुछ हफ्ते स्पेस में बिताने के बाद यह 11 दिसम्बर को प्रशांत महासागर में आ गिरेगा। ओरियन ने पृथ्वी की तस्वीर भेजी है। लॉन्च के कुछ मिनट बाद ही रॉकेट ने ओरियन स्पेसक्राफ्ट को चांद की तरफ छोड़ दिया। नासा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी



दी। इससे पहले 29 अगस्त और 3 सितम्बर को भी लॉन्चिंग की कोशिशें हुई थीं, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी और मौसम खराब होने के चलते इन्हें टालना पड़ा था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साधारा)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेंद्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.वी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लॉट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।